@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 30 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 50 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

धारावी पुनर्विकास परियोजना का नाम बदला

मुंबई, 29 दिसंबर। अदाणी समर्थित कंपनी धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपीपीएल) जो धारावी की झुग्गियों को नया स्वरूप देने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रही है, अब उसे नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड ((एनएमडीपीएल) के नाम से जाना जाएगा। कंपनी ने कहा कि वह अपने आधुनिक, समावेशी और जीवंत समुदाय के निर्माण के वादे के अनुरूप खुद को नया नाम दे रही है। कंपनी ने कहा, नवभारत मेगा डेवलपर्स नाम कंपनी की विकास, बदलाव और उम्मीद के प्रति प्रतिबद्धता और नए नाम देने की कवायद पर आधारित है, जिसे इसके निदेशक मंडल और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की मंजूरी मिल चुकी है। धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड में अदाणी समूह की 80 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि बाकी राज्य सरकार के पास है। अब नई कंपनी में भी हिस्सेदारी अपरिवर्तित रहेगी। धारावी परियोजना के तहत अदाणी समूह की कंपनी मुंबई की 620 एकड़ भूमि का विकास करेगी। योजना के तहत धारावी को आधुनिक शहरी केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के करीब घनी आबादी वाला धारावी इलाका अभी झुग्गी-झोपड़ियों से भरा है, जहां करीब 10 लाख लोग खुले सीवर और साझा शौचालयों वाली जगह पर रहते हैं। परियोजना के तहत पात्र निवासियों को 350 वर्ग फुट तक के फ्लैट मुफ्त में दिए जाएंगे। इस योजना में करीब तीन अरब डॉलर खर्च होंगे। नाम बदलने पर कंपनी ने बयान में कहा कि नवभारत नाम, जिसका अर्थ है नया भारत, इस परियोजना की उस विशाल क्षमता को दर्शाता है जो एक बेहतर कल को आकार देने में निहित है।

समाज से नफरत और विभाजन खत्म करने का संकल्प लेकर लौटें: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को लेकर भी लोगों को जानकारी दी और संकल्प दिलाया। पीएम नरेंद्र मोदी ने श्रद्धालुओं से अपील की कि जब हम कुंभ में भाग लें तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लेकर लौटें। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस समय संगम तट पर भव्य तैयारियां चल रही हैं। कुछ दिन पहले प्रयागराज गया था तो हेलीकॉप्टर से वहां चल रहीं तैयारियां देखकर खुश हो गया था। इतना विशाल, इतना सुंदर, इतनी भव्यता। महाकुंभ की विशेषता इसकी विशालता में ही नहीं है। कुंभ की विशेषता इसकी विविधता में है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेकों अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता। कोई बड़ा नहीं होता, कोई छोटा नहीं होता। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य, विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता है। इसलिए ये हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी होता है। इस बार का महाकुंभ भी एकता के महाकुंभ के मंत्र को सशक्त करेगा। जब हम इसमें शामिल हों

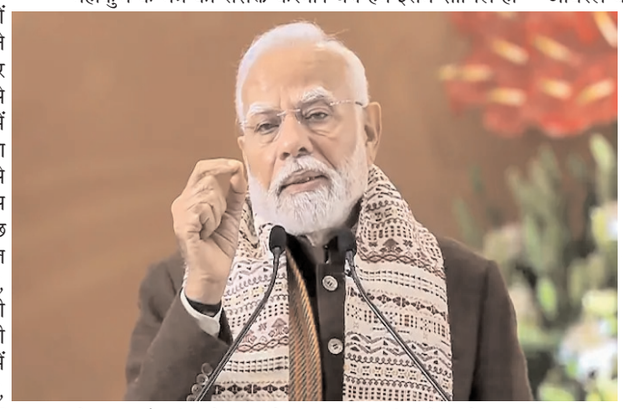

तो एकता के मंत्र को साथ लेकर वापस आएं। पीएम ने कहा कि जब हम कुंभ में भाग लेंगे, तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लेंगे। कम शब्दों में कहूंगा कि महाकुंभ का संदेश, एक हो पूरा देश। दूसरे शब्दों में कहें तो गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। गंगा की अविरल धारा, न बंटे समाज हमारा। पीएम मोदी ने कहा कि डिजिटल नेविगेशन की मदद से श्रद्धालु महाकुंभ 2025 में विभिन्न घाटों, मंदिरों और साधुओं के अखाड़ों तक पहुंच सकेंगे। यही नेविगेशन सिस्टम पार्किंग स्थलों तक पहुंचने में भी मदद करेगा। कुंभ आयोजन में पहली बार एआई चैटबॉट का इस्तेमाल किया जाएगा। एआई चैटबॉट के जरिये कुंभ से जुड़ी सभी तरह की जानकारी 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी। इस चैटबॉट से संदेश भेजकर कोई भी कैसी भी मदद मांग सकता है। पूरे मेला क्षेत्र को एआई संचालित कैमरों से कवर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान अगर कोई अपने परिजनों से बिछड़ जाता है तो ये कैमरे उसे ढूंढने में मदद करेंगे। श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्र की सुविधा भी मिलेगी। श्रद्धालुओं को उनके मोबाइल फोन पर सरकार द्वारा स्वीकृत टूर पैकेज, आवास और होमस्टे की जानकारी दी जाएगी। आप भी महाकुंभ में जाएं तो इन सुविधाओं का लाभ उठाएं। साथ ही #एकताकामहाकुंभ के साथ अपनी सेल्फी जरूर अपलोड करें।

चंडीगढ़ में अलग हाईकोर्ट के मामले में हरियाणा सरकार को झटका

चंडीगढ़, 29 दिसंबर। पंजाब और हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में अलग हाईकोर्ट की बाट जोह रहे हरियाणा को बड़ा झटका लगा है। हरियाणा सरकार के प्रस्ताव पर पंजाब सरकार ने पूरी तरह से असहमति जताई है। वहीं, पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की फुल कोर्ट (पूर्ण न्यायालय बैठक) में भी नतीजा नहीं निकलने पर कोई राय नहीं दी गई। हाईकोर्ट की फुल कोर्ट में न्यायालय से सभी जस्टिस शामिल होकर किसी मुद्दे पर आपसी सहमति के बाद अपना विचार प्रस्तुत करते हैं। फिलहाल, हरियाणा सरकार का अपना अलग हाईकोर्ट का प्रस्ताव टल गया है। यह खुलासा खुद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में किया है। दरअसल, अंबाला से कांग्रेस के लोकसभा सांसद वरुण चौधरी ने अलग हाईकोर्ट को लेकर सवाल पूछा था। सांसद ने पूछा, क्या केंद्र सरकार के पास हरियाणा के लिए अलग से हाईकोर्ट स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है, अगर प्रस्ताव है तो हरियाणा की अलग उच्च न्यायालय स्थापित करने की समय सीमा क्या है। वहीं, अगर ऐसा प्रस्ताव नहीं है तो इसका क्या कारण है। जवाब में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार ने चंडीगढ़ में राज्य के लिए एक अलग से हाईकोर्ट की स्थापना के लिए अनुरोध किया था।

नवजोत सिंह सिद्धू ने राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी

कौमी संवाददाता

चंडीगढ़, 29 दिसंबर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद उनका स्मारक बनाने का मुद्दा खूब गरमा गया है। इस मुद्दे पर पूर्व क्रिकेटर व पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी है। सिद्धू ने चिट्ठी में डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक राजघाट पर बनाने की मांग की है। सिद्धू का यह पत्र ऐसे समय आया है जब कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि देश के पहले सिख प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया गया, जबकि उनके लिए एक नामित स्थान होना चाहिए था, जहां उनका स्मारक बन सकता। सिद्धू ने कहा कि सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों का स्मारक बनाया गया है। मनमोहन सिंह के मामले में यह परंपरा तो ?ी जा रही है। ऐसा क्यों किया जा रहा है। राजघाट में गुलजारी लाल नंदा, पीवी नरसिम्हा राव जैसे पूर्व प्रधानमंत्रियों के भी स्मारक बने हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने राष्ट्रपति को भेजे पत्र में लिखा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप केंद्र सरकार को निर्देश दें कि डॉ. मनमोहन सिंह के लिए राजघाट परिसर में स्मारक स्थापित किया जाए। पंडित जवाहरलाल नेहरू के शांति वन, लाल बहादुर शास्त्री के विजय घाट, इंदिरा गांधी के शक्ति स्थल, राजीव गांधी के वीर भूमि और अटल बिहारी वाजपेयी के सदा अटल की तरह राजघाट परिसर में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को स्मारक दिया गया है। सिद्धू ने कहा कि मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करना और उनकी विरासत को याद करने के लिए कोई कदम न उठाना इस परंपरा का उल्लंघन है। यह राजनीतिक पक्षपात और असुरक्षा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने एक दशक तक भारत को आर्थिक विकास और वैश्विक समावेशन की दिशा में मार्गदर्शन किया। उनका योगदान अनदेखा नहीं किया जा सकता। सिद्धू ने उल्लेख किया कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव का अंतिम संस्कार दिल्ली के बाहर किया गया था। फिर भी हैदराबाद में ज्ञान भूमि में उनका स्मारक बनाया गया है। ऐसे में मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर निष्क्रियता सवाल खड़े करती है।

मूंगफली बेचने वाला निकला 2000 के नोट बदलने वाले गिरोह का संचालक

मुंबई, 29 दिसंबर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में पुलिस ने एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो कमीशन पर दो हजार रुपये के नोट बैंक से बदलने का करता था। इस मामले की जांच कर रही नागपुर पुलिस तब हैरान रह गई जब एक मूंगफली बेचने वाले से पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे तीन अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक, आरोपियों में से एक नंदलाल मौर्य संविधान स्क्वायर इलाके में एक ठेले पर मूंगफली और अन्य स्नैक्स बेचता है, जहां रिजर्व बैंक का कार्यालय और महाराष्ट्र विधान भवन भी मौजूद है। मामले में एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि आरोपी नंदलाल मौर्य 2000 रुपये के नोट बदलने के लिए गरीब पुरुषों और महिलाओं को कमीशन पर रखता था। वे इन नोटों को कानूनी रूप से 500 रुपये के नोटों से बदलने के लिए आरबीआई को अपना आधार कार्ड विवरण प्रस्तुत करते थे। वहीं इस मामले में गिरफ्तार किए गए तीन अन्य लोगों की पहचान रोहित बावने, किशोर बहोरिया और अनिल जैन के रूप में हुई है, जो मध्य प्रदेश के जबलपुर का रहने वाले हैं और माना जा रहा है कि वह इस अपराध का सरगना है। बता दें कि, पिछले साल 19 मई को आरबीआई ने 2,000 रुपये के नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की।

इस्लाम में नाजायज है नववर्ष मनाना: मौलाना रजवी

बरेली, 29 दिसंबर। नए साल का आगाज होने वाला है। इस मौके पर लोग जश्न मनाते हैं। एक दूसरे को मुबारकबाद देने के लिए होटलों में प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। इस पर चश्मे दारूल इफ्ता के हेड मुफ्ती और मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने फतवा जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि नए साल का जश्न मनाना, मुबारकबाद देना और पार्टी करना इस्लाम में नाजायज है। फतवे में कहा गया है कि नया साल जनवरी से शुरू होता है, जो ईसाइयों का नया साल है। ईसाई का मजहबी कार्यक्रम है, वो हर साल के पहले दिन ज़श्न मनाते हैं। इसमें विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। ये ईसाइयों का खालिस धार्मिक कार्यक्रम है। इसलिए मुसलमानों को नए साल का जश्न मनाना जायज नहीं है। इस्लाम इस तरह के कार्यक्रमों को शख्ती के साथ रोकता है। शाहाबुद्दीन रजवी ने फतवे में कहा है कि नए साल का जश्न मनाना, एक दूसरे को मुबारकबाद देना, पटाखे दागना, तालियां बजाना, शोर मचाना, लाइट बंद करके हुड़दंग करना फिर लाइट को दोबारा जलाना, नाच गाना करना, शराब पीना, जुआं खेलना, अपने मोबाइल व्हाट्सएप से एक-दूसरे को मैसेज भेजकर मुबारकबाद देना, ये सारे काम इस्लामी शरीयत की रोशनी में नाजायज हैं। फतवे में मुसलमानों से कहा गया है कि गैरों के धार्मिक त्योहारों में शामिल होने, या खुद करने या उसका एहतमाम देखने से बचें और दूसरे मुसलमानों को भी रोंके। अगर कोई व्यक्ति इस तरह का गैर शरई काम अंजाम देता है तो वो सख्त गुनेहगार होगा। मुसलमानों को चाहिए कि शरीयत के खिलाफ कोई भी कार्य न करें।

सस्ती सियासत कर रही भाजपा, कांग्रेस के दबाव में स्मारक की अधिसूचना: पवन खेड़ा

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो चुका है। कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग हो रही है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी पूर्व पीएम का स्मारक बनाने के नाम पर सस्ती राजनीति कर रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सवाल किया, क्या आपने कभी किसी ऐसे पूर्व पीएम के बारे में सुना है जिसका अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर हुआ हो? खेड़ा ने कहा, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने शक्ति स्थल से जमीन देने की पेशकश भी की। वे बस इतना चाहते थे कि डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार ऐसी जगह हो जहां उनका स्मारक बनाया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया जा रहा था उसके परिवार पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने सवाल किया, क्या हमेशा पीएम पर ध्यान देना जरूरी है? बकौल पवन खेड़ा, जेपी नड्डा और हरदीप सिंह पुरी सस्ती राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दबाव के बाद ही बीजेपी ने स्मारक बनाने की अधिसूचना जारी की है। इस मामले में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सत्ता में बैठे लोगों को समझना चाहिए कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश को बेहतर बनाया और लोगों को नई उम्मीद दी।

उन्होंने कहा, आज जो लोग सत्ता में हैं, जो पिछले दो दिनों से डॉ. मनमोहन सिंह की प्रशंसा कर रहे हैं उनके योगदान को याद कर रहे हैं, उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह के व्यक्तित्व को देखना चाहिए। रमेश ने कहा, नोटबंदी पर उनके 4 मिनट के भाषण ने सरकार को हिलाकर रख दिया। जब वे विपक्ष में थे, तो उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं कहा, लेकिन जब उन्होंने बात की, तो सभी ने सुना। लाल बहादुर शास्त्री के बारे में कहा जाता है कि उनका कोई दुश्मन नहीं था, मैं डॉ. मनमोहन सिंह के बारे में भी यही कह सकता हूं। इससे पहले केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा, जो लोग सरदार डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर समानांतर कहानी गढ़ रहे हैं, वे उनकी स्मृति और एक इंसान के रूप में उनके चरित्र के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रहे हैं। पुरी ने कहा, डॉ मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर पूरे राजकीय और सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। 21 तोपों की सलामी दी गई। सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। तिरंगा आधा झुका रहेगा। इस दौरान सिख संगत के सदस्य भी मौजूद थे। डॉ. मनमोहन सिंह जी हमेशा हमारे लिए एक प्रेरणादायी नेता रहेंगे। हम उनकी यादों और मूल्यों को संजो कर रखेंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी के वे लोग जो इस गंभीर क्षण की गरिमा और शांति को विवादों और झूठों से खराब कर रहे हैं, उन्हें ऐसा करने से बचना चाहिए और आत्मचिंतन करना चाहिए।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर राजनीति की कोशिश निराशाजनक: सरमा

तेजिन्दर कौर बब्बर

गुवाहाटी, 29 दिसंबर। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्मारक को लेकर कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों पर असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने पलटवार किया है। सरमा ने कहा कि कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर विवाद खड़ा कर रही है। यह बेहद निराशाजनक है। जबकि केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने का एलान किया है। असम के सीएम सरमा ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि कांग्रेस ने अपनी विरासत की उपेक्षा की है। पूर्व पीएम नरसिम्हा राव हों या पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी। कांग्रेस ने अपनी ही विरासत के साथ उदासीनता बरती है। सरमा ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह अद्वितीय गरिमा और बुद्धि के धनी राजनेता थे। यह बेहद निराशाजनक है कि कांग्रेस उनके अंतिम संस्कार को लेकर विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। इससे डॉ. सिंह की अंतिम यात्रा की गरिमा कम हो रही है। सरमा ने कहा कि भारत के लोगों ने राष्ट्र के लिए उनके अमूल्य योगदान को मान्यता देते हुए डॉ. सिंह को सम्मानपूर्वक और हार्दिक विदाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही उनकी विरासत को

सम्मानित करने के लिए एक उपयुक्त स्मारक की घोषणा की है, जो राष्ट्र की कृतज्ञता को दर्शाता है। फिर भी कुछ लोग शोक के इस क्षण को राजनीतिक लाभ के अवसर में बदलना चाहते हैं, बहुत दर्दनाक है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि जनता को अभी भी डॉ. सिंह के प्रति उनके कार्यकाल के दौरान किए गए अपमान याद हैं। इसमें राहुल गांधी के इशारे भी शामिल हैं, जिन्होंने उनके कद को कमतर आंका। इस तरह की हरकतें राष्ट्र की यादों में हैं। डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद तो कम से कम उनकी विरासत राजनीतिक अवसरवाद से कलंकित नहीं होनी चाहिए। हम उनकी स्मृति को उस गरिमा और सम्मान के साथ सम्मानित करें जिसके वे हकदार हैं। दरअसल, कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर देश के पहले सिख प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए उचित और सम्मानजनक स्थान नहीं देने का आरोप लगाया। कांग्रेस की मांग थी कि अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर किया जाना चाहिए था, जहां बाद में उनका स्मारक बनाया जा सके। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और केंद्र की एनडीए सरकार ने मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री का सरासर अपमान किया है।

गांधी परिवार को आत्मचिंतन करने की जरूरत

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने रविवार को आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने कभी गैर-गांधी कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया कि केंद्र सरकार ने देश के पहले सिख प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर कर उन्हें अपमानित किया। दरअसल कांग्रेस की मांग थी कि मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार करन के लिए अलग से जगह आवंटित की जाए और फिर उस जगह पर स्मारक बना दिया जाए। हालांकि सरकार ने कहा है कि मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह जल्द ही आवंटित कर दी जाएगी। इस मुद्दे पर खूब राजनीति भी हुई। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने इस मुद्दे पर राजनीति को दुर्भाग्यपूर्ण और सस्ती राजनीति करार दिया। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ हमारे वैचारिक और राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, वह सबसे सम्मानित व्यक्ति हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छा के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

कांग्रेस में खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे पुराने नेता: शर्मिष्ठा

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस में गिरावट आ गई है और पार्टी को दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पर आत्ममंथन करने की जरूरत है। शर्मिष्ठा ने पार्टी की मौजूदा स्थिति पर अफसोस जताते हुए कहा कि आज कई पुराने कांग्रेस कार्यकर्ता खुद को पार्टी से अलग-थलग महसूस कर रहे हैं, क्योंकि शीर्ष नेताओं में विचारधारा की कमी है। शर्मिष्ठा ने यह भी सवाल उठाया कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक क्यों नहीं बुलाई गई और कोई प्रस्ताव क्यों नहीं पारित किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें बुरा लगा जब उनके पिता की मृत्यु के बाद सीडब्ल्यूसी की बैठक नहीं बुलाई गई। सीडब्ल्यूसी कांग्रेस के सबसे बड़े फैसले लेने वाली संस्था है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को इसका जवाब देना होगा। मैं सिर्फ एक तथ्य पेश कर सकती हूं। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि मुझे नहीं पता कि यह जानबूझकर किया गया था या बस लापरवाही थी। इतनी पुरानी पार्टी में क्या परंपराएं हैं? पीटीआई से बातचीत में शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा, अगर (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी और उनके करीबी लोगों को यह नहीं पता कि कांग्रेस ने पहले इस स्थिति में कैसे काम किया, तो यह खुद कांग्रेस के भीतर एक गंभीर और दुखद स्थिति है। जब कांग्रेस में गैर-वंशवादी नेताओं के योगदान के बारे में पूछा गया, तो शर्मिष्ठा ने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि (पूर्व प्रधानमंत्री) पी.वी.नरसिम्हा राव के साथ क्या किया गया। शर्मिष्ठा ने आगे कहा, कांग्रेस का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम), यानी उसका सोशल मीडिया लगातार मुझे और मेरे पिता को कुछ अन्य मुद्दों पर लगातार ट्रोल कर रहा था। जो भाषा मेरे और मेरे पिता जैसे बड़े नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल की गई, वह यह दिखाती है कि कांग्रेस में सचमुच एक दरार आ चुकी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को सोशल मीडिया पर ट्रोल करने के बजाय गंभीर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। क्योंकि मेरी तरह कांग्रेस की विचारधारा में भरोसा रखने वाले व्यक्ति आज पार्टी से खुद को अलग महसूस करते हैं। इससे पहले, एक्स पर एक और पोस्ट में मुखर्जी ने कहा था, जब बाबा का निधन हुआ, तो कांग्रेस ने शोक के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाने की जहमत नहीं

उठाई। एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा कि यह राष्ट्रपति के लिए नहीं की जाती है। यह बिल्कुल बकवास है, क्योंकि मुझे बाबा (प्रणब मुखर्जी) की डायरियों से पता चला कि के.आर. नारायणन की मृत्यु पर सीडब्ल्यूसी की बैठक को बुलाया गया था और शोक संदेश बाबा ने ही तैयार किया था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए स्मारक बनाने को लेकर चल रहे विवाद पर मुखर्जी ने कहा कि वह इस विवाद में नहीं पड़ेंगी, क्योंकि वह अब कांग्रेस का हिस्सा नहीं है और उन्होंने राजनीतिक छोड़ दी है। हालांकि, उन्होंने मनमोहन सिंह के लिए एक स्मारक बनाने की पैरवी की और कहा कि देश का सर्वोच्च न्यागरिक पुरस्कार भारत रत्न भी पूर्व प्रधानमंत्री को मरणोपरांत दिया जाना चाहिए। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूंगी, मैं अब कांग्रेस से जुड़ी हुई नहीं हुई। मैंने राजनीति छोड़ दी है। राहुल गांधी ने जो कहा है, कांग्रेस को उसे स्पष्ट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मनमोहन सिंह के लिए एक स्मारक बनाने की मांग बिल्कुल जायज है। वह भारत में आर्थिक सुधारों के वास्तुकार थे। वह भारत की विकास गाधा के जनक थे। वह दो बार के प्रधानमंत्री थे। इसलिए उनके सम्मान में स्मारक की मांग बिल्कुल जायज है। साथ ही भारत के आम नागरिकों की ओर से मैं उनके लिए भारत रत्न की मांग करती हूं। वह इसके पूरी तरह हकदार हैं।

भाजपा को जनवरी के अंत में मिल सकता है नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। भाजपा को नए साल में जनवरी के अंत में नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। भाजपा नेता पीटी कुंजांग ने कहा कि 15 जनवरी तक राज्य और जिला अध्यक्षों के चुनाव पूरे होंगे। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी के अंत या फरवरी के पहले हफ्ते में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। भाजपा की नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में रविवार को संगठन चुनाव को लेकर अहम बैठक हुई। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, सभी महासचिव, सभी प्रदेश अध्यक्ष और सभी प्रदेश महासचिवों के साथ-साथ संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के प्रमुख और सह प्रमुख शामिल हुए। बैठक के बाद कुंजांग ने बताया कि बैठक में संगठन की चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड को 15 जनवरी तक नए अध्यक्ष मिल सकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 2023 में खत्म हो चुका है। हालांकि लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनाव को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। नड्डा जनवरी 2020 में पार्टी के अध्यक्ष बनाए गए थे। भाजपा के संविधान के अनुसार, कोई व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक लगातार अध्यक्ष रह सकता है। साथ ही नड्डा केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी शामिल किए गए हैं, ऐसे में उनका फिर से अध्यक्ष बनने की उम्मीद खत्म हो गई है। कुंजांग ने बताया कि पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को पूरे एक साल तक मनाने का फैसला किया है। इस साल उन्होंने 100 साल पूरे किए हैं। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए भाजपा उनकी जयंती को पूरे एक साल तक सुशासन पर्व के तौर पर मनाएगी। उन्होंने कहा कि यह भी फैसला लिया गया कि पार्टी कांग्रेस के बीआर आंबेडकर के अपमान के आरोप के जवाब में संविधान पर्व भी मनाएगी।

त्रिंकोमाली में मिले ड्रोन को श्रीलंका ने भारत का बताया, जांच बैठाई

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के कुछ मछुआरों को त्रिंकोमाली समुद्र तट के पास एक मानव रहित ड्रोन मिला है। श्रीलंका ने इसे भारतीय वायुसेना का लक्ष्य आधारित ड्रोन बताया है। इसकी जांच के लिए एक विशेष रक्षा दल नियुक्त किया गया है। यह ड्रोन तट से लगभग 35 समुद्री मील दूर मिला है। डेली मिरर के अनुसार, श्रीलंकाई वायुसेना के प्रवक्ता ग्रुप कैप्टन एरंडा गीगनेज ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ऐसे ड्रोन का उपयोग आमतौर पर प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान रक्षा बल करते हैं। श्रीलंका के पास ऐसा कोई ड्रोन नहीं है। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि ड्रोन में कोई विस्फोटक नहीं मिला है। इसी प्रकार का एक ड्रोन अगस्त 2020 में भी मिला था।

दो कैंपों पर अर्धसैनिक बल 'आरएसएफ' के हमले से 20 नागरिकों की मौत

खार्तूम। सूडान के एल फशर शहर में दो कैंपों पर अर्धसैनिक बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) के हमलों में कम से कम 20 नागरिक मारे गए और 17 अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने कहा, 'कल रात (शुक्रवार) एक आरएसएफ मिलिशिया ड्रोन ने एल फशेर में सैकड़ों विस्थापित लोगों के शिविर, कोज बेना स्कूल पर चार बम गिराए। इसमें 19 नागरिक मारे गए और 16 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा, 'आज सुबह मिलिशिया ने एल फशर के उत्तर में अबू शौक विस्थापन शिविर पर गोलाबारी की। इसमें एक नागरिक की मौत हो गई और एक लड़की घायल हो गई।' आरएसएफ ने अबू ज़ेरिगा क्षेत्र पर हमले पर कोई टिप्पणी जारी नहीं की है। इससे पहले चार दिसंबर को, सूडान के दारफुर क्षेत्र के गवर्नर ने घोषणा की थी कि सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य के एक क्षेत्र में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में 20 नागरिक मारे गए थे। गवर्नर मिन्नी आर्को मिन्नावी ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में कहा, 'आरएसएफ ने एल फशर शहर के दक्षिण में अबू ज़ेरिगा क्षेत्र में नरसंहार किया, इसमें 20 नागरिक मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए।' मिन्नावी ने कहा कि हमला 3 दिसंबर को हुआ था।

पाकिस्तानी सेना का दावा, 2024 में मार गिराए 925 आतंकवादी

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी सेना का कहना है कि उसने 2024 में पूरे पाकिस्तान में 59,775 ऑपरेशन किए जिनमें 925 आतंकवादी मारे गए और 383 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। यह दावा ऐसे समय में किया गया है कि जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान में तनाव चरम पर है और दोनों पक्ष सीमा पर सैनिक झड़पों में उलझे हुए हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक अहमद शरीफ चौधरी ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि ऑपरेशन के दौरान प्रतिबंधित 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' और अन्य आतंकवादी समूहों के 73 'हाई-वैल्यू वाले टारगेट' मारे गए। चौधरी ने कहा, इस साल पिछले पांच वर्षों के मुकाबले सबसे अधिक संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गया है। आईएसपीआर प्रमुख ने कहा कि इस साल पाकिस्तान की सेना, कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों और पुलिस की ओर से रोज 179 से अधिक ऑपरेशन किए गए। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों और सीमा सुरक्षा प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने तस्करी, ड्रग्स तस्करी, बिजली चोरी और जमाखोरी से निपटने के लिए अपने अभियानों का विस्तार किया है। अधिकारी ने कहा, सेना और कानून प्रवर्तन एजेंसियां आतंकवादियों से लड़ती हैं, लेकिन राष्ट्र आतंकवाद से लड़ता है। समाज के सभी वर्ग और राजनीतिक दल इस मोर्चे पर एकजुट हैं।

जंगल में लगी आग ने अर्जेंटीना में नेशनल पार्क के 1,400 हेक्टेयर इलाके को किया नष्ट

ब्यूनस आयर्स । दक्षिणी अर्जेंटीना के रियो नीग्रो प्रांत में जंगल की आग ने नहुएल हुआपी राष्ट्रीय उद्यान की लगभग 1,450 हेक्टेयर ज़मीन को नष्ट कर दिया। समाचार एजेंसी मुताबिक, पार्क प्रशासन ने एक रिपोर्ट में बताया कि पार्क के दक्षिणी हिस्से में आग लगी थी, जो अब लेक मार्टिन के उत्तरी हिस्से तक फैल गई है। यह क्षेत्र पहले ही 2022 में लगी जंगल की आग से बर्बाद हो चुका था। इसमें कहा गया, सुरक्षा के लिहाज से, संरक्षित क्षेत्र के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में रास्तों को बंद कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि आग के पीछे के हिस्से में अग्निशमन प्रयासों को बढ़ाने और बचाव दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 46 अग्निशामकों को तैनात किया गया था। इसके अलावा, जंगल की आग से निकलने वाले धुएं की वजह से दृश्यता बहुत खराब हो गई, इससे हवाई मदद संभव नहीं हो पाई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, जंगल की आग का धुआं पहले ही बारिलोचे शहर को प्रभावित कर रहा है, जो अर्जेंटीना के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह शहर सर्दियों में स्की ढलानों और गर्मियों में झीलों और पहाड़ों के लिए प्रसिद्ध है।

चटगांव बंदरगाह पर पाकिस्तानी विस्फोटकों का जखीरा, भारत में आतंक फैलाने की साजिश का खुलासा

एजेंसी

ढाका। पाकिस्तान से आए बड़े पैमाने पर विस्फोटकों का जखीरा बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर उतरने की खबर ने भारत के लिए नई चिंता खड़ी कर दी है। ये विस्फोटक, जिन्हें 'सिस्मिक इमल्शन' के नाम से जाना जाता है, बड़े निर्माण कार्यों को ध्वस्त करने और भारी जनहानि करने में सक्षम हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई इन विस्फोटकों को बांग्लादेश के आतंकवादी संगठनों तक पहुंचाने की योजना बना रही है, जिसका उपयोग भारत के पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति फैलाने के लिए किया जा सकता है।

पाकिस्तानी जहाज से पहुंचा विस्फोटकअवामी लीग ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस मामले को उजागर किया। इसके मुताबिक 21 दिसंबर को कराची से आए पाकिस्तानी जहाज में ये विस्फोटक चटगांव बंदरगाह पर लाए गए। बंदरगाह के एक अधिकारी ने इन

कंटेनरों की तस्वीरें जारी कीं, जिन पर लाल रंग में 'विस्फोटक' लिखा हुआ था। हालांकि, बांग्लादेश की नौसेना ने इन कंटेनरों को कुछ घंटों के लिए रोका लेकिन बाद में इन्हें अज्ञात कारणों से छोड़ दिया गया। यह पहली बार नहीं है जब बांग्लादेश में पाकिस्तानी हथियारों का जखीरा मिला है। 2004 में भी चटगांव के सीयूएफएल घाट से 10 ट्रक हथियार जब्त किए गए थे, जो पाकिस्तान से बांग्लादेश लाए गए थे। तब असम का आतंकी नेता परेश बरुआ इन हथियारों के उपयोग करने की योजना बना रहा था। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश में कट्टरपंथ तेजी से बढ़ा है। यूनुस सरकार ने पाकिस्तान के साथ मित्रता को नया आयाम दिया है और पाकिस्तानी जहाजों को बांग्लादेश के बंदरगाहों तक पहुंचने की अनुमति दी है। सूत्रों के अनुसार, आईएसआई सीधे बांग्लादेश के आतंकवादी संगठनों को हथियार और धन उपलब्ध करा रहा है। भारत के लिए बढ़ती चिंताअंसारुल्ला बांग्ला टीमजैसे बांग्लादेश के आतंकवादी संगठन पहले ही असम, पश्चिम बंगाल और मेघालय जैसे राज्यों में पैठ बना चुके हैं। अब चटगांव में पाकिस्तानी हथियारों का मिलना यह साफ करता है कि आईएसआई बांग्लादेश को भारत में आतंक फैलाने के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। यह मामला भारत के लिए सुरक्षा के लिहाज से अत्यधिक चिंताजनक है और इससे दोनों देशों के संबंधों में नया तनाव पैदा हो सकता है।

नेपाल–भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास मंगलवार से

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास का 18वां संस्करण रूपनदेही जिले के सलझंडी में शुरू हो रहा है। इस सैन्य अभ्यास में सहभागी होने के लिए भारतीय सेना की टोली नेपाल पहुंच चुकी है।

सूर्यकिरण नामक बटालियन स्तर का यह संयुक्त सैन्य अभ्यास जंगल युद्ध, कठिनाई भूगोल में आतंकवाद का मुकाबला, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांति मिशन, आपदा प्रबंधन और राहत मानवीय सहायता, आंतरिक क्षमता निर्माण और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित है। दो सप्ताह के लंबे प्रशिक्षण में नेपाली सेना की श्री जंग बटालियन और भारतीय सेना की 11वीं गोरखा राइफल शामिल होगी। नेपाली सेना के प्रवक्ता गौरव कुमार केसी ने बताया कि संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण से नेपाल और भारत के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और विश्वास को बढ़ावा देने तथा सांस्कृतिक संबंधों का विस्तार करने की उम्मीद है। इसके साथ व्यावसायिक सहयोग भी बढ़ाया जाएगा। संयुक्त अभ्यास का 17वां संस्करण पिछले वर्ष भारत के

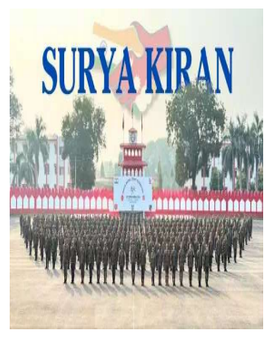

पिथौरागढ़ में आयोजित किया गया था। अब तक, संयुक्त प्रशिक्षण में भाग लेने वाले नेपाली सेना के व्यक्तियों की संख्या 4,215 तक पहुंच गई है, जबकि भारतीय पक्ष से यह संख्या 4,442 है।

पुतिन ने अजरबैजान एयरलाइंस के विमान से जुड़ी 'दुखद घटना' के लिए माफी मांगी

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से अजरबैजान एयरलाइंस के विमान से जुड़ी दुखद घटना के लिए माफी मांगी है। हालांकि क्रेमलिन ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। उसका कहना है कि यूक्रेन पर जवाबी कार्रवाई के समय विमान हमारे एयरस्पेस में था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अजरबैजान के विमान दुर्घटना पर माफी मांगी है। पुतिन ने अजरबैजान के राष्ट्रपति से कहा कि हादसा उनके एयरस्पेस में हुआ इसके लिए उन्हें दुख है। पुतिन ने कहा, प्लेन तय शेड्यूल के मुताबिक ग्रोज्नी पहुंचा था। इस वक्त यूक्रेन वहां हमले कर रहा था, जिसे रूस का एयर डिफेंस सिस्टम रोक रहा था। रूसी राष्ट्रपति के दफ्तर क्रेमलिन ने बयान जारी कर बताया कि 25 दिसंबर को अजरबैजान एयरलाइंस के विमान ने जब ग्रोजी में उतरने का प्रयास किया, तब यूक्रेनी ड्रोन रूस पर हमला कर रहे थे और रूसी वायु रक्षा बल उनके हमलों को विफल करने में लगे थे।

इसी दौरान, विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हालांकि, क्रेमलिन ने यह नहीं कहा कि उन्हीं के एयर डिफेंस सिस्टम की फायरिंग से विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। बतादें कि कजाकिस्तान के अक्तौ में 25 दिसंबर को दोपहर करीब 12:30 बजे अजरबैजान एयरलाइंस का एक विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में 38 लोगों की मौत हुई थी।

इजराइली हमले के बाद उत्तरी गाजा में आखिरी चिकित्सा सुविधा भी बंद

एजेंसी

जेनेवा। उत्तरी गाजा पट्टी में इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के हमले के बाद कमाल अदवान अस्पताल में चिकित्सा सुविधा संचालन व्यवस्था बंद हो गई है। इस हमले में अस्पताल के प्रमुख विभाग नष्ट हो गए थे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यह जानकारी दी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि उत्तरी गाजा में अंतिम प्रमुख स्वास्थ्य सुविधा को सेवा से बाहर कर दिया गया है और गाजा अधिकारियों के अनुसार कमल अदवान अस्पताल के पास साइटों को निशाना बनाने वाले इजरायली सैन्य अभियान के बाद इसके निदेशक को हिरासत में लिया गया है। डब्ल्यूएचओ ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा,

शुक्रवार को कमाल अदवान अस्पताल पर हुए हमले के कारण यहां से चिकित्सा सुविधा बंद कर दी गई। प्रारंभित रिपोर्टों के अनुसार, हमले के दौरान कुछ प्रमुख विभाग बुरी तरह जलकर खाक हो गए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कथित तौर पर 60 स्वास्थ्य कार्यकर्ता और वेंटिलेटर पर मौजूद लोगों सहित गंभीर हालत में 25 मरीज अस्पताल में हैं। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि मध्यम से गंभीर स्थिति वाले मरीजों को नष्ट हो चुके और गैर-कार्यात्मक इंडोनेशियाई अस्पताल में ले जाने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि वह उनकी सुरक्षा के लिए बहुत चिंतित थे।

वहीं, इजराइल की सेना ने बयान जारी कर कहा कि बीते अक्टूबर माह से इजरायली बलों द्वारा उत्तरी गाजा में व्यापक अभियान शुरू करने के बाद से अस्पताल आतंकवादी संगठनों के लिए एक प्रमुख गढ़ बन गया है और आतंकवादी गुर्गों के लिए ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

नेपाल में ब्रिटिश राजदूत ने जनकपुर के जानकी मंदिर में मिथिला परंपरा से मनाई वैवाहिक वर्षगांठ

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के काठमांडू में पदस्थ ब्रिटिश राजदूत रब फेन ने अपना वैवाहिक वर्षगांठ अपनी पत्नी के साथ जनकपुर के जानकी मंदिर में पूरे हिन्दू रीति-रिवाज के साथ मनाया। मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजन के दौरान धोती-कुर्ता पहने हुए फेन पूरे धार्मिक परंपराओं का निर्वाह करते नजर आए। उनकी पत्नी लाल साड़ी पहने हुई थीं। जानकी मंदिर पहुंचने पर मिथिला परंपरा के मुताबिक ब्रिटिश दंपति को विवाह के समय दूल्हे को पहनाया जाने वाला पाग और मउर पहनाया गया। फेन की पत्नी के साड़ी की पल्लू से उनका पीला शाल भी बांधा गया। जानकी मंदिर के पुजारी ने पूरे रीति-रिवाज और परंपरा के हिसाब से मंत्रोच्चार करते हुए विवाह के समय होने वाले सभी रश्मों को कराया। बाद में ब्रिटिश दंपति ने सात फेरे भी लगाए और जानकी मंदिर में विधिपूर्वक पूजा भी की। ब्रिटिश राजदूत के इस वैवाहिक वर्षगांठ समारोह के अवसर पर मधेश प्रदेश सभा के स्पीकर रामचंद्र मंडल, प्रदेश के मंत्री रही

रानी शर्मा, जनकपुर के मेयर मनोज साह सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। इस समारोह के बाद ब्रिटिश राजदूत ने कहा कि ब्रिटेन में रहते हुए ही वो हिंदू धर्म के प्रति आकर्षित हुए। बाद में वे मंदिर भी जाने लगे और हिंदुओं के पर्व त्योहारों को अपने घर में परिवार और दोस्तों के साथ मनाते रहे। उन्होंने बताया कि यह उनका सौभाग्य है कि उनकी पोस्टिंग देवभूमि नेपाल में हुई। वो बराबर काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर भी दर्शन करने जाते हैं। ब्रिटिश राजदूत फेन पिछली बार छठ महापर्व के समय भी जनकपुर आए थे और उस दिन दोनों पति पत्नी ने उपवास रखा था। राजदूत की पत्नी ने बताया कि छठ पर्व में दिन भर उपवास रख कर शाम को तालाब में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य भी दिया था।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता को सीआईडी ने तलब किया

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के दूसरे बेटे योशिता राजपक्षे को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने तीन जनवरी को बयान दर्ज कराने के लिए ऑफिस बुलाया है। उनसे कटारगामा में सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के स्वामित्व के संबंध में पूछताछ की जानी है। सीआईडी के अधिकारी 27 दिसंबर को इस संबंध में महिंदा राजपक्षे के पूर्व निजी सुरक्षा अधिकारी मेजर नेविल वान्नियाराची के बयान दर्ज कर चुके हैं। डेली मिरर के अनुसार, सीआईडी इस भूमि के स्वामित्व दस्तावेजों में की गई हेराफेरी की जांच कर रही है। सीआईडी ने योशिता को पूछताछ के लिए 3 जनवरी को तलब किया है। 12 जून, 1988 को जन्मे योशिता श्रीलंकाई खिलाड़ी और पूर्व नौसेना अधिकारी हैं। वो श्रीलंका के प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। योशिता राजपक्षे साल 2016 से

किसी न किसी मामले में जांच का सामना कर रहे हैं। उन्हें फाइनेंशियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिवीजन (एफसीआईडी) ने 16 जनवरी, 2016 भ्रष्टाचार के आरोपों में लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी श्रीलंका के स्पोर्ट्स, लाइफ स्टाइल और बिजनेस टेलीविजन चैनल कार्ल्टन स्पोर्ट्स नेटवर्क (सीएसएन) में कथित फर्जीवाड़े पर की गई थी। योशिता के साथ पूर्व राष्ट्रपति के प्रवक्ता रोहन वेलिविता को भी हिरासत में लिया गया था। इस मामले में उन्हें कोलंबो हाई कोर्ट ने 14 मार्च, 2016 को जमानत प्रदान की थी।

दक्षिण कोरिया विमान हादसे में 124 की मौत, दो को बचाया गया

एजेंसी

वाशिंगटन। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पश्चिमी मुआन काउंटी के एक हवाई अड्डे पर रविवार को रनवे पर उतरने के दौरान 181 लोगों को लेकर जा रहे एक यात्री विमान में आग लग गई। इस हादसे में 124 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार मृतकों की संख्या में तेजी से वृद्धि होने की आशंका है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा सुबह 9:07 बजे हुई जब जेजू एयर का विमान लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया और सोल से लगभग 288 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में दक्षिण जिओला प्रांत के मुआन काउंटी में मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बाड़ की दीवार से टकरा गया। अधिकारियों ने हादसे में 124 लोगों की मौत की पुष्टि की। हादसे में हताहतों की संख्या में तेजी से वृद्धि होने की आशंका है। एक यात्री और

एक चालक दल के सदस्य को बचा लिया गया। बैंकॉक से लौट रहे इस विमान में चालक दल के छह सदस्यों सहित कुल 181 लोग सवार थे। विमान में दो थाई नागरिकों को छोड़कर अधिकांश यात्री कोरिया के थे। स्थानीय टीवी स्टेशनों द्वारा प्रसारित वीडियो में विमान को बिना लैंडिंग गियर लगाए उतरने का प्रयास करते हुए दिखाया गया है। इस दौरान विमान जमीन पर फिसल गया, विस्फोट होने से पहले कंक्रीट की दीवार से टकराया और आग की लपटों में घिर गया। इस हादसे में विमान लगभग पूरी तरह से नष्ट कर दिया। विमान में लगी आग को अधिकारियों ने बुझा दिया है और खोज एवं बचाव अभियान जारी है। दुर्घटना स्थल पर लगभग 80 अग्निशमन कर्मियों को भेजा गया है।अधिकारियों का संदेह है कि लैंडिंग गियर में खराबी शायद एक पक्षी के टकराने की वजह से हुई है, जो दुर्घटना का कारण बन सकती है। हादसे की वजह जानने के लिए अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी। कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने अधिकारियों को बचाव अभियान के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया है। उनके अधिकारियों ने बताया कि चोई दुर्घटना स्थल पर जा रहे हैं। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से बताया गया कि उच्च अधिकारियों की एक आपात बैठक बुलाई जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तट पर शार्क के हमले में एक व्यक्ति की मौत

एजेंसी

सिडनी । पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के मध्य क्वींसलैंड तट पर शार्क के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। येप्पून के तटवर्ती जलक्षेत्र में शार्क के हमले में 40 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु हो गई। पिछले एक महीने में मध्य क्वींसलैंड में यह दूसरी घटना है। क्वींसलैंड पुलिस सेवा के प्रवक्ता ने बताया कि वह व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ मछली पकड़ रहा था, तभी शार्क ने उस पर हमला कर दिया। समाचार एजेंसी ने ब्रिसबेन स्थित द कूरियर मेल दैनिक समाचार पत्र के हवाले से बताया कि यह घटना शाम करीब 4:37 बजे हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि व्यक्ति को जानलेवा चोटें आई थीं और शाम को उसकी मौत हो गई।समाचार पत्र ने ऑस्ट्रेलियाई शार्क-घटना डेटाबेस के हवाले से बताया कि इस साल अब तक ऑस्ट्रेलियाई जलक्षेत्र में कम से कम चार अन्य शार्क हमले हुए हैं। इससे पहले 23 जुलाई को

ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर एक व्यक्ति पर शार्क ने हमला किया था, इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। आपातकालीन सेवा न्यू साउथ वेल्स ने बताया कि शार्क द्वारा किसी व्यक्ति को काटे जाने की सूचना मिलने के बाद, स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे के बाद पोर्ट मैक्वेरी के नॉर्थ शोर बीच पर दल को बुलाया गया था।न्यू साउथ वेल्स एंबुलेंस ने एक बयान में कहा कि 20 साल के एक व्यक्ति के पैर में गंभीर चोट लगने के बाद उसे उपचार के लिए पोर्ट मैक्वेरी बेस अस्पताल पहुंचाया।10 किमी से अधिक में फैला, नॉर्थ शोर बीच न्यू साउथ वेल्स के मध्य-उत्तर में स्थित है और राज्य की राजधानी सिडनी से 300 किमी से अधिक उत्तर में स्थित है।घटना के बाद, एक स्थानीय जीवन रक्षक एजेंसी और आम लोगों ने अस्थायी टूर्निकेट का उपयोग करके सहायता प्रदान की। पोर्ट मैक्वेरी हेस्टिंग्स एएलएस लाइफगार्ड ने कहा कि नॉर्थ शोर और लाइटहाउस बीच (टैकिंग पॉइंट) के बीच के समुद्र तट बंद कर दिए गए और कम से कम 24 घंटे तक बंद रहे।

ट्रंप बोले- 'एच-1बी' वीजा पर है विश्वास, विरोध को किया खारिज

एजेंसी

न्यूयॉर्क। राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वे 'एच-1बी' वीजा में विश्वास करते हैं, उन्होंने योग्य पेशेवरों के विरोध को लेकर चल रही खबरों को खारिज कर दिया। 'यह एक शानदार कार्यक्रम है,' उन्होंने न्यूयॉर्क पोस्ट को एक फोन साक्षात्कार में बताया।अपने अनूठे अंदाज में उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से वीजा पसंद रहे हैं, मैं हमेशा से वीजा के पक्ष में रहा हूं। इसलिए हमारे पास ये हैं। उन्होंने रूपर्ट मर्डोक-नियंत्रित न्यूज कॉर्प का हिस्सा अखबार से कहा, मेरी संपत्तियों पर कई एच-1बी वीजा हैं। मैं एच-1बी में विश्वास करता रहा हूं। मैंने इसका कई बार इस्तेमाल किया है। ट्रंप ने आव्रजन प्रणाली में सुधार का समर्थन किया है

सीरिया के तटीय इलाकों में सैन्य हेलिकॉप्टरों की तैनाती, 'पूर्व शासन के अवशेषों'पर कार्रवाई

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया की अंतरिम प्रशासन के सैन्य बलों ने 'पूर्व शासन के अवशेषों' के खिलाफ हवाई हमले तेज कर दिए हैं। अंतरिम प्रशासन 'पूर्व शासन के अवशेष' असद सरकार के लिए लड़ रहे सशस्त्र लड़ाकों को कह रहा है।मीडिया चैनलों ने प्रशासन के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर ग्रामीण लताकिया में इस्तामो एयरफील्ड से उड़ान भर रहे हैं, जो तटीय ग्रामीण इलाकों में अभी भी सक्रिय सशस्त्र तत्वों को निशाना बना रहे हैं, जिसमें उपयोग में आने वाले हेलीकॉप्टरों की संख्या या ऑपरेशन के दायरे के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह तैनाती राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा उपायों की एक श्रृंखला के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य नए नेतृत्व की सत्ता को मजबूत करना है। सीरिया के नवनियुक्त खुफिया प्रमुख अनस खत्ताब ने एक आधिकारिक बयान में देश की सुरक्षा व्यवस्था को 'हमारे लोगों की बलिदानों और लंबी धरोहर के अनुरूप' पुनर्गठित करने का वादा किया।खत्ताब ने कहा कि सीरिया की सभी मौजूदा सुरक्षा शाखाओं को खत्म कर दिया जाएगा और उनका पुनर्गठन किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस पुनर्गठन के लिए कोई समयसीमा या विशिष्ट विवरण प्रदान नहीं किया।खत्ताब की ओर से यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सीरिया 8 दिसंबर को पिछली सरकार के पतन के बाद एक संवेदनशील राजनीतिक परिवर्तन से गुजर रहा है। हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व में एक सैन्य गठबंधन ने 27 नवंबर को उत्तरी सीरिया से एक बड़े सैन्य अभियान की शुरुआत की। इसने दक्षिण की ओर बढ़ते हुए राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया और 12 दिनों के भीतर पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को उखाड़ फेंका। सीरियाई सूचना मंत्रालय ने सीरियाई लोगों के बीच विभाजन फैलाने के उद्देश्य से सांप्रदायिक लहजे वाली किसी भी मीडिया सामग्री या समाचार के प्रसार या प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। सीरियाई गृहयुद्ध ने सांप्रदायिक रूप लिया क्योंकि असद ने मध्य पूर्व से शिया मिलिशिया को अपने यहां पैर जमाने की खुली छूट दी। मीडिया ने बताया कि पुलिस ने हिंसक प्रदर्शन के बाद बुधवार रात कर्फ्यू लगा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रदर्शन में अलावी और शिया धार्मिक समुदायों के सदस्य शामिल थे। होम्स से सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए फुटेज में लोगों की भीड़ को तितर-बितर होते हुए और उनमें से कुछ को भागते हुए दिखाया गया।असद के लंबे समय तक सहयोगी रहे ईरान ने हाल के दिनों में सीरिया में हुई घटनाओं की आलोचना की। ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सीरियाई युवाओं से अपील की कि वह उन लोगों के खिलाफ दृढ़ संकल्प के साथ खड़े होने का आह्वान किया जिन्होंने इस असुरक्षा को अंजाम दिया है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि सीरिया में एक मजबूत और सम्मानजनक समूह भी उभरेगा क्योंकि सीरियाई युवाओं के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

फर्नीचर के गोदाम में लगी आग

एजेंसी

नई दिल्ली। कीर्ति नगर इलाके स्थित फर्नीचर के एक गोदाम में आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल की नौ गाड़ियों समेत दमकलकर्मियों ने मोर्चा संभाला। करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। स्थानीय पुलिस भी राहत बचाव अभियान के दौरान मौके पर मौजूद रही। गनीमत यह रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। आग पर काबू पाने के बाद देर शाम तक कूलिंग इत्यादि का काम किया जा रहा था। दमकल विभाग के अनुसार, सुबह करीब 10 बजे कीर्ति नगर स्थित एक गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की ओर से तीन गाड़ियों समेत दमकलकर्मियों को भेजा गया। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंच कर राहत बचाव कार्य शुरू किया। हालांकि दमकल की टीम के पहुंचने तक आग ने विकराल रूप ले लिया। बढ़ती आग को देखते हुए दमकल की एक-एक करके छह अन्य गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। करीब पांच घंटे से ज्यादा की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर 3.30 बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया और इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। गनीमत यह रही कि पूरे हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि गोदाम के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने के बाद देर शाम तक आग के कूलिंग वगैरह का काम किया जा रहा था।

भाजपा ने महिला सम्मान योजना की जांच सम्बन्धी एलजी के आदेश का किया स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई ने उपराज्यपाल द्वारा महिला सम्मान योजना के नाम पर महिलाओं का डाटा एकत्र कर निजी कम्पनियों को सौंपे जाने की शिकायतों की जांच के आदेश का स्वागत किया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा का कहना है कि अगर आवश्यकता होगी तो जांच में सहयोग भी देंगे। अरविंद केजरीवाल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सचदेवा ने आज यहां कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली वालों को पिछले 10 सालों से सिर्फ झूठ परोसने का काम कर रहे हैं। उन्होंने आज तक अपनी किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है। उन्होंने केजरीवाल से सवाल किया कि अरविंद केजरीवाल जवाब दो, क्या मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना में 2100 रुपये देने का कोई कैबिनेट प्रस्ताव पास हुआ है या नहीं? वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि पंजाब में सरकार बनने से पहले महिलाओं को एक हजार रुपये देने का वायदा किया गया था लेकिन आज तक उसे पूरा नहीं किया, क्यों? यह झूठ की, मक्कारी की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। सचदेवा ने कहा कि चुपचाप बिना ज्यादा प्रचार महिलाओं का सम्मान कैसे करना है, यह भाजपा की सरकार से अरविंद केजरीवाल को सीखना चाहिए।

चुनाव जीतने के लिए अरविंद केजरीवाल दिल्ली में फर्जी वोटों की राजनीति कर रहे हैंः वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया है कि वह चुनाव जीतने के लिए फर्जी वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। सचदेवा ने जिन घरों में फर्जी मुस्लिम वोट बने हैं, उन घरों के हिन्दू मालिकों को आज यहां प्रेस वार्ता में सामने ला कर खुलासा किया कि जिन घर में पांच सदस्य हैं, उनके घर में 60 तक फर्जी मुस्लिम वोट जोड़ दिए गए हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए अरविंद केजरीवाल अपने विधायकों के साथ मिलकर पिछले दस सालों में फर्जी वोटरों का खेल खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 लोकसभा चुनाव के बाद से हर साल वोटों की संख्या बढ़ाती जा रही है। एक बार फिर से दिल्ली में वही खेल अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा खेला जा रहा है। लाखों फार्म बीते कुछ महीनों में भी भरे गये परन्तु भाजपा की सजगता के चलते वो वोट बन नहीं पाये और अब फिर रोजाना हजारों आनलाइन वोट बनवाने की अर्जी लग रही हैं और हम चुनाव आयोग से मांग करते हैं कि दिल्ली में नये वोट बनने के अर्जियों की पूरी जांच हो। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि शाहीन बाग पुलिस स्टेशन में दिल्ली चुनाव आयोग ने फर्जी वोट बनवाने के ख़िलाफ़ एफ़आईआर दर्ज कराई है। चार अभियुक्तों के नामजद एफ़आईआर में जमील आलम, किशुनिक, मोहम्मद नईम और शबाना खातून के नाम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में नक़ली दस्तावेज, नक़ली आधार कार्ड और नक़ली वोटर कार्ड बनाने का खेल चल रहा है।

शीशमहल का काला सच जनता के सामने लाएं केजरीवालः विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज एक बार फिर से आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास 6, फ्लैग स्टाफ रोड में किए गए अवैध निर्माण और उसमें लगाये गये महंगे संसाधनों को लेकर केजरीवाल को कटघरे में खड़ा किया। गुप्ता ने उन्हें चुनौती देते हुए कहा कि वे खुद सामने आकर जनता को अपने इस शीश महल का काला सच बतायें। दिल्ली प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल से सवाल किया कि आखिर उनकी ऐसी क्या योजना थी, जिसमें दो सौ करोड़ रुपये की लागत से अवैध निर्माण करने की तैयारी की जा रही थी।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रही कांग्रेस : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि यह वास्तव में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जिस कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह को उनके जीवित रहते कभी सम्मान नहीं दिया, वह अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है। एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि ये वही कांग्रेस है जिसने सोनिया गांधी को पीएम मनमोहन सिंह से ऊपर सुपर पीएम बनाकर प्रधानमंत्री पद की गरिमा को धूमिल किया था। राहुल गांधी ने अध्यादेश फाड़कर मनमोहन

सिंह का अपमान किया था। और आज वही राहुल गांधी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने देश के किसी भी बड़े नेता को न तो सम्मान दिया और न ही उनके साथ न्याय किया। चाहे वह कांग्रेस पार्टी से हो या विपक्ष से, चाहे वह बाबा साहेब अंबेडकर हो, देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र बाबू हो या फिर सरदार पटेल, लाल बहादुर शास्त्री, पीवी नरसिम्हा राव, प्रणब दा, अटल बिहारी वाजपेयी हो किसी को सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने डॉ मनमोहन सिंह की समाधि के लिए जगह दी है और परिवार को इसकी सूचना भी दी है। फिर भी कांग्रेस झूठी खबरें फैला रही है। कांग्रेस का इतिहास याद रखना जरूरी है। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के निधन के बाद दिल्ली के राजघाट परिसर में समाधि स्थल बनाने की मांग उठ रही थी। लेकिन उस समय सोनिया गांधी ने इसे खारिज कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही 2015 में उनके लिए एक स्मारक की स्थापना की थी। जब 2020 में पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ प्रणब मुखर्जी का निधन हुआ, तो कांग्रेस कार्यसमिति ने शोक सभा बुलाने की भी जहमत नहीं उठाई। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस पार्टी के अन्य नेताओं को ऐसी सस्ती राजनीति से बचना चाहिए।

नववर्ष के आगमन की तैयारियों को देखते हुए यातायात पुलिस तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। नए साल के चलते कनाट प्लेस में 31 दिसंबर की रात आठ बजे के बाद वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। दिल्ली में जगह-जगह होने वाले नववर्ष के आगमन की तैयारियों को देखते हुए यातायात पुलिस ने भी अपने स्तर से यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए तैयारी कर ली है। कई स्थानों पर वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा, तो कई मार्गों पर डायवर्जन होगा। इसके अलावा कई मार्केट और मार्गों पर वाहनों को खड़ा करने या रोकने की अनुमति नहीं होगी। स्पेशल सीपी ट्रैफिक जोन-2 अजय चौधरी ने बताया कि पूरी दिल्ली के लिए ट्रैफिक पुलिस ने तैयारी की है। जश्न के माहौल में हुड़दंग मचाने वाले और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जगह-जगह यातायात पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। यातायात पुलिस द्वारा की जाने वाली ये व्यवस्थाएं 31 दिसंबर की रात आठ बजे से लागू हो जाएंगी। कनाट प्लेस की ओर जाने वाले वाहनों को मंडी हाउस, बंगाली मार्केट, रंजीत सिंह फ्लाईओवर, मिंटो रोड - दीनदयाल उपाध्याय मार्ग क्रासिंग, मुंजे चौक, चेम्सफोर्ड रोड, आरके आश्रम मार्ग-चित्रगुप्त मार्ग क्रासिंग, गोल मार्केट, जीपीओ नई दिल्ली, पटेल चौक, कस्तूरबा गांधी रोड-फिरोजशाह रोड क्रासिंग, जय सिंह रोड-बंगला साहिब लेन और विंडसर प्लेस से आगे आने की अनुमति नहीं होगी। कनाट प्लेस के आंतरिक, मध्य या बाहरी सर्कल में किसी भी प्रकार के वाहनों के आवागमन की अनुमति नहीं होगी।

मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए जमीन को लेकर आआपा का केंद्र पर हमला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए राजघाट परिसर में जगह न देने पर आम आदमी पार्टी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि यह खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर किया गया। इसके पहले भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था।उन्होंने कहा कि सिख समाज से आने वाले, पूरी दुनिया में ख्याति प्राप्त, 10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए भाजपा की केंद्र सरकार 1000 गज़ जमीन भी न दे सकी।सांसद संजय सिंह ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए राजघाट परिसर में जगह न देकर पूरे सिख समुदाय का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा अफसोस की बात है कि ऐसे मुद्दे पर भी हम लोगों को बात करनी पड़ रही है। यह दिखाता है कि सरकार की सोच कितनी छोटी और ओछी है। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह सिख समाज से आने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। इससे पंजाब में रहने वाले लोग और पूरी दुनिया में रह रहे सिख समाज के लोग अपने आप को अपमानित महसूस कर रहे होंगे। इस देश के 144 करोड़ लोग जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आस्था रखते हैं, जो डॉ. मनमोहन सिंह के किए गए कार्यों की सराहना करते हैं।

राहुल गांधी के बयान पर भाजपा का पलटवार, भ्रामक राजनीति का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद कांग्रेस ने केन्द्र सरकार पर उनका अपमान करने का आरोप लगाया है। इन आरोपों को खारिज करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस भ्रामक राजनीति करार दिया।

प्रेस वार्ता में भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री के अंत्येष्टि के बाद कांग्रेस की तरफ से इस तरह की बयानबाजी निम्न स्तर की राजनीति है। संबित पात्रा ने कहा कि बहुत दुख के साथ यह प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। आज इन मुद्दों पर चर्चा करना भारतीय राजनीति में एक नए निम्न स्तर को दर्शाता है जिसका श्रेय कांग्रेस पार्टी को जाता है। कांग्रेस के कारण ही पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर चर्चा करने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह, जिन्होंने 10

साल तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, उन्होंने देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। भाजपा मानती है की मृत्यु पर गरिमा का ख्याल रखा जाना चाहिए। फिर चाहे प्रधानमंत्री किसी भी पार्टी से हो। पार्टी इतने छोटे मन की नहीं है।छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता। ऐसे समय में कांग्रेस ने भ्रामक राजनीति की है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने एम्स में अंतिम सांस ली। उसके बाद सरकार ने कैबिनेट की बैठक बुलाई। शोक संदेश पारित किया गया। कैबिनेट ने निर्णय लिया कि बड़ा कद के अनुरूप उनका सम्मान होना चाहिए। केन्द्र सरकार ने एक मेमोरियल बनाने की इच्छा जाहिर करते हुए एक पत्र डॉ. सिंह के परिवार को और एक पत्र कांग्रेस को लिखा। कैबिनेट ने बताया कि हमारी इच्छा है कि एक मेमोरियल बने लेकिन इसकी एक प्रक्रिया होती है। जमीन तलाशने के साथ एक ट्रस्ट बनाया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में समय लगता है।

अंतिम संस्कार रोका नहीं जा सकता है लेकिन कांग्रेस ने मेमोरियल बनाने को लेकर राजनीति शुरू कर दी और सोशल मीडिया पर समर्थकों द्वारा बयानबाजी करवाई। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के महिमा में खंडन करने का काम कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने किया है। राहुल गांधी ने डॉ. मनमोहन सिंह के कैबिनेट के कागज को अंहकार में जनता के दरबार में फाड़ा था। सोनिया गांधी एक समानांतर सरकार चलाती थी।

गांधी परिवार पर नड्डा के बयान से कांग्रेस आगबबूला, कहा- भाजपा ने सारी हदें पार कर दी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा गांधी परिवार पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान अपमानित करने और अब उनके दुखद निधन के बाद मनमोहन सिंह के नाम पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगाए जाने से कांग्रेस बुरी तरह से तिलमिला गई है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि नड्डा ने सारी हदें पार कर दीं।

वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, नड्डा और भाजपा ने शालीनता की सभी सीमाएं लांघ दी हैं और वास्तव में हमें पिछले दो दिनों में भाजपा के घोर पाखंड और घटिया राजनीतिक चालों को उजागर करने के लिए मजबूर किया है। डॉ मनमोहन सिंह जी के अंतिम संस्कार में घटिया व्यवस्था और सरकार का आचरण बेहद अपमानजनक था और इससे यह स्पष्ट हो गया कि सरकार अपने तुच्छ राजनीतिक कारणों से उनके कद को कम करने पर तुली हुई थी। वेणुगोपाल ने आगे कहा, सभी ने देखा कि किस तरह से उनके (डॉ मनमोहन सिंह के) परिवार का अपमान किया गया और डॉ सिंह के

कद के अनुरूप समग्र गरिमा और प्रोटोकॉल का पूरी तरह से अभाव था। डॉ मनमोहन सिंह का यह घोर अपमान अस्वीकार्य है और भारत डॉ सिंह के अंतिम संस्कार पर राजनीति करने के लिए प्रधानमंत्री और उनकी सरकार को कभी माफ नहीं करेगा। इससे पहले, नड्डा ने कहा था कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस की इस घटिया सोच की जितनी भी निंदा की जाए, वो कम है। कांग्रेस ने जीते जी डॉ मनमोहन सिंह को कभी वो सम्मान नहीं दिया, जिसके वो हकदार थे। नड्डा ने कहा कि मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए किस तरह सोनिया गांधी सुपर प्रधानमंत्री थीं और किस तरह राहुल गांधी ने अध्यादेश की प्रति फाड़कर उनको अपमानित किया था। इन्होंने प्रधानमंत्री पद को किस तरह धूमिल किया, इसकी कोई और मिसाल नहीं मिलती है।

प्रवासी मतदाताओं ने नहीं दिखाया लोकसभा चुनाव में उत्साह

नई दिल्ली, 29 दिसंबर। प्रवासी भारतीय मतदाताओं ने मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने में बहुत उत्साह दिखाया, लेकिन मताधिकार का इस्तेमाल करने में उनका उत्साह फीका रहा। चुनाव आयोग ने आंकड़े जारी किए हैं, जिनके मुताबिक लगभग 1.2 लाख प्रवासी भारतीयों ने मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराया था

NAME CHANGE

I Ram Bhagat Sah S/O: Ramswrup Sah,R/O B-476 1st Floor, Colony Pandav Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi-110008,have changed the name of my minor son Adhay alias Akshay Kumar aged 8 years and he shall hereafter be known as Akshay Kumar.

NAME CHANGE

I, NO-14938289K, Rank-NK, Name-ARVIND SINGH RAJAWAT residing at VPO-MAHUA, TEHSIL-LAHAR, DISTT-BHIND, MP-477445 have changed my minor's child name from SORYAPARTAP SINGH to SORYA PARTAP SINGH RAJAWAT for all future purposes vide Affidavit dated 31/08/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ABHAY BHARGAV S/O AJAY BHARGAV residing at H NO-B-2, PLOT NO-142A, GALI NO-8, SHAKTI KHAND-2, INDIRAPURAM, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014. have changed my name to ABHAY BHARGAVA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Rajesh Brar S/O Phool Singh R/O H,NO-111, 1184/23A, Sector-23A, Gurgaon Cartarpuri Alias Daulatpur Nasirabad Gurgaon (63) Haryana 122017 Have Changed my name to Rajesh Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PANZY YOUNG alias PANZY GAUTAM D/o PATRICK YOUNG Ex Wife of KAMAL GAUTAM, residing at H.No. -107, Block - C, Hoover Apartment, Sant Nagar, Burari, North Delhi, Delhi - 110084, declare that I got divorce from my Husband vide court Decree No. HMA No. 1063/14 dated 06/04/2015. Further I have changed my name and shall hereafter be known as PANZY YOUNG.

NAME CHANGE

It is for general information that I, ANJALI JAIN W/o SACHIN KUMAR JAIN, R/o E - 14 1st Floor, Street No. 28, Mahendra Park, Adarsh Nagar, PO: N.S Mandi, North West Delhi, Delhi - 110033, declared that the name of my minor Daughter has been wrongly written as AYRA in my minor daughter namely AYRA JAIN aged 6 years in her School Records. The actual name of my minor Daughter is AYRA JAIN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NO-14938289K, Rank-NK, Name-ARVIND SINGH RAJAWAT residing at VPO-MAHUA, TEHSIL-LAHAR, DISTT-BHIND, MP-477445 have changed my father's name from ABDHESH SINGH RAJAWAT to AVDESH SINGH KUSHWAH for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of his correct date of birth as 10/09/1957 vide Affidavit dated 28/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I YASH SHARMA S/O PRAMOD KUMAR SHARMA R/O House No. D-54, Street No-10, Near Moni Baba Mandir, Brahampuri, New Seelampur, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine and my father and mother has been wrongly written as YASH, PRAMOD KUMAR and PRIYANKA in my 10th and 12th educational documents. The actual name of mine my father and mother are YASH SHARMA, PRAMOD KUMAR SHARMA and PRIYANKA SHARMA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I DHARMINDER KUMAR S/O INDER RAJ R/o T 239/A,BALJEET NAGAR,NEW DELHI -110008 HAVE CHANGED MY NAME TO DHARMENDER KUMAR

NAME CHANGE

I VIVEK AGARWAL S/O RAMESHWAR DAYAL R/O A-3-1121, Tower-17, Floor-11, PURVANCHAL ROYAL CITY, SECTOR CHI-5, GREATER NOIDA PO: ALPHA, GREATER NOIDA DIST. GAUTAM BUDHA NAGAR UTTAR PRADESH-201310, have changed the name of my minor daughter ARNIKA AGARWAL aged 9 years and she shall hereafter be known as PREESHA AGARWAL

NAME CHANGE

It is for general information that I, MANASI SAHOO D/O SUKANTA SAHOO Permanent Residence at New Colony Pump House, Sector-20, Rourkela-5, Raukela (M), Sundergarh, Odisha-769005, Presently Residing at Ram Prakash Pharmacy, Ram Chowk, Gurgaon Haryana-122016 hereby undertake that I, MANASI SAHOO want to change my name to MANIK SAHOO and Gender as MALE.
I, MANASI SAHOO, henceforth be known as MANIK SAHOO S/o SUKANTA SAHOO, the above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and, The Department of Publication will not be liable for any consequences arising therefrom.

Date of Birth Change

I, Minakshi Dash w/o. Manoranjan Dash R/o Manimahasuar Bagicha, Near Lokanath Ghat, Sankarpur Mauja, Po Khadipada, Ps Baseli Sahi, Teh Puri, Dist-Puri, State-Odisha, Pin-752001 hereby declare that my correct date of birth is Dt 15/06/1984 where as the date of birth recorded in service records of my husband is Dt 21/07/1984 which is incorrect. My correct date of birth ie 15/06/1984 be used for all future purposes and same be changed in service records of my husband. This change affirmed vide Affidavit dated 18/12/2024 before District Court, Puri.

NAME CHANGE

I,Tika Ram S/o Amarjeet House No. 540 Pandito Wali Gali Pooth Kalan Village Sultanpuri North West Delhi, Delhi 110086, have changed the name of my minor son Rishit Kaushik alias Risit Kaushik aged 11, years and he shall hereafter be known as Rishit Kaushik.

PUBLIC NOTICE

It is informed to public at large that my client Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Ram Karan R/o RZ-6-A, Gali No.5, Palam Colony, East Indra Park, New Delhi and he is owner and in possession of RZ-6-A, area measuring 63 sq. yds., (out of total 250 sq. yds.), Khasra No.650, Situated at Sadh Nagar, in the area of Village Nasirpur, New Delhi and my client already cancelled the Agreement To Sell dated 27-2-2018 Mr. Mool Chand Yadav S/o Sh. Badri Prasad R/o RZ-16, D/353, Gali No.7, Shiv Puri, West Sagarpur, New Delhi-46 due to non-fulfillment of terms and conditions of the said Agreement and the said person have no right, title over the said property of my client and if anyone deals with him which will be at his/her own risk and consequences and my client will not be responsible for his acts.

Sumit Gaba Advocate
T-7, Tis Hazari Courts, Delhi.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Venkatachalam** is purchasing the Upper Ground Floor without roof rights, built-Up Property bearing No. WZ-255/3, Portion of Plot No. 34, in Block-F, area measuring 64.1/2 Sq. Yds., out of Mustatil No. 40, Killa No. 20, Situated in the area of village Shakurpur, Delhi state Delhi, now Abadi known as Siri Nagar, Shakur Basti, Delhi-110034 from Mr. Jai Bhagwan who is the owner of the entire property vide Regd. Will dated 08.10.2013 as doc no. 1538,and intend to get the financial assistance from **Piramal Capital & Housing Finance Ltd** If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I MOHAMMED JUBER KHAN S/O MOHAMMED HABIB KHAN R/O 780 ISMAIL CHOWK, NAYAPURA, KOTA CITY, RAJASTHAN-324001 HAVE CHANGE MY NAME JUBAIR KHAN FOR ALL PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Parvinder Kataria is claiming to be the owner of Residential Entire Front Side Second Floor built on Built on bearing property No.37/7, Land area measuring 150 sq. yds., out of Khasra No. 2773/1400, situated at abadi Gali No.7, Arya Nagar, in the area of Village Karkardooma, Illaqa Shahdara Delhi, vide a GPA, ATS & Will cated 23.02.2000 executed by Mr. Prem Parkash Kataria, All persons are hereby informed that above mentioned owner want to obtain a loan facility from our client against the said property. If, anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property/floors, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 7 days of the present.

Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi - 15

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्री सुशील कुमार खेत संख्या 2408, 2409, 2411, 2464 और 2465 में से 100 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट क्षेत्र के मालिक हैं, जो मोहल्ला तुलसी नगर कस्बा दनकौर परगना दनकौर तहसील और जिला गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में स्थित है। 18.12.2023 को बिक्री विलेख के आधार पर दस्तावेज़ संख्या 33208 खंड संख्या 43937 पृष्ठ संख्या 311–328 एसआर- ग्रेटर नोएडा के रूप में, अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- लोनी, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I hitherto known as BHAGWATI PRASAD alias BHAGWAT PRASAD S/O BACHHI RAM R/O Flat No-433, Ground Floor Part-3, Sector-35, Amarnagar Faridabad Haryana-121003, have changed my name and shall hereafter be known as BHAGWAT PRASAD.

NAME CHANGE

I GANGA PRASAD SINGH S/O RAMCHANDER SINGH R/O C-54 NEAR SUNNY CONVENT SCHOOL SURAJ PARK, ROHINI ,DELHI-110042,HAVE CHANGED THE NAME OF MY MINOR SON SONU KUMAR AGED 17 YEARS AND HE SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS SONU SINGH.

NAME CHANGE

I, hitherto known as YASHWANTI alias ISHWANTI W/O JAGJEET SINGH R/O H. No -354, Nangal Thakran, Bawana, North West Delhi, Delhi 110039, have changed my name and shall hereafter be known as YASHWANTI

NAME CHANGE

I Indrajeet Kumar Singh S/O Ram Lakhan Singh Resident Of House No-RZ-192-A, Gali No-16,Tughlakabad Extn, New Delhi-110019,Declare That Name Of Myself And Name of my Wife Has Been Wrongly Written in the record of my Daughter Ishika Singh's School as Inderjit Singh name of mother as Reena Singh The Actual and correct name are Indrajeet Kumar Singh and correct Name of My wife Rina Singh .

NAME CHANGE

I IKHLAK KHAN S/O BABU KHAN R/O B-211 GALI N0-8, CHAND BAGH, NORTH EAST DELHI-110094 HAVE CHANGE MY NAME AKHLAQ KHAN FOR ALL PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given by Mr. Amit Kumar is purchasing the First Floor Flat RHS Portion, One Unit built on Property bearing no. B-35, area measuring 125 sq. yards., out of Total area 200 sq. yards., out of Khasra no. 268/1 situated at "Vishwakarma Colony", Pul Pehladpur, New Delhi from Mrs. Rekha Sharma who is the owner of the property vide General Power of Attorney, Agreement to Sell & WILL dated 31.10.2011 and also taking financial assistance from Aditya Birla Housing Finance Ltd., If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048
Contact #011-49774545

NAME CHANGE

I, JC-522953L Rank-SUB Name-DALIP SINGH S/o WAZIR SINGH Presently residing at VILL-ANERH, PO-GHIALA, TEH-PATHANKOT, DIST-PATHANKOT, PUNJAB-145101, have changed my mother's name from PARVESH DEVI to PARVESH KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 28/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, BHARPAL W/o LATE SH. RAM PATH R/O HOUSE NO-756, BAKKAR WALA, NANGLOI, PUNJABI BAGH, WEST DELHI, DELHI-110041, declare that name of mine has been wrongly written as BHARPAI DEVI in my husband PPO No-S/027219/88 records . The actual name of mine is BHARPAL, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

This is informed to all in General Public that my client namely client Chander Wati w/o Dhani Ram r/o h.no. 256 Weavers Colony, Ashok Vihar, Phase 4, Delhi, North West Delhi-110053, have disowned to her daughter Aarti d/o Dhaniram from his movable and immovable properties due to his misconduct and disrespectful behavior towards my client. My client have also severed all relations from him, they are out of control of my client. If any person deals with them will do so at his own risk, costs and consequences. My client shall not be held responsible for their acts in any manner whatsoever.

SHIVAM MISHRA ADVOCATE
CH.NO.302, CIVILWING TIS HAZARI COURTS, DELHI-110054

PUBLIC NOTICE

This is to inform all concerned parties that Smt. Laxmi has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi Govindpuri Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Smt. Omwati Saini have agreed to sell their property "One Flat on Second Floor, Without Roof Rights, Area Measuring 110 Sq. Yds., Property Bearing No. 37-A, Situated at Bhagwan Nagar, Ashram, New Delhi-110014"." Accordingly, any co-sharers, previous owners, or any other interested parties-including but not limited to banks, financial institutions, NBFCs, HFCs, government or semi-government authorities, and any other persons or entities—having any claims, interests, or rights in or against the above-mentioned property, whether by way of sale, exchange, mortgage (equitable or title deed deposit), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement, or any other legal or equitable right, are hereby requested to submit written notice of their claim, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 7 days from the date of this notice. Failure to respond within the stipulated time will result in such claims being deemed waived or abandoned. In such an event, my client, AHFL, will proceed with the disbursement of the loan and the creation of the mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 28-12-2024
Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संदीप उर्फ शिववीर उर्फ साबिर, पुत्रः मुनेश्वर गुप्ता, पताः म.नं. 2264, सुधीर एन्क्लेव, खुदा बास, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 367/2024, dated 22.06.2024, U/s 392/397/482/34 IPC, पुलिस थाना तिमारपुर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **संदीप उर्फ शिववीर उर्फ साबिर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **संदीप उर्फ शिववीर उर्फ साबिर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 367/2024, dated 22.06.2024, U/s 392/397/482/34 IPC, पुलिस थाना तिमारपुर, दिल्ली** के अभियुक्त **संदीप उर्फ शिववीर उर्फ साबिर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.02.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री करणबीर सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02
केंद्रीय जिला
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/17090/N/2024

NAME CHANGE

It is for general information that I SUFIYAN S/O CHAND BABU R/O House No. B-14/55, KABIR NAGAR SHAHDARA NORTH EAST DELHI-110094, declare that name of mother has been wrongly written as BOBY in my 10th class educational documents. The actual name of my mother is BABY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Mahakar Singh Father of Vipin Kumar presently residing at Vill - Jhal, Post-Uledha, Tehsil - Bijnor Distt - Bijnor (Uttar Pradesh)- 246701 have changed my Name & date of birth from From Mehkar Singh to Mahakar Singh & my date of birth from 01 Aug 1970 to 01 Jan 1969 vide affidavit dated 26.12.2024, executed before Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, Suresh Gaba S/o Khinda Ram R/o H.No-368, Sector-19, Faridabad, Haryana-121002 Have Changed My Name To Suresh Kumar Gaba For All Future Purpose.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client (1) Mrs. Shahida Begum (75% Undivided Share) (2) Mrs. Zarina Begum (25% Undivided Share) are the owner of Freehold Residential Property Bearing No. 68, area measuring 40+40+40+40=160 Sq. Yds. i.e. 133.77 Sq. Mtrs., arising out of Khasra No. 19/19, Situated in the area of Village Khureji Khas in the abadi of Gali No. 5, Rashid Market, Delhi - 110051. By Virtue of Sale Deed dated 27.06.2023 duly registered in the office of SR VIII, Delhi, as Doc No. 5957, Book No. 01, Vol No. 10727, Page Nos. 148-157, Dated 27.06.2023. in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of Mr. Om Parkash died on 16.09.2016, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Built up Front Side Third Floor with roof rights area measuring 100 sq. yds., Sold too bee Mohammad Gulrez and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Dwarka, Delhi. If any person is having objection right of claim against the said property, contact to undersigned along with supporting documents within 07 days from the date of publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained.

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given. to the General public on behalf of our client that Mohd. Rashid is claiming to be owner of Residential Plot of Land area measuring 100 sq yds. out of Khasra No. 569. situated in the area of village Sarna Muradnagar, Maruf Mohalla Jeetpur, Muradnagar, Paragana Jalalabad, Tehsil Modi Nagar, District Ghaziabad, U. P.; by virtue of Sale Deed dated 06.03.2023, having registration No 3404, executed by Mr. Nizamuddin Saifi. The above Owner has lost some original documents relating to said property ie. Original Sale Deed 09.04.2008 (executed by Mr. Jamiluddin in favour of Mr. Muntiyaz Ali) and Original reg GPA dated 18.06.2007 (executed by Mr. Shamshuddin & Kalwa in favour of Mr. Jamiluddin). All persons are hereby informed that above owner wants to mortgage the said property and intends to obtain a loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owners over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates
(Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23, Shivaji Marg,
Moti Nagar, New Delhi - 15

धोखाधड़ी करके ज्वेलरी ले जाने के मामले में चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नारनौल। धोखाधड़ी करके ज्वेलरी ले जाने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर नारनौल की पुलिस टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान ज्योति, मनोज वासी सजाना जिला छत्रा झारखंड, रेशमा वासी पिपछु झारखंड, बबीता वासी किसागो झारखंड के रूप में हुई है। आरोपियों को आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपी ज्योति व आरोपित मनोज को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और आरोपिता बबीता व रेशमा को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों से ज्वेलरी के बारे में पूछताछ की जा रही है।

शिकायतकर्ता नीलम वासी रामबास ने थाना सदर नारनौल में दी शिकायत में बताया कि दिनांक 19.12.24 को एक अज्ञात महिला उसके घर पर बर्तन के बदले बर्तन देने आई, अज्ञात महिला ने पुराने लौटे के बदले नया लौटा दे दिया। अगले दिन वही महिला आई और शिकायतकर्ता से चांदी की पायल की 5 धुधरी लेकर उसके बदले में 1 किलो की स्टील की डोली दे दी। फिर 21 दिसंबर को समय करीब 10 बजे वही महिला आई और पहले दी हुई चांदी के पाजेब व एक 5 यत्र का स्टील का डिब्बा वापस दिया। इसके बाद महिला ने शिकायतकर्ता से सोने की जेवर पूछे और कहा कि ये जेवर उसे दे दे, उसके बदले में वह 20000 रुपये व ये जेवर वापस लौटा देगी। अज्ञात महिला शिकायतकर्ता और उसकी देवरानी से धोखाधड़ी करके ज्वेलरी ले गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि अज्ञात महिला अन्य महिलाओं से भी धोखाधड़ी करके ज्वेलरी ले गयी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सोनिका ढकवाल ने भूगोल विभाग में पीएचडी उपाधि हासिल की

एजेंसी

नारनौल। गणेश कॉलोनी नारनौल के रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर मनोहर लाल की बेटी सोनिका ढकवाल ने पीएचडी की उपाधि भूगोल विभाग महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से प्राप्त की है। इस उपलब्धि को प्राप्त करने में इनके माता-पिता व पति अशोक कुमार तहसीलदार, योगेश, हितेश, भाई डॉ. सुनील कुमार रेडियोलॉजिस्ट एक्स सीएमओ, डॉ. ऋतु प्रण,भाभी डॉ.पूजा, मधु, बहन मीनाक्षी, दीपिका का बड़ा योगदान रहा। इस समय सोनिका ढकवाल पीजीटी लेक्चरर सरकारी स्कूल में कार्यरत है। सोनिका ढकवाल ने लेवल ऑफ बेसिक अमेनिटीज इन एनसीआर हरियाणा एकेस स्ट्डीज ऑफ फरीदाबाद सिटी विषय में अपनी शोध उपाधि प्राप्त की है।

ओलावृष्टि के कारण किसानों की गेहूं व सरसों की फसल का भारी नुकसान

कनीना। जिला के अनेक गांवों में शुक्रवार रात्रि को हुई ओलावृष्टि के कारण किसानों की गेहूं तथा सरसों की फसल में भारी नुकसान हुआ है। इस संबंध में बसपा नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल ने ओलावृष्टि प्रभावित गांवों बाघोत, स्याणा, नौताना, पोता, सेहलंग व अगिहार का दौरा करने के बाद कहा कि रात्रि को बरसात के साथ भारी ओलावृष्टि होने के कारण किसानों की गेहूँ तथा सरसों की फसलों में नुकसान हुआ है। उन्होंने राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन से तत्काल विशेष गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को चालीस हजार रूपए प्रति एकड़ की दर से मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ओलावृष्टि से किसानों के खिले चेहरे मुरझा गए हैं। इसलिए राज्य सरकार की तरफ से प्रभावित किसानों को आर्थिक मदद की दरकार है। उन्होंने राज्य सरकार से प्रभावित किसानों के लघु अवधि के बैंक ऋणों को माफ करने की भी मांग की है।

मंत्री के बयान पर किसानों में रोष, महापंचायत की तैयारी

नूंह। जिले के आईएमटी रोजकामेव स्थित धीरदोका गांव में मुआवजे को लेकर करीब 10 महीने से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे 9 गांवों के किसानों ने बृहस्पतिवार को पंचायत बुलाई। इसमें महिलाओं समेत सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। यह पंचायत बुधवार को जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में पहुंचे उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह द्वारा दिए गए एक बयान के खिलाफ बुलाई गई। मंत्री ने आईएमटी रोजकामेव में किसानों द्वारा धरना दिए जाने पर एसपी को आदेश दिए थे कि धरने को हटाया जाए। इसके लिए पुलिस बल लगाया जाए। मंत्री के इसी बयान पर किसानों में भारी रोष है। किसानों ने पंचायत में जल्द ही महापंचायत बुलाने का फैसला किया।

आयोजित महापंचायत में किसान कमेटी के सदस्य हाफिज सिराजुद्दीन नेकहा कि बुधवार को मंत्री राव नरबीर सिंह ने किसानों के धरने को हटाने की बात कही। इस पर किसानों में मंत्री के प्रति भारी रोष बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यह धरना जारी रहेगा और आईएमटी रोजकामेव का काम भी बंद रहेगा। हम जल्द ही फिर से एक बड़ी महापंचायत करेंगे। जिसको लेकर आगामी रणनीति तैयार की जा रहीं है। इस महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के कई पदाधिकारी शामिल होंगे।

बता दें कि आईएमटी रोजकामेव के लिए 9 गांव खेड़ली कंकर, मेहरोला, बडेलाकी, कंवरसीका, रोजकामेव, धीरदोका, रूपाहेड़ी, खोड (बहादरी) और रेवासन के किसानों की वर्ष 2010 में 1600 एकड़ जमीन अधिग्रहण की गई थी। उस दौरान किसानों की जमीन को सरकार द्वारा प्रति एकड़ 25 लाख रुपये का मुआवजा देकर अधिग्रहण किया गया था।

बारिश व ओलावृष्टि से हुए फसल नुकसान का मुआवजा देगी सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। सरकार ने राज्य में पिछले दो दिनों में बारिश व ओलावृष्टि से फसल नुकसान की जिला उपायुक्तों से रिपोर्ट तलब की है। शनिवार को मंत्रिमंडल की बैठक में ओलावृष्टि से फसल खराब के मसले पर चर्चा हुई और सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि जिलावार उपायुक्तों से रिपोर्ट मंगवाकर नुकसान के आंकलन के लिए ई-क्षति पोर्टल खोला जाएगा।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बताया कि बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुई नुकसान को लेकर जिला उपायुक्तों से रिपोर्ट मांगी गई है। फिलहाल, प्रारंभिक आंकलन के आधार पर भिवानी जिले के तोशाम, लोहारू, भवानी खेड़ा, फतेहाबाद जिले के फतेहाबाद, रतिया, भट?टू कलां, हिसार जिले के नारनौंद व हांसी, महेंद्रगढ़ व नारनौल, रेवाड़ी जिले में बावल व हथीन सहित

कनीना क्षेत्रों में फसल नुकसान की संभावना है। इसको लेकर जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि जिलावार फसल नुकसान की रिपोर्ट भेजी जाए। फसल नुकसान की भरपाई को लेकर ई-क्षति पोर्टल जल्द खोला जाएगा, जिस पर फसल खराबे का ब्योरा अपलोड करेगा। वहीं जिला उपायुक्तों की रिपोर्ट के आधार पर भी फसल खराब का आंकलन किया जाएगा।

बता दें कि लगातार प्रदेश में बारिश जारी है। बारिश से सबसे ज्यादा सरसों व सब्जियों के साथ गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। हालांकि यह नुकसान उन क्षेत्रों में ज्यादा हैं, जहां पर ओलावृष्टि हुई है। वहीं विपक्ष की ओर से ओलावृष्टि के संभावित क्षेत्रों में फसल की विशेष गिरदावरी कराने और मुआवजा देने की मांग की है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सिरसा लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा ने दावा किया कि ओलावृष्टि से हिसार, भिवानी, फतेहाबाद, जींद, और कैथल के करीब 70 गांवों में सब्जियों और सरसों की फसल को नुकसान हुआ। इसके साथ ही हिसार के 50 गांव, आदमपुर में 15, नारनौल में 25, हांसी सहित फतेहाबाद के दर्जनों गांवों में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान पहुंचा है।

हरियाणा में नए जिले बनाने को नियम तय, नए साल में बढ़ सकती संख्या

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नए साल में जिलों की संख्या बढ़ सकती है। सरकार की गठित सब कमेटी ने इस कार्य में तेजी दिखाते हुए नियम तय कर दिए हैं। राज्य में नये जिले, उपमंडल, उप तहसील और नई तहसीलें बनाने के लिए जिला उपायुक्तों की सिफारिश जरूरी है। इसके अलावा, ब्लाक समिति के प्रस्ताव, संबंधित विधानसभा के विधायक का प्रस्ताव और नगर पालिका अथवा नगर निगम का प्रस्ताव भी इसके लिए अनिवार्य कर दिया गया है। इन तीनों प्रस्ताव और डीसी की सिफारिश के बिना राज्य में कोई नया जिला नहीं बन सकेगा।

कैबिनेट सब कमेटी के पास अभी तक पांच नये जिले बनाने की मांग पहुंची है, लेकिन आधे अधूरे दस्तावेज होने की वजह से कैबिनेट सब कमेटी ने इन मांगों पर अभी कोई विचार नहीं किया है। जिला उपायुक्तों से कहा गया है कि वे जरूरी दस्तावेज पूरे करवाकर कैबिनेट सब कमेटी के पास भिजवाएं, ताकि उन पर कोई निर्णय लिया जा सके।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में हुई कैबिनेट सब कमेटी की बैठक में निकाय मंत्री विपुल गोयल, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा और शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा शामिल हुए। कैबिनेट सब कमेटी के पास हांसी, गोहाना, असंध, सफीदो और डबवाली को नये जिले बनाने संबंधी मांग पहुंची हैं। इनमें गोहाना और असंध को जिला बनाने की मांग पिछली सरकार में गठित कैबिनेट सब कमेटी के पास आई थी, जबकि तीन जिलों असंध, सफीदो और डबवाली को जिला बनाने की मांग मौजूदा कैबिनेट सब कमेटी के पास पहुंची हैं। बैठक में तय हुआ कि यदि किसी गांव को किसी उप तहसील या तहसील में शामिल किया जाना है तो उसके लिए संबंधित गांव के सरपंच का प्रस्ताव जरूरी होगा।

कच्चे कर्मचारियों की सेवाएं सेवानिवृत्ति आयु तक सुनिश्चित करने के लिए बदले नियम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने संविदा कर्मचारी (सेवा की सुरक्षा) अधिनियम-2024 में संशोधन करने के लिए अध्यादेश को मंजूरी दी है। संशोधन के तहत एक कैलेंडर वर्ष में वाक्यांश को अनुबंधित सेवा की एक वर्ष की अवधि के दौरान से बदल दिया जाएगा। प्रभावित कर्मचारियों ने अनुरोध किया था कि 240 दिवसीय सेवा आवश्यकता की गणना कैलेंडर वर्ष के बजाय एक वर्ष की संविदा सेवा अवधि के दौरान वास्तविक दिनों की संख्या के आधार पर की जाए। इसका लाभ उन संविदा कर्मचारियों को मिलेगा जो 15 अगस्त 2024 से पहले पांच साल की संविदा सेवा पूरी कर लेंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बैठक के बाद पत्रकारों से बताया कि आज लिए गए फैसले के अनुसार अब आवास और भोजन की व्यवस्था न होने पर सरकार होटल बिल की प्रतिपूर्ति करेगी।

हरियाणा सिविल सेवा (यात्रा भत्ता) नियम-2016 में संशोधन किया गया है। यदि प्रशिक्षण संस्थान या हरियाणा सरकार द्वारा आवास और भोजन की व्यवस्था की जाती है, लेकिन प्रशिक्षु इसका लाभ नहीं उठाता तो उसे कोई होटल शुल्क नहीं दिया जाएगा। यदि प्रशिक्षण संस्थान

या हरियाणा सरकार आवास और भोजन की व्यवस्था नहीं करती है तो प्रशिक्षु की पात्रता के अनुसार होटल शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाएगी। सरकारी कर्मचारियों और न्यायिक अधिकारियों के लिए मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह वृद्धि एक जनवरी 2024 से प्रभावी होगी। डेथ-कम-रिटायरमेंट ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 25 लाख रुपये रहेगी।

अभी तक 20 लाख रुपये तक ग्रेच्युटी दी जा रही थी। मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा सिविल सेवा (संशोधित वेतन) नियम-2008 तथा हरियाणा सिविल सेवा (सुनिश्चित करियर प्रगति) नियम-2008 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। यह नियम एक सितंबर 2009 से लागू माने जाएंगे। राज्य के तीन प्रमुख इंजीनियरिंग विंग के पदों पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर), सिंचाई एवं जल संसाधन तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में इन नियमों में संशोधन किया गया है। संशोधन के बाद किसी भी कर्मचारी के वेतन को फिर से निर्धारित करने की आवश्यकता नहीं होगी। बैठक में हरियाणा सुपीरियर न्यायिक सेवा नियम-2007 और पंजाब सिविल सेवा (न्यायिक शाखा) नियम-1951 में संशोधन को मंजूरी दी गई। इससे हरियाणा सुपीरियर न्यायिक सेवा और हरियाणा सिविल सेवा (न्यायिक शाखा) के मृतक सदस्यों के आश्रितों को अनुकंपा वित्तीय सहायता या नियुक्ति मिल सकेगी।

एनीमिया मुक्त हरियाणा की दिशा में उठाए जा रहे सार्थक कदम

मुफ्त में उपचार ले सकते हैं नागरिक: डीसी डा. विवेक भारती

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा सरकार ने एनीमिया के उपचार के लिए एनीमिया मुक्त हरियाणा अभियान चलाया हुआ है। एनीमिया को खत्म करने के लिए अभियान लगातार जारी है जिसका उद्देश्य राज्य से एनीमिया को खत्म करना है।

यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि यदि कोई भी एनीमिया से पीड़ित है तो डॉक्टर या स्वास्थ्य कार्यकर्ता की सलाह के अनुसार मुफ्त में उपचार ले सकते हैं। यह अभियान एक से 19 वर्ष तक के बच्चों के लिए तथा प्रजनन आयु वर्ग की 20 से 49 साल तक की महिलाओं के लिए है। एनीमिया के उपचार के लिए अलग-अलग आयु वर्ग के लिए खुराक निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान हर महीने अपने खून में हीमोग्लोबिन यानी एचबी के स्तर की जांच भी जरूर कराएं। उन्होंने बताया कि आईएफए सप्लीमेंटेशन व एल्बेंडाजोल की दवाई नज़दीकी आशा, एएनएम, सरकारी स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र से निशुल्क प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि आम नागरिक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के इस अभियान को कामयाब बनाने के लिए जागरूक बने तथा रोजाना संतुलित भोजन लें। एनीमिया के कारण गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। ऐसे में नागरिक जागरूक बनें।

ये हैं एनीमिया के लक्षण:

सिविल सर्जन ने बताया कि एनीमिया से पीड़ित नागरिक के कुछ लक्षण दिखाई देते हैं। उसी आधार पर उसे डॉक्टर उपचार के लिए खुराक देता है। उन्होंने बताया कि थकान या कमजोरी, चिड़चिड़ापन, सांस फूलना, चक्कर आना, सिर दर्द, त्वचा या निचली पलक के अंदर लालिमा कम होना, एकाग्रता की कमी, भूख न लगना तथा कम सहनशीलता एनीमिया के लक्षण है।

रोजाना आयरन युक्त संतुलित भोजन खाएं:

सिविल सर्जन ने बताया कि नागरिक हर रोज आयरन से भरपूर संतुलित भोजन का सेवन करें। आपने भोजन में बथुआ, पालक, ब्रोकली, मैथी, दाल, बाजरा, नींबू, सोयाबीन, मूंगफली, खजूर तथा गुड़ को नियमित रूप से शामिल करें।

यह है आयु अनुसार उपचार के लिए खुराक:

सीएमओ ने बताया कि अलग-अलग आयु वर्ग के लिए एनीमिया के उपचार के लिए अलग-अलग खुराक तथा टैबलेट दी जाती हैं।

आईएफए लाल गोली प्रजनन महिला को दी जाती है। इसमें 20 से 49 वर्ष की महिलाएं शामिल हैं। इसी प्रकार स्तनपान करने वाली महिलाएं तथा गर्भवती महिलाओं को भी यह गोली दी जाती है।

आईएफए सिरप 6 से 59 माह के बच्चों के लिए दिया जाता है। 5 से 9 वर्ष तक के बच्चों के लिए गुलाबी गोली दी जाती है। इसी प्रकार 10 से 19 वर्ष तक के बच्चों के लिए नीली गोली दी जाती है।

महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय भू-विज्ञान ओलंपियाड-2025 के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा आठ फरवरी को

राजकीय महाविद्यालय नारनौल भी रहेगा परीक्षा केंद्र

एजेंसी

नारनौल। अन्तर्राष्ट्रीय भू-विज्ञान ओलंपियाड-2025 के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा 08 फरवरी 2025 को होनी तय हुई है। स्थानीय राजकीय महाविद्यालय नारनौल के भू गर्भ विभाग को प्रवेश परीक्षा केंद्र के रूप में मान्यता मिल चुकी है। विभागाध्यक्ष एवं परीक्षा केंद्र के कोर्डिनेटर जयपाल सिंह सहायक प्राध्यापक भुर्गभ विज्ञान ने बताया कि इंटरनेशनल अर्थ साइंस ओलंपियाड की परीक्षा जियोलॉजिकल सोसायटी आफ इंडिया के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर देश के विभिन्न भूगर्भ अध्ययन से संबंधित विभागों में करवाई जाती है। इस परीक्षा के लिए स्कूल स्तर पर कक्षा आठवीं से ग्यारहवीं तक के विद्यार्थी योग्य रहते हैं। नेशनल स्तर की परीक्षा के बाद पूरे भारत से 25 विद्यार्थियों का चयन किया जायेगा। जो 3 सप्ताह के एक कैंप में भाग लेंगे, इसके बाद प्रदर्शन के आधार पर चुने गए टॉप के चार छात्र इंटरनेशनल अर्थ साइंस ओलम्पियाड में भारत के प्रतिनिधित्व करेंगे।

महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूर्ण प्रभा ने बताया कि राजकीय महाविद्यालय नारनौल हरियाणा का एकमात्र ऐसा राजकीय महाविद्यालय है जहां भूर्गभ विज्ञान में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर के छात्र अध्ययनरत रहते हैं तथा इस विभाग के पूर्व छात्रों द्वारा देश की विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं जैसे भारतीय भू सर्वेक्षण, आयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन, केन्द्रीय व राज्य खनन विभाग, भू-जल आदि विभागों में उच्च पदों पर सेवाएं दी जा रही हैं।

महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रमोहन ने कहा कि भूगर्भ विज्ञान एक रुचिकर विषय है इसमें प्राकृतिक घटनाक्रमों को जानने का अवसर प्राप्त होता है तथा हम धरती व धरती से मिलने वाले खनिज पदार्थों के स्रोतों का अध्ययन करते हैं। जैसे-जैसे प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन की आवश्यकता बढ़ रही है, इसलिए इस विषय में रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं, इसलिए छात्रों का रूझान भी इस विषय की ओर बढ रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में भू विज्ञान विभाग ने एक जियोपार्क भी विकसित किया है। जिसने शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थी फ्री में भू विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रकार के पदार्थ जैसे चट्टान, खनिज, धातुओं के अयस्क, करोड़ों साल पुराने जीव जंतुओं के अवशेष एवं संरचनाएं देख सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय भू-विज्ञान ओलंपियाड-2025 की राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के लिए विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन फॉर्म ऑफिसियल वेबसाइट पर डाउनलोड सेक्शन में उपलब्ध है। जिसको भरकर विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र कोर्डिनेटर के पास जमा करवाना होगा। जियोलाजिकल सोसाइटी आफ इंडिया की तरफ से लडक़ों के लिए 200 रुपये एवं लड़कियों के लिए 100 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस रखी गई है जो परीक्षा केंद्र पर रजिस्ट्रेशन फार्म के साथ जमा करवानी है।

हरियाणा में सड़को पर खुला घूम रहा गोवंश, बढ़ रहे है हादसे, जा रही है लोगों की जान: कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में सड़को पर खुला घूम रहा गोवंश न तो खुद के लिए और न ही लोगों के लिए सुरक्षित है। प्रदेश में हर रोज लावारिस पशुओं की वजह से लगातार हादसे बढ़ते जा रहे हैं। इन हादसों में अनेक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। ऐसे में प्रशासन को इन बेसहारा पशुओं पर नकेल कसने के लिए जल्द से जल्द कदम उठाने चाहिए। तापमान शून्य के आसपास है ऐसे में बेसहारा पशुओं को पकड़कर नंदीशाला या गौशाला भेजना चाहिए साथ ही सरकार को जल्द से जल्द गौशालाओं को अनुदान राशि जारी करनी चाहिए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश के कई जिलों में बेसहारा पशुओं ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। इससे रोजाना सड़क हादसे होते रहते हैं। कई बार बेसहारा पशु लड़ते हुए लोगों के दुकानों या फिर घरों में घुस जाते हैं जिससे काफी परेशानी होती है। सड़कों पर ऐसे पशुओं के कारण सड़क हादसे बढ़ रहे है, पशुओं के हमले के शिकार लोग अपंग हो रहे हैं। प्रदेश में करीब 600 गोशालाएं है। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशु मुक्त

अभियान चलाने वाला गोसेवा आयोग तथा बड़ा प्रशासनिक अमला मौजूद है और प्रदेश को 15 अगस्त 2018 तथा 26 जनवरी 2019 को बेसहारा पशु मुक्त राज्य घोषित किया जा चुका है। पर वर्तमान में स्थिति कुछ और ही है। प्रदेश में ऐसा कोई नगर या गांव नहीं है जहां पर बेसहारा पशु सड़कों पर घूमते हुए न मिलें। हरियाणा में जीटी रोड, हिसार-सिरसा रोड, अंबाला कैथल रोड, पानीपत-रोहतक-हिसार रोड और गुरुग्राम व फरीदाबाद रोड समेत कई ऐसे हाईवे हैं, जहां अक्सर रात को सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। हादसों में न जाने कितने लोगों की जान जा चुकी है और न जाने कितने लोग अपंग हो चुके हैं। उन्होंने कहा है बकि फतेहाबाद, अंबाला, कैथल, सिरसा, हिसार, पंचकूला, सोनीपत, भिवानी, झज्जर, करनाल, रेवाड़ी, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, चरखीदादरी, फरीदाबाद, पलवल और पानीपत जिलों में बेसहारा पशुओं की वजह से सड़कों पर टकराने से आए दिन मौत होती रहती है। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं को गोशालाओं में रखने में गौशाला संचालक ज्यादा रुचि नहीं दिखाते। दूध देना बंद करने वाले पशुओं को पशुपालक खुला में छोड़ देते हैं, जो दिन व रात सड़को पर घूमते हुए बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इन बेसहारा पशुओं पर नकेल कसने के लिए जल्द से जल्द कदम उठाना चाहिए ।

केंद्रीय सशस्त्र बलों और सीएपीएफ के शहीदों के परिवारों को अब मिलेगी 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा मंत्रिमंडल की मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय सशस्त्र बल कर्मियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों के युद्ध में मृत्यु हो जाने पर उनके परिवारों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में संशोधन को मंजूरी दे दी है। संशोधित अनुग्रह राशि को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 2024-25 के अपने बजट भाषण में शहीदों और उनके परिवारों के बलिदान को मान्यता देते हुए अनुग्रह राशि को 50 लाख रुपए से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये करने की घोषणा की थी। आज उसे मंत्रिमंडल में मंजूरी दे दी गई। हरियाणा से संबंधित केंद्रीय सशस्त्र बल कर्मियों (सेना, नौसेना और वायु सेना) के शहीदों के परिवार के सदस्यों/निकटतम रिश्तेदारों को रक्षा अधिकारियों/गृह मंत्रालय द्वारा युद्ध में मृत÷ घोषित किए गए विभिन्न प्रकार की घटनाओं सहित अनुग्रह अनुदान दिया जाता है, चाहे किसी भी ऑपरेशन या ऑपरेशन के किसी निर्दिष्ट क्षेत्र में सशस्त्र बलों या केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल का कोई सदस्य युद्ध/आईईडी विस्फोट/आतंकवादी या उग्रवादी हमलों/सीमा पर मुठभेड़ और संयुक्त राष्ट्रीय शांति सेना में वास्तविक आधिकारिक कर्तव्यों के निष्पादन में शहीद हो, जिसमें वाहन दुर्घटना, हृदय गति रुकना, हवाई दुर्घटना और प्राकृतिक आपदाएं शामिल हैं, जिनमें कर्तव्यों के निष्पादन के प्रति असाधारण साहस और निर्णय की आवश्यकता होती है। सीएपीएफ कर्मियों के मामले भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। युद्ध में शहीद हुए हरियाणा के सीएपीएफ कर्मियों के परिवारों को अनुग्रह राशि का भुगतान दिया जाता है, जो अपने प्राणों की आहुति देते हैं। जैसे कि युद्ध में परिचालन क्षेत्र में सेवा करते समय या आतंकवादी/आतंकवादी हमले के दौरान प्राकृतिक आपदाओं, चुनाव, बचाव कार्यों आदि के दौरान अपनी ड्यूटी के दौरान जिनकी मृत्यु हो जाती है।

अशोक विहार फेस 3 में श्री श्याम संकीर्तन में शामिल हुए विधायक

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा जनसंपर्क और जनसेवा के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। इसी क्रम में, बीती शाम उन्होंने राजवंशी होटल में आयोजित एक विशेष बैठक में भाग लिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान सुनिश्चित करना था। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पहुंचे, जिन्होंने विधायक से अपनी समस्याएं साझा कीं। इनमें से कई समस्याओं का समाधान उन्होंने मौके पर ही कर दिया। जलभराव, सड़क निर्माण, सफाई व्यवस्था और सरकारी योजनाओं से जुड़े कई विषयों पर चर्चा हुई।

विधायक मुकेश शर्मा ने कहा, जब कोई अपना मुझसे मिलकर अपनी परेशानी साझा करता है और मुझ पर भरोसा जताता है, तो यह मेरा परम कर्तव्य बन जाता है कि मैं उनके दर्द को समझूं और हर संभव मदद करूं। अपने परिवारजनों की मदद करने से जो संतोष और खुशी मिलती है, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। अपने गुरुग्राम के परिवारजनों की सेवा के लिए मैं सदैव तत्पर हूं। इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे जनसमस्याओं के समाधान में देरी न करें। स्थानीय

नागरिकों ने विधायक के इस प्रयास की सराहना की और उन्हें क्षेत्र के विकास का मार्गदर्शक बताया।

अध्यक्ष श्री श्याम परिवार महासंघ एवं विधायक मुकेश शर्मा अशोक विहार फेस 3 में आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में सम्मिलित हुए। यह आयोजन श्याम भक्तों के लिए एक दिव्य और अद्भुत अनुभव साबित हुआ। विधायक ने श्याम बाबा की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं के साथ कीर्तन का आनंद लिया। भक्तिरस से सराबोर इस संकीर्तन में पूरे क्षेत्र का माहौल भक्ति और उत्साह से भर गया। भक्तों की श्रद्धा और प्रेम ने आयोजन को और अधिक विशेष बना दिया। इस अवसर पर विधायक ने कहा, बाबा श्याम की महिमा का कोई मोल नहीं। उनकी कृपा हम सभी पर बनी रहे और गुरुग्राम के हर परिवार में सुख-समृद्धि और खुशियों की बारिश हो।

उन्होंने सभी गुरुग्रामवासियों के कल्याण की कामना की और यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में आपसी एकता और भाईचारे का संदेश जाता है। संकीर्तन के अंत में विधायक ने आयोजन समिति और श्याम भक्तों का धन्यवाद किया। विधायक मुकेश शर्मा लगातार क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं। चाहे जनसमस्याओं का समाधान हो या धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में भागीदारी, उनकी सक्रियता से जनता के बीच विश्वास और बढ़ गया है।

हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त एवं सचिव की अपील

नारनौल। किसी भी नवजात को लावारिस हालत में छोडऩा महापाप है। जो परिवार किसी कारण से बच्चों को पालने में असमर्थ हैं या वह अनचाहा बच्ची या बच्चा है तो उसे कूड़े के ढेर या अन्य कहीं भी फेंके नहीं बल्कि इन्हें जिला में विभिन्न स्थानों पर स्थापित पालना घर में सम्मान पूर्वक रखकर जा सकते हैं। इन पालन घरों में कोई भी सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है। ऐसे बच्चों को उचित कानूनी प्रक्रिया के बाद जरूरतमंद परिवार गोद ले लेते हैं।

पंचकूला के जंगलों में एक नवजात बच्ची की मौत पर संज्ञान लेते हुए हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त एवं सचिव अमनीत पी कुमार ने लोगों को जागरूक करने के लिए आदेश जारी किए हैं। विभाग की आयुक्त एवं सचिव के आदेशानुसार जिला बाल संरक्षण इकाई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिला स्तर पर ऐसी घटनाओं की रोकथाम की हर संभव कोशिश के लिए बाल कल्याण समिति व जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय स्थापित हैं। वर्तमान में यह दोनों कार्यालय महेंद्रगढ़ रोड पर स्थित शास्त्री नगर गली नंबर एक में स्टार किड्स प्ले के नजदीक चल रहे हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि बच्चा या बच्ची दोनों को सम्मान पूर्वक जीने का अधिकार प्राप्त है। उनके जीने के अधिकार को ना छीनते हुए उनके संदर्भ में सूचना कार्यालय के लैंडलाइन नंबर 01282-254721, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर भी इन बच्चों के विषय पर सूचना देकर उनकी जिंदगी को बचाया जा सकता है। सभी हेल्पलाइन नंबर कार्यरत रहते हैं। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त बच्चा या बच्ची को फेंकने की बजाय असमर्थ परिवार इन्हें बाल कल्याण समिति कार्यालय में कुछ कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करके उसे सम्मानपूर्वक सरेंडर भी कर सकता है। लडक़ा और लडक़ी दोनों को सम्मान रूप से जीने का अधिकार है। ऐसे बच्चों के लिए जिला महेंद्रगढ़ में सिविल अस्पताल नारनौल, सिविल अस्पताल महेंद्रगढ़, सीएचसी नांगल चौधरी, कनीना, अटेली मंडी व बाल भवन नारनौल में पालना घर स्थापित किए गए हैं।

डीजीसीए ने अकासा एयर के प्रशिक्षण और उड़ान संचालन निदेशकों को किया निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए अकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह-छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। डीजीसीए ने अपने आदेश में एयरलाइन को दोनों पदों के लिए 'उपयुक्त' उम्मीदवारों को नामित करने की सलाह भी दी है। अकाशा एयर ने जारी एक बयान में कहा कि डीजीसीए ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए उसके संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को 6-6 महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया है। कंपनी ने जारी इस आदेश पर कहा कि वह डीजीसीए के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगी और उसके अनुरूप अनुपालन करेगी। एयरलाइन ने कहा, सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, हम सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं। विमान नियामक डीजीसीए ने जारी अपने आदेश में कहा कि राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी वाली एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारी नागर विमानन से जुड़े हुए प्रावधानों का 'अनुपालन' सुनिश्चित करने में 'विफल' रहे हैं। डीजीसीए ने निलंबन आदेश में कहा कि 7 अक्टूबर, 2024 को एसएनवी एविएशन प्राइवेट लिमिटेड (अकासा एयर), मुंबई में किए गए नियामकीय लेखा-परीक्षण में पाया गया है कि आरएनपी प्रशिक्षण ऐसे सिम्यूलेटर पर आयोजित किया जा रहा है, जो इसके लिए योग्य नहीं हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.92 प्रतिशत चढ़कर 69.95 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत उतरकर 74.00 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन में सरकार की मदद करेगा फियो

नयी दिल्ली। पूर्वोत्तर क्षेत्र के हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। फियो की यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस करार पर गुवाहाटी में एनईएचएचडीसी के कॉर्पोरेट कार्यालय में हस्ताक्षर किए गए। एनईएचएचडीसी पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय की एजेंसी है। समझौता ज्ञापन पर फियो के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. अजय सहाय और एनईएचएचडीसी के प्रबंध निदेशक (एमडी) ब्रिगेडियर राजीव कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) ने हस्ताक्षर किए।

फियो के अनुसार समझौते का उद्देश्य एक-दूसरे को निवेश और व्यापार के लिए सहयोग और साझेदारों के अवसर प्रदान करना, अपने-अपने व्यापार के दायरे में परामर्श सेवाएं प्रदान करना, व्यापार मिशनों, अध्ययन समूहों के लिए आदान-प्रदान यात्रा, प्रदर्शनियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों, सेमिनारों, कार्यशालाओं के आयोजन में सहयोग करना, दोनों पक्षों के सदस्यों के बीच संपर्कों के विकास की पहल करना, उद्यमों, विदेशी निगमों और फर्मों की जानकारी सहित व्यापार से संबंधित आर्थिक विकास के आवश्यक मुद्दों पर एक-दूसरे को जानकारी प्रदान करना है।

शक्कर में लिवाली, खाद्य तेलों में तेजी, दलहन मजबूत, दाल- चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में खरीदी बताई गई। खाद्य तेलों में लिवाली से भाव तेजी लिए रहे। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की खरीदी रही। दलहनों में मांग से मजबूती दर्ज की गई। आज दाल तथा चावल में कामकाज सामान्य वत बना रहा।

किराना बाजार

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में लिवाली बताई गई ।आज शक्कर में तीन गाड़ी की आवक हुई। खोपरा गोला दिसावर के साथ ऊंचा होकर बिका। खोपरा बूरा तथा हल्दी में मांग सुधार लिए बताई गई।

तेल-तिलहन

खाद्य तेलों में लिवाली सुधार से पाम तेल तेजी लिए रहा। तिलहन में उठाव से सरसों में मजबूती दर्ज की गई। सोयाबीन में लिवाली बताई गई।

दाल-दलहन

संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज मजबूती लिए बताया गया। दाल में उठाव रहा। इससे तेजी हुई। चावल में लिवाली से भाव स्थिरता लिए बताए गए।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग और ऑटो शेयरों में खरीदारी के बीच शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 226.59 अंक या 0.29 प्रतिशत चढ़कर 78,699.07 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 570.67 अंक या 0.72 प्रतिशत चढ़कर 79,043.15 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 63.20 अंक अथवा 0.27 प्रतिशत बढ़कर 23,813.40 अंक पर पहुंच गया। 30 ब्लू-चिप कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, नेस्ले और आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज्यादा लाभ में रहे। भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचसीएल टेक पिछड़ने वालों में शामिल थे।

शियाई बाजारों में, टोक्यो और शंघाई में तेजी रही, जबकि सियोल और हांगकांग में गिरावट रही।

यूरोपीय बाजार सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सपाट स्तर पर बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 73.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। गुरुवार को रुपया लगभग दो साल में सबसे बड़ी गिरावट के साथ 85.80 के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। उसके बाद केंद्रीय बैंक के संदिग्ध हस्तक्षेप से कुछ नुकसान की भरपाई हुई और शुक्रवार को बैंकों और आयातकों की ओर से माह के अंत में मांग बढ़ने के बीच डॉलर के मजबूत होने से रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे गिरकर 85.50 (अनंतिम) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 2,376.67 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। गुरुवार को कारोबार के दौरान बीएसई का बेंचमार्क सूचकांक 0.39 अंक गिरकर 78,472.48 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 22.55 अंक या 0.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,750.20 अंक पर बंद हुआ था।

डब्ल्यूईएफ बैठक में शामिल होंगे वैष्णव, नायडू समेत कई केंद्रीय मंत्री और तीन राज्यों के मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। स्विट्जरलैंड के दावोस में 20 से 24 जनवरी तक विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक-2025 होने जा रही है। इस बैठक में दुनियाभर के तमाम वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और व्यापारिक नेता शामिल होंगे। इस सम्मेलन में भारत के कई केंद्रीय मंत्री और तीन मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि डब्ल्यूईएफ की पांच दिवसीय वार्षिक बैठक स्विट्जरलैंड के दावोस में होगी। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, सीआर पाटिल, चिराग पासवान, के. राममोहन नायडू, जयंत चौधरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शामिल होंगे। चंद्रबाबू नायडू के साथ उनके बेटे एवं राज्य सरकार के मंत्री नारा लोकेश भी डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में शामिल होंगे, जबकि कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, तमिलनाडु के मंत्री टीआरबी राजा और उत्तर प्रदेश के मंत्री सुरेश खन्ना इस वार्षिक समारोह में शामिल होंगे। बैठक में दुनियाभर के सैकड़ों वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और व्यापारिक नेता शामिल होंगे।

देश में वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 997.826 मिलियन टन का अपना अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन किया, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 893.191 मिलियन टन कोयला उत्पादन की तुलना में 11.71 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में बताया कि 2024 में मंत्रालय ने एक परिवर्तनकारी वर्ष देखा है, जिसमें उत्पादन, स्थिरता और तकनीकी नवाचार में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ दर्ज की गई हैं। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में मंत्रालय भारत को विकसित भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ा रहा है, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहा है।मंत्रालय के मुताबिक एकीकृत कोयला रसद योजना के तहत केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक 1.5 बीटी कोयला के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कैलेंडर वर्ष 2024 (15 दिसंबर तक) के

दौरान कोयला का उत्पादन अनंतिम 988.32 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 7.66 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने बताया कि कोयले की आपूर्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, 15 दिसंबर, 2024 तक 963.11 मिलियन टन कोयले की अनंतिम आपूर्ति की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.47 फीसदी अधिक है। इसी तरह बिजली क्षेत्र को 792.958 मिलियन टन कोयला मिला है, जिसमें 5.02 फीसदी की वृद्धि हुई। इसके अलावा गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) में 14.48 फीसदी की वृद्धि देखी गई, जिसमें 171.236 मिलियन टन की आपूर्ति की गई है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 250 से 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,150 रुपये से लेकर 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,650 रुपये से लेकर 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 900 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इंडिया पोस्ट को मुनाफे में लाने पर ज्योतिरादित्य और सीतारमण ने की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक की। बैठक में इंडिया पोस्ट को लाभदायक लॉजिस्टिक कंपनी में बदलने की योजना पर चर्चा की गई। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर भारतीय डाक को मुनाफे में लाने पर चर्चा की। संचार मंत्री ने डाक विभाग के अधिकारियों के साथ केंद्रीय वित्त मंत्री के समक्ष पूंजीगत व्यय की अपनी मांगें रखीं, ताकि 2029 तक इसे मुनाफे में लाया जा सके। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक में इंडिया पोस्ट ऑफिस की पूंजीगत व्यय जरूरतों पर चर्चा की गई, क्योंकि यह ग्राहक-अनुकूल, डिजिटलीकृत लॉजिस्टिक्स कंपनी के रूप में महत्वपूर्ण बदलाव के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रही है। सिंधिया ने आगे लिखा कि यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत सरकार इस लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है और प्रत्येक वर्टिकल निकट भविष्य में इसे पूरा करने की दिशा में काम करेगा।

आरबीआई की रिपोर्ट, दो साल से उच्च ब्याज दरों के स्थिर होने के बावजूद पर्सनल लोन में वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। दो साल से उच्च ब्याज दरों के स्थिर होने के बावजूद पर्सनल लोन के तहत आने वाले हाउसिंग, क्रेडिट कार्ड और शिक्षा कर्ज में 23 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, हाउसिंग के एवज में कर्ज मार्च, 2024 तक सबसे अधिक 36 फीसदी बढ़कर 27,18,715 करोड़ रुपये पहुंच गया।?मार्च, 2023 तक यह 19,91,164 करोड़ रुपये था। कुल पर्सनल लोन 20 फीसदी बढ़कर 53.31 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह, क्रेडिट कार्ड बकाया 25.6 फीसदी बढ़कर 2.57 लाख करोड़ और शिक्षा कर्ज 23.7 फीसदी बढ़कर 1.19 लाख करोड़ पहुंच गया।?कंज्यूमर ड्यूरेबल खरीदने को लिया गया कर्ज 13.4 फीसदी, फिक्स्ड डिपॉजिट के बदले कर्ज 2.2 फीसदी, ऑटो लोन 17.4 फीसदी और गोल्ड लोन 14.8 फीसदी बढ़ा है।

कुल कर्ज में पर्सनल लोन का हिस्सा 2023-24 में बढ़कर 27 फीसदी पहुंच गया, जो 2022-23 में 20 फीसदी था। कृषि कर्ज 15.4 फीसदी से बढ़कर मार्च, 2024 में 20 फीसदी पहुंच गया। उद्योग कर्ज बढ़कर 8.5 फीसदी पहुंच गया। बैंकों का कारोबार मूलरूप से आपसे जमा लेकर उसी को किसी अन्य को कर्ज देकर चलता है। आपसे कम ब्याज पर पैसा लेकर दूसरों को ज्यादा ब्याज पर देते हैं। सरकारी बैंकों के फंड की लागत 2022-23 में 4.1 फीसदी रही थी और उनकी कमाई 7.5 फीसदी रही। 2023-24 में लागत बढ़कर 5 फीसदी तो हो गई, लेकिन कर्ज से कमाई भी बढ़कर 8.41 फीसदी पर पहुंच गई। निजी बैंकों का भी यही हाल है। उनकी लागत मार्च, 2024 में 5.4 फीसदी थी लेकिन कर्ज से कमाई 10.4 फीसदी रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सूक्ष्म एवं छोटे उद्योगों का हिस्सा 13.1 से बढ़कर 14.7 फीसदी, मध्यम इकाइयों का 12.3 फीसदी से बढ़कर 13.3 फीसदी और बड़ी कंपनियों को दिए जाने वाला कर्ज का हिस्सा 3.5 फीसदी से बढ़कर 6.4 फीसदी के स्तर पर पहुंच गया है।?इसी प्रकार, कुल कर्ज में सेवा क्षेत्र का हिस्सा 23.5 फीसदी रहा, जो 2023 मार्च में 19.5 फीसदी रहा था। रिपोर्ट के अनुसार, कुल उधारी में शेडयूल्ड कमर्शियल बैंकों से बड़ी उधारी लेने वालों का हिस्सा घट गया है। मार्च, 2024 में इनका हिस्सा 43.9 फीसदी रहा जो मार्च, 2023 में 46.5 फीसदी रहा था। देश में एक साल में 1.10 करोड़ से अधिक नए क्रेडिट कार्ड जारी हुए हैं। नवंबर, 2023 में कुल 9.60 करोड़ कार्ड थे, जो इस साल नवंबर में बढ़कर 10.72 करोड़ हो गए।

बजट में उपभोग बढ़ाने के उपाय और ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम हो : सीआईआई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में ईंधन पर उत्पाद शुल्क को कम करने की वकालत करते हुये कहा है कि घरेलू उपभोग भारत की विकास कहानी के लिए महत्वपूर्ण रहा है लेकिन मुद्रास्फीति के दबाव ने उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कुछ हद तक कम कर दिया है। सरकार के हस्तक्षेप से व्यय योग्य आय बढ़ाने और आर्थिक गति को बनाए रखने के लिए खर्च को प्रोत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने वित्त मंत्रालय के बजट की तैयारियों के बीच यहां जारी एक बयान में कहा कि लगातार खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव विशेष रूप से कम आय वाले ग्रामीण परिवारों पर प्रभाव डालते हैं, जो अपने उपभोग की टोकरी में खाद्य को बड़ा हिस्सा आवंटित करते हैं। उन्होंने कहा, हालाँकि हाल की तिमाहियों में ग्रामीण खपत में सुधार के संकेत मिले हैं, लेकिन लक्षित सरकारी हस्तक्षेप, जैसे कि मनरेगा, पीएम-किसान और पीएमएवाई जैसी प्रमुख योजनाओं के तहत प्रति यूनिट लाभ में वृद्धि और कम आय वाले परिवारों को उपभोग वाउचर प्रदान करना, ग्रामीण सुधार को और बढ़ा सकता है। खपत को बढ़ावा देने के लिए, विशेष रूप से निम्न आय स्तर पर, सीआईआई ने 2025-26 के अपने बजट प्रस्तावों में लक्षित हस्तक्षेपों का सुझाव दिया है। सबसे पहले, ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम करना महत्वपूर्ण है क्योंकि ईंधन की कीमतें मुद्रास्फीति को काफी हद तक बढ़ाती हैं, जो समग्र घरेलू खपत टोकरी का एक बड़ा हिस्सा है। अकेले केंद्रीय उत्पाद शुल्क पेट्रोल के खुदरा मूल्य का लगभग 21 प्रतिशत और डीजल के लिए 18 प्रतिशत है। मई 2022 से, इन शुल्कों को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 40 प्रतिशत की कमी के अनुरूप समायोजित नहीं किया गया है। ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम करने से समग्र मुद्रास्फीति को कम करने और व्यय योग्य आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।दूसरा, व्यक्तियों के लिए उच्चतम सीमांत दर 42.74 प्रतिशत और सामान्य कॉर्पोरेट कर दर 25.17 प्रतिशत के बीच का अंतर बहुत अधिक है। इसके अलावा, मुद्रास्फीति ने निम्न और मध्यम आय वालों की क्रय शक्ति को कम कर दिया है। बजट में 20 लाख रुपये प्रति वर्ष तक की व्यक्तिगत आय के लिए सीमांत कर दरों को कम करने पर विचार किया जा सकता है। इससे उपभोग, उच्च विकास और उच्च कर राजस्व के पुण्य चक्र को गति देने में मदद मिलेगी। तीसरा, 2017 में 'राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन निर्धारण पर विशेषज्ञ समिति' द्वारा सुझाए गए अनुसार मनरेगा के तहत दैनिक न्यूनतम वेतन 267 रुपये से बढ़ाकर 375 रुपये किया जाए। सीआईआई रिसर्च के अनुमानों से पता चलता है कि इससे 42,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय होगा।

चौथा, पीएम किसान योजना के तहत वार्षिक भुगतान 6,000 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये किया जाए। 10 करोड़ लाभार्थियों को मानते हुए, इससे 20,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय होगा।

वोडाफोन समूह ने वीआईएल के शेयरों के बदले जुटाए गए 11,650 करोड़ का कर्ज चुकाया

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी वोडाफोन समूह ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के शेयरों के बदले जुटाए गए करीब 11,650 करोड़ रुपये (10.9 करोड़ पाउंड) का बकाया चुका दिया है। कंपनी ने नियामक फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड के शेयरों के बदले जुटाए गए करीब 11,650 करोड़ रुपये (10.9 करोड़ पाउंड) का बकाया चुका दिया गया है। वोडाफोन समूह ने कर्ज जुटाने के लिए वीआईएल में लगभग पूरी हिस्सेदारी गिरवी रख दी थी ब्रिटेन स्थित वोडाफोन समूह ने कहा कि वोडाफोन के प्रवर्तकों के ऋणदाताओं को बकाया चुकाने के बाद ऋणदाताओं के लिए सुरक्षा ट्रस्टी के रूप में काम करने वाली एचएसबीसी कॉरपोरेट ट्रस्टी कंपनी (यूके) लिमिटेड ने 27 दिसंबर, 2024 को गिरवी शेयरों को जारी कर दिया है। मॉरिशस और भारत स्थित वोडाफोन समूह की संस्थाओं द्वारा जुटाए गए कर्ज के लिए एचएसबीसी कॉरपोरेट ट्रस्टी कंपनी (यूके) के पक्ष में शेयर गिरवी रखे थे। उल्लेखनीय है कि वोडाफोन समूह के पास वीआईएल कंपनी की 22.56 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि आदित्य बिड़ला समूह के पास 14.76 फीसदी और सरकार के पास 23.15 फीसदी हिस्सेदारी है।

रिलायंस ने कार्किनोस हेल्थकेयर का 375 करोड़ में अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी ने प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य देखभाल प्लेटफॉर्म कार्किनोस का 375 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रेगुलेटरी फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक बिजनेस वेंचर्स (आरएसबीवीएल) ने जरूरी शेयरों के आवंटन के साथ कर्किनोस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया कि आरएसबीवीएल ने हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 375 करोड़ रुपये में खरीदा है। ऑन्कोलॉजी केंद्रित हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म कार्किनोस को 24 जुलाई, 2020 को भारत में शामिल किया गया था।

यह प्लेटफॉर्म कैंसर का शीघ्र पता लगाने, निदान और प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित अभिनव समाधान प्रदान करने के व्यवसाय में है। इसका वित्त वर्ष 2022-23 में कारोबार लगभग 22 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि ये कंपनी कैंसर का जल्दी पता लगाने और प्रभावी उपचार से संबंधित सेवाएं देती है, जिनकी कीमत मौजूदा दरों से काफी कम है। इसके बावजूद कंपनी अच्छा लाभ कमा रही है।

स्मार्ट विनिर्माण को बढ़ावा दे सरकार : रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विनिर्माण परिदृश्य को नया रूप देने के बीच भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने इनको अपनाने में विशेषकर छोटे और मध्यम उद्यमों के पास आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए साझा प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने, प्रौद्योगिकी के लिए बजट आवंटन बढ़ाने, उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने और स्मार्ट विनिर्माण को व्यापक रूप से अपनाने के लिए सहायक नीतियों को लागू करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की सिफारिश की है। सीआईआई ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र पर स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने ऐतिहासिक विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता अध्ययन का दूसरा भाग जारी किया है। 'स्मार्ट विनिर्माण-भारत की संभावनाओं को खोलना' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में इस क्षेत्र के चल रहे डिजिटल परिवर्तन और निकट भविष्य में विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) हिस्सेदारी को 25 प्रतिशत तक बढ़ाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कैसे आईओटी,एआई, एमएल , रोबोटिक्स और ऑटोमेशन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां विनिर्माण परिदृश्य को नया रूप दे रही हैं, अनुकूलन, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे रही हैं। सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस और ऑटोमोटिव जैसे उच्च-पूंजी उद्योग इन तकनीकों को अपनाने में अग्रणी हैं, जबकि कपड़ा और खाद्य प्रसंस्करण जैसे पारंपरिक क्षेत्र धीरे-धीरे डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहे हैं।रिपोर्ट के निष्कर्ष में कहा गया है कि जबकि अधिकांश निर्माता प्रौद्योगिकी अपनाने को लाभप्रदता और प्रतिस्पर्धात्मकता के एक महत्वपूर्ण चालक के रूप में पहचानते हैं, वर्तमान निवेश मामूली है, कई अपने बजट का 10 प्रतिशत से भी कम आवंटित करते हैं। हालांकि, अगले दो वर्षों में उच्च निवेश की ओर बदलाव की उम्मीद है तथा बजट का 11-15 प्रतिशत लक्ष्य करना विशेष रूप से आईओटी , रोबोटिक्स और बिग डेटा में। उच्च लागत, अस्पष्ट निवेश पर रिटर्न और विरासत प्रणालियों के एकीकरण जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं, खासकर छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट कौशल अंतर को पाटने और उन्नत तकनीकों को निर्बाध रूप से अपनाने में सक्षम बनाने के लिए कार्यबल को बेहतर बनाने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। इन बाधाओं को दूर करने के लिए, अध्ययन में साझा प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करने, प्रौद्योगिकी के लिए बजट आवंटन बढ़ाने, उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने और स्मार्ट विनिर्माण को व्यापक रूप से अपनाने के लिए सहायक नीतियों को लागू करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की सिफारिश की गई है। सीआईआई में विनिर्माण उत्कृष्टता परिषद के अध्यक्ष और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक दीपक शेट्टी ने कहा, भारत का विनिर्माण परिदृश्य एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है, जो नवीन प्रौद्योगिकियों के तेजी से अपनाने से प्रेरित है। यह रिपोर्ट विनिर्माण को नया रूप देने वाली तकनीकी क्रांति की खोज करती है।

इन 10 चीजों को कभी न खाएं कच्ची, छिपी हैं इनमें खतरनाक बीमारियां, 7 सब्जियों के नाम भी हैं इसमें शामिल, देखें लिस्ट

कई चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें आप कई बार अनजाने में कच्चा ही खा लेते हैं. इसमें अंडा, कुछ सब्जियां जैसे पत्तागोभी आदि लोग कच्ची खाते हैं. ऐसा बार-बार करना नुकसानदायक हो सकता है. जानें, ऐसे कुछ फूड्स के बारे में जिन्हें कच्चा खाना आपकी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है.

अधिकतर लोग कई सब्जियों, अंडा या अन्य चीजों को कच्चा खाना पसंद करते हैं. इन्हें लगता है कि कच्ची चीजों का सेवन करना अधिक फायदेमंद होता है और इसमें पोषक तत्व भी भरपूर मिलते हैं. लेकिन, कुछ फूड्स ऐसे होते हैं, जिन्हें कच्चा खाना कई तरह से सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकता है. कुछ फूड्स में टॉक्सिक तत्व, हानिकारक जर्म्स, बैक्टीरिया आदि होते हैं. ऐसे में ये आपके गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल में समस्या से लेकर गंभीर रोगों को जन्म दे सकते हैं. जानें यहां किन फूड्स को बार-बार कच्चा खाने से परहेज करना चाहिए.

अंडा- काफी लोग अंडा कच्चा खा लेते हैं, खासकर बॉडी बिल्डर, वर्कआउट करने वाले. टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, अंडे में सैल्मोनेला बैक्टीरियम होता है, जिससे आपको फूड पॉइजनिंग हो सकती है. ये कच्चा और अधपके अंडे में हो सकता है. बेहतर है कि इसे अच्छी तरह से पका कर या उबाल कर ही खाएं वरना आपको डायरिया, पेट दर्द, क्रैम्प, उल्टी, बुखार आदि हो सकता है.

मशरूम- कई बार कुछ मशरूम को कम पकाने से भी शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं. हालांकि, बटन मशरूम सेफ है, जिसे आप कच्चा खा सकते हैं, लेकिन कई वाइल्ड मशरूम में टॉक्सिन होते हैं है, जो अंगों को डैमेज कर सकते हैं. उल्टी, मतली हो सकती है. मशरूम को पका कर खाने से इसमें मौजूद टॉक्सिक केमिकल्स बेअसर हो जाते हैं.आलू- क्या आप जानते हैं कि आलू को सही से नहीं पकाया जाए तो यह भी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है? आलू में मौजूद सोलेनाइन एक जहरीला पदार्थ है, जिसके कारण उल्टी, मतली, न्यूरोलॉजिकल समस्याएं हो सकती हैं. खासकर आलू के हरे वाले भाग और स्प्राउट्स में ये जहरीला तत्व होता है, इसलिए ऐसे आलू के सेवन से बचें.बीन्स या राजमा- राजमा का सेवन लोग खूब करते हैं. इसमें लेक्टिन्स नाम का प्रोटीन होता है, जिसे कच्चा खाएं तो उल्टी, पेट में गंभीर रूप से तकलीफ बढ़ सकती है. जब आप बीन्स को अच्छी तरह से पकाते हैं तो लेक्टिन्स बेअसर हो जाता है और इस तरह से ये खाने में भी सेफ है.कद्दू- आप कद्दू की सब्जी तो खाते ही होंगे, लेकिन अगर ये कच्ची खाएं या अधपका तो जल्दी पचेगी नहीं. बेहतर है कि इसे आप सही से पका कर खाएं, इससे इसका स्वाद भी मीठा हो जाएगा और पचाना भी आसान होगा.

लौकी- कद्दू की ही तरह थोड़ा सा भी लौकी कच्चा खाया तो नुकसान होगा. इसके गूदे को थोड़ा सा भी कच्चा या अधपका खाने से पाचन संबंधित समस्याएं हो सकती हैं, ऐसे में इसे अच्छी तरह से पका कर ही खाएं.पत्तागोभी- आपने कई बार सुना होगा कि पत्तागोभी में बेहद ही हानिकारक कीड़ा होता है, जो दिमाग को भी नुकसान पहुंचाता है. सलाद में कुछ लोग इसका सेवन कच्चा ही करते हैं. बिल्कुल भी ये गलती न करें. जब आप इसे पकाकर खाते हैं तो गैस प्रोड्यूस करने वाली प्रॉपर्टीज कम हो जाती है. पत्तागोभी पर लगे कीड़ों को मारने के लिए पेस्टिसाइड भी यूज होता है. बेहतर है कि इसे आप अच्छी तरह से पका कर खाएं.बैंगन- वैसे तो बैंगन का सेवन कोई भी कच्चा नहीं करता है, लेकिन कच्चे बैंगन का स्वाद थोड़ा कड़वा होने के साथ ही इसमें सोलैनाइन (Solanine) तत्व होता है, इससे न्यूरोलॉजिकल और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संबंधित समस्याओं के लक्षण जैसे पेट में दर्द, मरोड़, डायरिया, उल्टी, मतली, सिरदर्द आदि नजर आ सकते हैं. बेहतर है कि अच्छी तरह से पका कर ही बैंगन की सब्जी, भरता आदि खाएं.

फूलगोभी- पत्तागोभी की ही तरह फूलगोभी में नुकसानदायक कीड़े होते हैं. इन्हें भी अधपका या कच्चा खाने से बचना चाहिए. कुछ छोटे बच्चे फूलगोभी कच्चा ही खा जाते हैं. ऐसा करने से उन्हें रोकें.

नये राज्यपाल के आने के बाद बिहार में राजनीतिक बदलाव की संभावना

नीतीश कुमार के बिना भाजपा चुनावी जंग जीतने की कल्पना भी नहीं कर सकती। 22 दिसंबर को नुकसान की भरपाई के उपाय के तौर पर राज्य भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आगामी बिहार चुनाव एनडीए और मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में जेडी(यू) प्रमुख नीतीश कुमार के साथ चुनाव लड़ा जायेगा।राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 25 दिसम्बर को हुई बैठक के कई जटिल निहितार्थ थे। इसका उद्देश्य विपक्ष के आख्यानों का मुकाबला करने के लिए एक तंत्र विकसित करना था, मुख्य रूप से भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह को कांग्रेस के आक्रामक रूख से बचाने के लिए, क्योंकि कांग्रेस नेता भारत के संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर संबंधी शाह के बयान पर उनपर निशाना साध रहे हैं। दूसरा महत्वपूर्ण एजंडा नीतीश कुमार जैसे नेताओं को उनकी जगह दिखाना था। इसी के मद्देनजर, भाजपा की तर्ज पर एनडीए के लिए मार्गदर्शक मंडल बनाने का मुद्दा भी सामने आया।एनडीए के अधिकांश नेताओं के लिए बैठक बुलाना अनिवार्य हो गया था। भाजपा नेताओं के उस वर्ग के लिए भी, जो भाजपा आईटी सेल और अमित शाह के करीबी लोगों द्वारा फैलाये जा रहे झूठ को मानने के लिए तैयार नहीं थे। राज्यसभा में अंबेडकर के खिलाफ उनकी टिप्पणी के बाद एनडीए के कुछ सहयोगी दलों ने अपना गुस्सा और खीझ जाहिर की थी। आरएसएस के शीर्ष नेताओं ने भी शाह की गैरजिम्मेदाराना बयानबाजी की आलोचना की थी।स्थिति को संभालने के लिए पहले कदम के तौर पर भाजपा नेतृत्व ने एनडीए की बैठक बुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही अमित शाह को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने पक्ष में करने की सलाह दी थी। एनडीए के सभी नेताओं में नीतीश कुमार सबसे आक्रामक थे, हालांकि शुरुआत में चिराग पासवान और जीतन राम मांझी भी काफी नाराज थे। पशुपति पारस के जाने के बाद एनडीए ने उन्हें पहले ही परेशान कर दिया था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कथित संवैधानिक उल्लंघन के लिए उसकी कड़ी आलोचना की। मोदी ने इंडिया ब्लॉक पार्टियों पर हमला करने से परहेज किया। उनका पूरा प्रयास संकट से बाहर निकलने का था। अमित शाह को कांग्रेस के हमले में गहरी साजिश नजर आयी। शाह ने कहा कि कांग्रेस शुरू में चुप रही, लेकिन फिर राजनीतिक बयानबाजी के लिए उनके बयानों को संपादित और गलत तरीके से पेश किया।शाह ने आगे आरोप लगाया कि इन दावों को दुर्भावनापूर्ण तरीके से बढ़ाने के लिए एक टूलकिट का इस्तेमाल किया गया था। शाह को सफेद झूठ बोलते देखना चौंकाने वाला था। फिर भी, शाह, जो कुछ समय से नीतीश के साथ सहज हैं, ने उन्हें हटाने के लिए मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य का उपयोग करने का फैसला किया। जिस दिन एनडीए कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीति बनाने के लिए बैठक कर रहा था, उसी दिन मोदी-शाह की जोड़ी ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार भेज दिया। संयोग से, आरिफ के तबादले पर नीतीश से चर्चा नहीं की गयी थी। यह रात ग्यारह बजे के बाद हुआ।स्थानांतरण का अपना महत्व है। नीतीश और आरिफ दोनों ही वीपी सिंह कैबिनेट के सदस्य थे। वे अच्छे दोस्त हैं। अमित शाह को यकीन था कि नीतीश उनके कार्यभार संभालने पर आपत्ति नहीं करेंगे। इसका मुख्य कारण नीतीश को मुसलमानों का अपमान करने का कोई मौका नहीं देना था। अंबेडकर प्रकरण के बाद नीतीश कुमार ने अपनी भावनाओं से अवगत कराया था कि उन्हें अमित शाह द्वारा दलितों की भावनाओं का अपमान करना पसंद नहीं है। वे पहले से ही मुसलमानों का अपमान करने और उन पर आरोप लगाने के लिए मोदी और शाह से नाराज थे। नीतीश कुमार ने 23 दिसंबर को मोतिहारी से शुरू की गयी अपनी प्रगति यात्रा के दौरान बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर के सामने सिर झुकाया और उनके विचारों और आदर्शों की सफलता के लिए काम करने की कसम खाई। जेडी(यू) के कुछ वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, यह मोदी-शाह को यह संदेश देने की कोशिश थी कि वह अंबेडकर पर उनकी राजनीतिक लाइन का समर्थन नहीं करते।हालांकि अमित शाह उनके रवैये से चिढ़ते हैं, लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात में उनके पास नीतीश के रुख का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि उन्हें बाहर करने के लिए एक सुनियोजित योजना पर काम किया जा रहा है। बिहार में अमित शाह अपने महाराष्ट्र या मध्य प्रदेश के फॉर्मूले को नहीं दोहरायेंगे। इसके बजाय वह दलदल वाली रणनीति अपनायेंगे। जैसे जेडी(यू) नेताओं का एक समूह उन्हें बताये बिना अपना नेता चुने और फिर उनके बाहर होने की घोषणा करे।भाजपा के कुछ नेताओं के सार्वजनिक दावे के बावजूद कि बिहार एनडीए 2025 के विधानसभा चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ेगा, राष्ट्रीय नेताओं, खासकर अमित शाह ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी उचित समय पर फैसला करेगी। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, जिन्हें अमित शाह का करीबी माना जाता है और कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, जो शाह के मित्र हैं, को छोड़कर जेडी(यू) के अधिकांश वरिष्ठ नेताओं को यह अच्छा नहीं लगा।नीतीश कुमार द्वारा कुछ दिन पहले राज्य स्तरीय %वैश्विक निवेश सम्मेलन% का बहिष्कार करने से यह आशंका और बढ़ गयी है कि वे कोई अतिवादी कदम उठा सकते हैं। नाराज नीतीश कुमार ने 20 दिसंबर को राजगीर में मगध सम्राट जरासंध की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए नालंदा जिले का अपना दौरा भी रद्द कर दिया। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा नीतीश कुमार से दुश्मनी मोल लेने की हिम्मत नहीं कर सकती। हालांकि अमित शाह की टिप्पणियों के बाद जेडी(यू) और नीतीश दोनों ही घबरा गये हैं।नीतीश कुमार के बिना भाजपा चुनावी जंग जीतने की कल्पना भी नहीं कर सकती। 22 दिसंबर को नुकसान की भरपाई के उपाय के तौर पर राज्य भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आगामी बिहार चुनाव एनडीए और मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में जेडी(यू) प्रमुख नीतीश कुमार के साथ चुनाव लड़ा जायेगा।राष्ट्रीय भाजपा नेताओं को डर है कि उनकी योजना लागू होने से पहले ही विफल हो जायेगी। नीतीश कुमार जहां 2025 के मध्य में चुनाव कराने पर विचार कर रहे हैं, वहीं भाजपा नेता अक्टूबर-नवंबर में होने वाली नियत तिथि पर अड़े हुए हैं। दरअसल नीतीश कुमार को भाजपा की योजना के बारे में पता चल गया है और वह निश्चित रूप से उन्हें माफ नहीं करना चाहेंगे। सूत्रों का कहना है कि वह भाजपा नेताओं की विश्वासघाती योजनाओं से पहले से ही वाकिफ हैं, यही वजह है कि वह चुनाव समय से पहले कराना पसंद करेंगे। लेकिन उन्हें नये राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की भूमिका पर भी संदेह है।इस बीच, सूत्रों का कहना है कि उन्होंने चुनौतियों से पार पाने के लिए बैक चैनल खोल दिये हैं। राजद के कुछ नेताओं का मानना है कि लालू यादव नीतीश कुमार को समर्थन देने को तैयार हैं, लेकिन एक शर्त के साथ- उनके बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाया जायेगा। हालांकि, कुछ विपक्षी नेता इसे बेतुका मानते हैं और वे पहले स्थिति को संभालने और भाजपा की योजना को विफल करने के पक्ष में हैं।

विवाद की शुरुआत जेडी(यू) में दूसरे नंबर के नेता माने जाने वाले संजय झा द्वारा आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को लिखे गये पत्र से हुई। एक सांसद के तौर पर झा किसी भी राजनीतिक दल के अध्यक्ष को पत्र लिख सकते हैं, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए था कि वे केजरीवाल द्वारा नीतीश कुमार को लिखे गये पत्र का जवाब दे रहे हैं। अपने जवाब में वे केजरीवाल के प्रति काफी कठोर थे। सवाल उठता है कि क्या वे व्यंग्यात्मक और तिरस्कारपूर्ण हो सकते हैं? क्या पत्र की विषय-वस्तु पर नीतीश कुमार की सहमति थी? बेशक झा की नीतीश के प्रति निष्ठा और समर्पण उन्हें दूसरों से अलग करता है।उल्लेखनीय है कि 19 दिसंबर को आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर उनसे पूर्व कानून और न्याय मंत्री बीआर अंबेडकर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित विवादास्पद बयान के प्रभाव पर विचार करने का आग्रह किया। 20 दिसंबर को झा ने उन पर हमला किया- जब नीतीश कुमार ने सीएम पद से इस्तीफा दिया, तो उन्होंने एक महादलित (जीतन राम मांझी) को मुख्यमंत्री बनाया। दिल्ली में, उन्होंने इस्तीफा देने के बाद या पंजाब में दलित मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया?एक्स सोशल मीडिया पोस्ट में झा ने लिखा, %माननीय अरविंद केजरीवाल सर, मैंने बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लिखा आपका पत्र पढ़ा। मैं आपकी असली पीड़ा समझ सकता हूं।

संपादकीय

एक युगीन राजनेता

निस्संदेह, ख्यात अर्थशास्त्री और एक कुशल प्रशासक डॉ. मनमोहन सिंह का अवसान देश-दुनिया के लिये एक दुखद क्षण है। आज के दौर में उन जैसा कुशाग्र बुद्धि का अर्थशास्त्री व सहज-सरल व्यक्ति होना दुर्लभ ही है। वे ऐसे विशिष्ट व्यक्तित्व के धनी थे कि तमाम विषम परिस्थितियों में भी अपनी सज्जनता और विनम्रता बरकरार रखते थे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग गठबंधन की पराजय के अगले दिन 17 मई को प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र के नाम अपने अंतिम संबोधन में उन्होंने चिरपरिचित विनम्रता को दोहराया कि बड़ी जिम्मेदारी निभाते हुए भी उनका जीवन एक खुली किताब रहा है। उनके इस कथन पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि उन्होंने वित्तमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सदैव राष्ट्र के लिए अपना सर्वोत्तम देने का प्रयास किया। पहले वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण की नीतियों का कुशल नेतृत्व किया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री के रूप में महती भूमिका निभायी। निस्संदेह परिस्थितियां हमेशा हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं होती, लेकिन कड़ी मेहनत से उसे हासिल किया जा सकता है। वे कहते थे 'परिश्रम मेरा उपकरण और सच्चाई मेरा प्रकाश स्तंभ रहा है।' निर्विवाद रूप से सच्चाई और पारदर्शिता सदैव उनके व्यक्तित्व की आभा रही। उनके नेतृत्व वाली सरकार की एक बड़ी उपलब्धि वर्ष 2005 में सूचना अधिकार अधिनियम का अस्तित्व में आना था। इस ऐतिहासिक कानून का मकसद देश के नागरिकों को सशक्त बनाना और सरकारी विभागों के कामकाज में आवश्यक जवाबदेही सुनिश्चित करना था। इस सार्थक पहल से तंत्र के चारों ओर बना गोपनीयता का पर्दा आखिरकार हटा दिया गया। कालांतर लोगों को अहसास हुआ कि लोकतंत्र में सिर्फ वोट डालने के अलावा भी उनके तमाम अधिकार हैं। इसके अलावा वर्ष 2005 में एक अन्य अग्रणी सुधार के रूप में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू होना भी ग्रामीण विकास की यात्रा में मील का पत्थर साबित हुआ।

निर्विवाद रूप से मनरेगा ने सामाजिक कल्याण के उपाय के रूप में ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को मजबूत करके जीवन बदलने में मदद की। जिसका सकारात्मक प्रतिसाद अगले आम चुनावों में संप्रग को मिला भी। इसके बावजूद मनमोहन सिंह अपनी सरकार की पहलों के बारे में शेखी बघारने और खुद अपनी पीठ थपथपाने में विश्वास नहीं रखते थे। उनकी प्राथमिकता खुद से पहले देश सेवा की रही है। लेकिन उनकी विफलता उन विसंगतियों को दूर न कर पाने में रही, जिसके चलते कालांतर यूपीए सरकार का पतन हुआ। यही वह चूक थी जिसके चलते भाजपा संप्रग सरकार के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मुद्दे को भुनाकर कांग्रेस से सत्ता छीनने में सफल रही। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत-अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु समझौते को अमलीजामा पहनाया जा सका।

जिसने कालांतर दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग के लिये गेमचेंजर की भूमिका निभायी। इसके बाद ही दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयां मिल सकी। निश्चय ही वर्ष 2008 के आतंकी हमले से भारत के मर्म पर चोट लगी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई से बचने का फैसला किया।

इस व्यावहारिक निर्णय ने दोनों पड़ोसियों को एक और युद्ध में फंसने से रोक दिया था। हालांकि, वे आमतौर पर मृदुभाषी और आत्मकेंद्रित व्यक्ति थे, लेकिन जब स्थितियां अस्वीकार्य हो जाती थी तो वे अपने मन की बात कहने से नहीं चूकते थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से पहले जारी एक पत्र में उन्होंने चुनावी समर में वोटों के लिये विभाजनकारी भाषणों को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर कड़ी अलोचना की थी। साथ ही राजग के शीर्ष नेतृत्व को सार्वजनिक संवाद की गरिमा बनाये रखने को कहा। बहरहाल, उनके योगदान को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का हमेशा सम्मान किया जाएगा। निस्संदेह, देश के सत्ताधीश मनमोहन सिंह की विरासत से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

भीमाशंकर में पर्यावरण बचाने की पहल

इस पूरी पहल से आदिवासियों को वन अधिकार कानून के तहत् सामुदायिक वन अधिकार मिला है। पर्यावरण की रक्षा के साथ उनकी आजीविका की रक्षा भी हो रही है। जंगल में हरियाली बढ़ी है और जंगली जानवरों की रक्षा हो रही है। हरियाली बढ़ने के कारण पक्षियों की संख्या भी बढ़ी है। सूख चुके पानी के स्रोत भी सदानीरा हो गए हैं। मिट्टी पानी का संरक्षण हो रहा है। जैव विविधता और पर्यावरण का संरक्षण व संवर्धन हो रहा है।आदिवासियों का जीवन जंगल से जुड़ा हुआ है। वे प्रकृति पर निर्भर हैं, और उसे करीब से जानते हैं। महाराष्ट्र के ऐसे ही आदिवासियों समुदाय के साथ मुझे दो दिन गुजारने का मौका मिला। इस यात्रा से उनकी जीवनशैली, भोजन की विविधता और एकता को जाना समझा। आज ऐसे ही अनूठे समुदाय की यात्रा पर यह स्तंभ है, हम जान सकें कि किन कठिन परिस्थितियों में वहां के लोग रहते हैं, और जंगल, जैव विविधता व पर्यावरण को भी बचाते हैं।कुछ समय पूर्व मुझे इन गांवों में जाने का मौका मिला। यहां मुझे कल्पवृक्ष के कार्यकर्ता सुभाष डोलस ले गए थे। उनके गांव येळवळी में ही दो दिन रूका। यह गांव पुणे जिले की खेड़ तहसील में स्थित है। जंगल और पहाड़ से घिरा हुआ है। यह बहुत छोटा गांव है, जहां 23 घर हैं और कुल आबादी 123 है। यहां के बाशिन्दे महादेव कोली आदिवासी हैं। इस गांव से 4 किलोमीटर दूर ही 12 ज्योर्तिलिंगो में से एक भीमाशंकर मदिर है। यहां साल भर धार्मिक श्रद्धालु आते रहते हैं।

यह गांव पश्चिमी घाट स्थित सह्याद्री पर्वतमाला में बसा है। यहां तक पहुंचने का रास्ता अत्यंत दुर्गम है। ऊंची पहाड़ी है, जिसे चढ़ना पड़ता है। यहां धान की खेती प्रमुख है। भीमा नदी भी है, छोटे-छोटे तालाब भी हैं, जिससे कुछ गांव के लोग सिंचाई करते हैं। यहां के लोगों का जीवन मुख्य रूप से जंगल पर निर्भर है। वे जंगल से कई तरह के कंद-मूल, हरी पत्तीदार सब्जियां, फल-फूल, शहद लाते हैं। यहां के अधिकांश लोगों की आजीविका जड़ी-बूटी बेचकर चलती है। इसके अलावा, पशुपालन व मजदूरी भी करते हैं।इस इलाके में बदलाव की शुरूआत पर्यावरण के क्षेत्र में कार्यरत कल्पवृक्ष संस्था व ग्रामीणों ने मिलकर की। वर्ष 2008 से गांव-समाज पर्यावरण की रक्षा के साथ आजीविका की रक्षा कैसे कर सकते हैं, इस पर बैठकों का दौर हुआ। इन बैठकों में अधिकांश वन अधिकार कानून,2006 को लेकर हुई थीं। शुरूआत में बहुत कम लोग बैठकों में आते थे, लेकिन धीरे-धीरे उनका जुड़ाव होने लगा। येळवळी गांव में एक संगठन भी बन गया। इस संगठन का नाम है ग्राम पारिस्थितिकी विकास समिति।

कल्पवृक्ष के कार्यकर्ता सुभाष डोलस और प्रदीप चव्हाण ने बताया कि इस पूरी पहल को आगे बढ़ाने के लिए गांव में लोकतांत्रिक तरीके से बैठकें होती हैं। बैठक होने से दो-तीन दिन पहले स्थान व तारीख की जानकारी दी जाती है। बैठक में जितने भी लोग आते हैं, लगभग सभी को उनकी बात रखने का मौका दिया जाता है। विशेष तौर पर, महिलाओं को भी उनकी बात रखने का मौका दिया जाता है। बैठकों में गांव के सभी मुद्दों पर चर्चा होती है। जैसे बिजली, पानी, सड़क, पर्यावरण की रक्षा के साथ पर्यटन से आजीविका इत्यादि।येळवळी गांव के कल्पवृक्ष कार्यकर्ता सुभाष डोलस बताते हैं कि %हमने तय किया कि हम जंगल का संरक्षण, व्यवस्थापन और पुनर्निर्माण करेंगे। इसके लिए वन अधिकार कानून के तहत् सामुदायिक हक लेंगे और जंगल के साथ आजीविका की रक्षा भी करेंगे। यह भी तय किया गया कि गांव के आसपास के जंगल में निगरानी की जाएगी और बाहरी लोगों को जंगल से लकड़ी लेने या किसी भी तरह से जंगली जानवरों को नुकसान पहुंचाने से बचाएंगे

उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत दो गांव खरपूड और भोमाळे गांव को वर्ष 2020 को सामुदायिक वन संसाधन और जंगल संरक्षण का अधिकार मिल गया है। खरपूड में 938 हेक्टेयर 73 आर का और भोपाळे में 462 हेक्टे. 15 आर का जंगल का अधिकार मिला है। अब इन दोनों गांवों में सामुदायिक वन संसाधन और जंगल संरक्षण व व्यवस्थापन का माइक्रो प्लान बनाया जा रहा है। इसके तहत कई शासकीय योजनाओं से जोड़कर पर्यावरण के साथ कई रोजगारमूलक कामों की योजना बनाई जा रही है। महाराष्ट्र आदिवासी विकास विभाग भी इस प्रक्रिया से जुड़ा है। मनरेगा को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा गया है जिससे लोग उनके खेतों में मेड़बंदी, समतलीकरण और वृक्षारोपण कर रहे हैं।गांव के प्रकाश मारूति डोलस बतलाते हैं, %पहले हम नाचणी, सांवा, वरई, कांगू, बगर,कोलबा, हुलगे, तिल, उड़द की खेती करते थे। पहाड़ों के खेतों में हल नहीं चलता था, तो लकड़ी या लोहे से मिट्टी खोदकर हाथ से बीज बोते थे। अब तो हल भी चलाकर बोने लगे।% पहले का खान-पान शुद्ध था, तो वे 100 किलोग्राम गेहूं की बोरी कर पहाड़ी चढ़कर गांव ले आते थे। उनकी मजबूत कद-काठी थी।देसी बीजों के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से वर्ष 2016 में बीज महोत्सव का आयोजन भी किया गया था। इस कार्यक्रम में 6 गांव के लोग उनके पारंपरिक देसी धान के बीज भी लगाए थे। देसी बीजों की प्रदर्शनी भी लगाई थी। कार्यक्रम में पारंपरिक अनाजों की जानकारी व महत्व पर बातचीत की गई। सह्याद्री स्कूल की प्राचार्या दीपा मोरे उनके स्कूली बच्चों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुई थीं और बच्चों ने भी देसी बीजों के बारे में जाना था। यहां खेती को जंगली जानवरों से नुकसान होता है। विशेषकर, सुअर और बंदर फसल चर जाते हैं।

उन्होंने बताया कि जंगल ही उनका भूख का साथी है। जंगल से कंद-मूल जैसे अनीव, सांवा, हडूदा, तांबोली मिलते थे। फलों में करौंदा, जामुन, तोरोनो, अंबोड़ी, सिंद, बेर, चार, खोखली, जायफल, जैकफुट (कटहल), आम, आंवला इत्यादि। हरी पत्तीदार सब्जियों में कुरडू, गोमेटी, कटुली, चांवा, गोटिल भाजी, पटडी तोड़े, गोडू, तांदूडजा, मांसूरडा, कांठेमठ, चीलू इत्यादि। यहां की रानकेली (जंगली केला) भी प्रसिद्ध है।

इसके अलावा, कई तरह की जड़ी-बूटियां भी मिलती हैं जैसे अमरकंद,बेडकापाला, बिउला, कुडा, उदाडा, हिरडा, बहेडा, आंवला, बागदौड़ा, ऐला करंज इत्यादि। शिकाकाई से साबुन बनती है और यहां की शहद भी अच्छी मानी जाती है।सुभाष डोलस बताते हैं कि वर्ष 2017 में भोरगिरी व येळवळी गांव में शहद त्यौहार (हनीबी फेस्टिवल) का आयोजन किया गया था। इस मौके पर बच्चों ने चित्र बनाए, कहानियां पढ़ी और मजे किए। यहां के स्वयं सहायता समूह जय सदगुरू महिला बचत गट और कल्पवृक्ष दोनों साथ मिलकर जंगल आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने का काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में वन अधिकार कानून के तहत दावा फार्म भरे जा रहे हैं और पर्यावरण आधारित पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भोरगिरी गांव में वर्ष 2022 में रानभाजी महोत्सव का आयोजन किया गया था। इस महोत्सव में अनेक प्रकार की जंगली सब्जियों और जंगली खाद्यों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। जिसमें कुई, उंबर चावा, चिचूर्डी, तोड्या, कारवी, घोमेती, हालुंदा इत्यादि थी। जंगली भोजन का लोगों ने लुत्फ भी उठाया।इस गांव में दो नेचर गाईड भी हैं, जिनमें एक सुभाष डोलस हैं। उन्होंने पक्षियों की 150 से अधिक प्रजातियों का दस्तावेजीकरण (फोटो के साथ विवरण) किया है। इनमें तिबेटी, खंडया, शामा, निलगिरी पिजान, हरियाल, मोर इत्यादि हैं। इसके अलावा, पेड़-पौधे, जंगली जानवर के बारे में भी जानकारी है। गांव में एक वन संरक्षण समिति का गठन भी किया गया है। इस समिति को 11 लाख रूपए की सहायता भी मिली, जिसके तहत इको टूरिज्म(पर्यावरण आधारित पर्यटन) की शुरूआत हो चुकी है।

पर्यटन के लिए कुछ नियम भी बनाए गए हैं जैसे गांव की जानकारी के बिना कोई भी पर्यटक को नहीं रखेंगे। पर्यटकों की संख्या 30 से 40 के अंदर होनी चाहिए। पर्यटक को आने के 3 दिन पहले सूचना देनी होगी। सभी को रोजी मिले, इसके लिए बारी-बारी से पर्यटकों को ठहराने की व्यवस्था की जाएगी। पर्यटन से आनेवाली राशि को बैंक में जमा किया जाएगा।इस तरह पर्यावरण संरक्षण के साथ आजीविका की रक्षा के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यहां जो भी पर्यटक आते हैं, उन्हें जंगल में कचरा, प्लास्टिक, बोतल इत्यादि फैलाने से रोकने के लिए कहा जाता है। जंगल में जंगली जानवरों को किसी भी तरह की परेशानी या नुकसान न हो, यह ख्याल रखा जाता है।कुल मिलाकर, इस पूरी पहल से आदिवासियों को वन अधिकार कानून के तहत् सामुदायिक वन अधिकार मिला है। पर्यावरण की रक्षा के साथ उनकी आजीविका की रक्षा भी हो रही है। जंगल में हरियाली बढ़ी है और जंगली जानवरों की रक्षा हो रही है। हरियाली बढ़ने के कारण पक्षियों की संख्या भी बढ़ी है। सूख चुके पानी के स्रोत भी सदानीरा हो गए हैं। मिट्टी पानी का संरक्षण हो रहा है। जैव विविधता और पर्यावरण का संरक्षण व संवर्धन हो रहा है। जंगल पोषण का भंडार है, लोगों की खाद्य सुरक्षा भी हो रही है। पर्यावरण के प्रति लोगों की जागरूकता भी बढ़ी है और वे उसे बचाने के साथ उनकी आजीविका का संरक्षण भी कर रहे हैं। क्या हम ऐसे आदिवासी समुदायों से कुछ सीखना चाहेंगे?

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्र में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसा से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लं समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिक निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

दुल्हन बनने से पूर्व

शादी से एक महीना पूर्व अपनी खूबसूरती में निखार लाने हेतु ब्यूटी पार्लर या स्पाक्लिनिक से एपाइंटमेंट ले लें। ध्यान रखें, ऐसे समय में नया पार्लर हरगिज न चुनें। उसी पार्लर का चयन करें, जहाँ आप पहले नियमित रूप से जाती हों।

अपने शरीर को तनावमुक्त बनाए रखने तथा आभा को निखारने हेतु शादी से तिन महीने पूर्व योग और मेडिटेशन कक्षा की सदस्या बनें। इससे आप शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहेंगी और शादी के दिन का सामना करने योग्य हो जाएंगी।

अगर आप पहले से चेहरे की सफाई नहीं करतीं, माइश्चराइजर नहीं लगातीं तो अपने चेहरे व हाथों पर माइश्चराइजर लगाना शुरू करें। इसे कम-से-कम तीन महीने पूर्व शुरू कर लें। शादी के दिन के लिए मुलायम, चिकनी व चमकदार त्वचा का होना जरूरी होता है।

मुलायम, चमकदार व नमीयुक्त त्वचा के लिए सप्ताह में एक बार चेहरे पर स्क्रब का प्रयोग करें। ताजे पानी से चेहरा धो लें और फिर अच्छी किस्म का माइश्चराइजर लगाएं। आप गुलाब या चंदन का तेल भी लगा सकती है।

शादी से पूर्व किसी अच्छे सैलून के परामर्श के अनुसार सप्ताह में एक बार फेशियल करें। ध्यान रखें कि शादी के कुछ दिन पूर्व अपने चेहरे पर नए प्रसाधनों का इस्तेमाल कभी न करें। नया प्रसाधन आपके चेहरे पर दुष्प्रभाव डाल सकता है, इसलिए किसी अच्छे सैलून से परामर्श लेकर ही चेहरे पर फेशियल करें।

अपने पैरों की सफाई पर भी संपूर्ण ध्यान दें, कुछ युवतियाँ हमें अक्सर नजरअंदाज कर देती है, लेकिन जरा सोचिए, आपके खुरदुरे न सख्त पैर जीवनसाथी के शरीर को छुएंगे तो उसे कितना बुरा लगेगा, इसलिए पैरों की सफाई को नजरअंदाज न करें। नियमित रूप से मेनीक्योर व पेडीक्योर करें। अगर घर पर यह सब संभव न हो तो ब्यूटी पार्लर जाएं।

अपने पैरों को गुनगुने पानी में डुबोएं। उन्हें सुखाएं और पैरों के तलों पर चमेली के तेल का मसाज करें। शादी के दो सप्ताह पूर्व इसे हर दूसरे दिन प्रयोग करें। यह आपकी घबराहट को दूर कतरने मेंभी सहायक होगा।

इन दिनों आपके लिए एरोमाथेरेपी और स्वीडिश मसाज भी जरूरी है। एरोमाथेरेपी मसाज से आपके शरीर पर कांति आएगी। साथ ही यह शरीर में विषैले पदार्थों को बाहर निकालकर शरीर को आराम पहुँचाता है। दूसरी तरफ यह आँखों के नीचे के काले घेरों को कम करती है। स्वीडिश मसाज मांसपेशियों को पुष्ट बनाता है तथा त्वचा को मुलायम बनाता है।

इस खास दिन पर सुगंधित पदार्थों का प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि ये हल्की-भीनी सुगंध देते हों। अधिक तेज गंधयुक्त पदार्थ इस्तेमाल में न लाएं। इसकी खुशबू आपके जीवनसाथी के दिलोदिमाग में अजीब सा चकराने वाला अहसास पैदा करेगी। दिन के वक्त फलयुक्त हल्के सुगंधित पदार्थों का प्रयोग करें। हाँ, रात के समय आप गुलाब या चंदन की कामोत्तेजक सुगंधों को प्रयोग में ले सकते हैं।

सर्दियों में त्वचा की सुरक्षा

सर्दियों का मौसम अर्थात शुष्क त्वचा। वैसे तो हर मौसम का हमारी कोमल त्वचा पर गहरा प्रभाव पड़ता है पर ठंड का हमारी त्वचा पर कुछ विशेष प्रभाव पड़ता है। त्वचा सूख कर फटने लगती है व खुजली होने लगती है। धूप में बैठना जहां अच्छा लगता है, वहीं धूप से त्वचा झुलस कर सांवली पड़ जाती है।

इस बार की सर्दियों में त्वचा की इन परेशानियों को अलविदा कह दीजिए। मात्र चंद सावधानियों व उपाय अपनाकर आप भी पाएं कमनीय, कोमल और स्निग्ध त्वचा।

■ एक बड़ा चम्मच जौ के आटे में चुटकी भर हल्दी एवं थोड़ा सा तिल का तेल मिलाकर उबटन बनाएं। इसे त्वचा पर 10 मिनट तक लगा रहने दें। तत्पश्चात गुनगुने पानी से धो लें। सूखी त्वचा कोमल बन जाएगी।

■ संतरे की फांको को 2 बड़े चम्मच पानी में उबाल कर ठंडा करके छान लें और इसे अपनी त्वचा पर 10 मिनट तक लगा रहने दें। तत्पश्चात गुनगुने पानी से स्नान कर लें।

■ चीकू के गूदे को 20 मिनट तक त्वचा पर मलें फिर गुनगुने पानी से धो लें। त्वचा अनोखी आभा से खिल उठेगी।

■ नींबू का रस, ग्लिसरीन तथा गुलाब जल को बराबर मात्रा में मिलाकर शरीर के खुले भागों में लगाएं। इससे त्वचा चमक उठेगी और त्वचा का फटना भी रूक जाएगा।

■ सर्दियों में हमेशा गुनगुने पानी का प्रयोग करें क्योंकि ठंडा पानी त्वचा तक आक्सीजन पहुंचाने में बाधा उत्पन्न करता है।

■ त्वचा की खुश्की को दूर करने के लिए गुलाब जल में जैतून के तेल की कुछ बूंदें और थोड़ा-सा कच्चा दूध मिला लें। इसे हल्के हाथों से त्वचा पर मलें। 10 मिनट बाद गुनगुने पानी से स्नान कर लें।

■ गाजर तथा टमाटर का रस निकालकर चेहरे पर लगाएं। सूख जाने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

त्वचा की करें कुदरती देखभाल

आज हर स्त्री सुंदर दिखने की चाहत रखती है और उसके लिए हर संभव प्रयास भी करती है। इसके लिए वह प्राय: बाजार में उपलब्ध सौंदर्य प्रसाधनों का ही इस्तेमाल करती है। पहले इनकी तुलना में घरेलू सौंदर्य प्रसाधन काफी प्रचलित थे। आज भी कुछ लोगों में वे नुसखे काफी प्रचलित हैं और कारगर साबित होते हैं। उनका कोई विपरीत प्रभाव नहीं होता और वे हर प्रकार की त्वचा के लिए उपयोगी होते हैं। पुराने जमाने में कोई पार्लर या ब्यूटी सैलून नहीं हुआ करते थे। प्राकृतिक वस्तुएं तथा घर की रसोई की खाद्य सामग्री से ही कुछ चीजें सौंदर्य उपचार के काम में इस्तेमाल होती थीं। दरअसल त्वचा तथा बालों की स्वास्थ्य सुरक्षा एवं सौंदर्य वृद्धि के लिए हमारी रसोई में अनंत भंडार भरा पडा होता है। बस जरूरत होती है उनकी सही जानकारी की और उनके इस्तेमाल के सही तरीकों की। इस विषय की अज्ञानता के कारण ही हम बहुत सी अनमोल चीजें घर में छोडकर ब्यूटी पार्लर जाते हैं। यहां आपको बताए जा रहे हैं कुछ ऐसे साधारण से नुसखे हैं जो बेहद उपयोगी हैं आपके लिए और उनके लिए बहुत सी चीजें आपको अपनी रसोई में ही मिल सकती हैं।

ताकि दाग-धब्बे रहें दूर

त्वचा हमेशा स्वस्थ रहे, दाग-धब्बों से मुक्त रहे, बालों में चमक बनी रहे व वे घने व काले बने रहें, इसके लिए हमें थोडी सी मेहनत अवश्य कर लेनी चाहिए। आप क्या करें आइए जानें-

1. चेहरे की सफाई के लिए दूध का इस्तेमाल अच्छा होता है। यदि त्वचा रूखी है तो कच्चे दूध में रुई का फाहा भिगोकर धीरे-धीरे त्वचा की सफाई करें। यह प्रक्रिया दिन में दो-तीन बार दोहराएं। यदि त्वचा तैलीय है तो क्रीम निकले दूध में आठ-दस बूंद नीबू का रस मिलाएं। उसमें रुई का फाहा भिगोकर त्वचा साफ करें, फिर पानी से धो लें।

2. रूखी त्वचा के लिए एक केला मसल कर उसमें शहद मिला लें और उसे चेहरे पर हलके हाथों से धीरे-धीरे ऊपर की ओर मलें। गर्दन पर भी मालिश करना न भूलें। आधे घंटे बाद धो लें। केले में आवश्यक तत्व होते हैं, साथ ही केला पीलिंग एजेंट होता है, जो त्वचा में कसाव लाता है तथा झुर्रियां दूर करता है।

3. तैलीय त्वचा के लिए संतरे, खीरा, अंगूर व टमाटर का रस मिलाकर चेहरे पर लगाएं और आधे घंटे बाद चेहरे को धो लें। इन सब फलों में विटमिन सी व एस्ट्रिजेंट प्रभाव होने के कारण ये तैलीय त्वचा के लिए उपयुक्त होते हैं।

4. बराबर मात्रा में मिला हुआ संतरे का रस व शहद चेहरे वे हाथों पर लगाने से त्वचा मुलायम रहती है।

5. यदि कोहनियां काली हैं तो नीबू के छिलकों पर थोडी सी शक्कर डालकर कोहनियों पर मलें। इसके उनका कालापन तो दूर होगा ही, वहां की त्वचा मुलायम भी बनेगी।

6. नीबू का छिलका नाखूनों पर भी रगडें। नाखून साफ व मजबूत बनेंगे। नीबू में विटमिन सी प्रचुर मात्रा में रहता है। साथ ही नीबू एक बेहतरीन क्लींजिंग एजेंट का काम करता है।

7. हाथों को कोमल व मुलायम बनाए रखने के लिए दो चम्मच बादाम रोगन, डेढ चम्मच गुलाबजल, आधा चम्मच टिंचर बैंजामिन व एक अंडे की पीली जर्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। फिर उसे हाथों पर मलें। हाथ मुलायम व सुंदर बन जाएंगे।

8. खीरे का रस, नीबू का रस, आलू का रस, आधा चम्मच ग्लिसरीन व थोडा गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर लगाने से पिग्मेंटेशन की समस्या धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। चेहरे पर उभर आए दाग-धब्बों के लिए आलू के रस में नीबू की कुछ बूंदें मिलाकर नियमित लगाने से धब्बे हलके पड जाते हैं।

मसाला इडली

सामग्री : 4 इडली, खट्टी-मीठी चटनी, पुदीना चटनी, 1-1 टीस्पून चाट मसाला, गरम मसाला, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार।

विधि : इडली को काट लें। एक फ्राइंगपैन में तेल गरम करें। इडली को सुनहरा होने तक तलें, इसमें नमक, चाट मसाला और गरम मसाला मिलाएं। सर्व करने के पहले डालें और हरी धनिया से सजाकर नारियल चटनी, सांबर और सेजवान सॉस के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्चता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

काकुरो पहेली - 1942

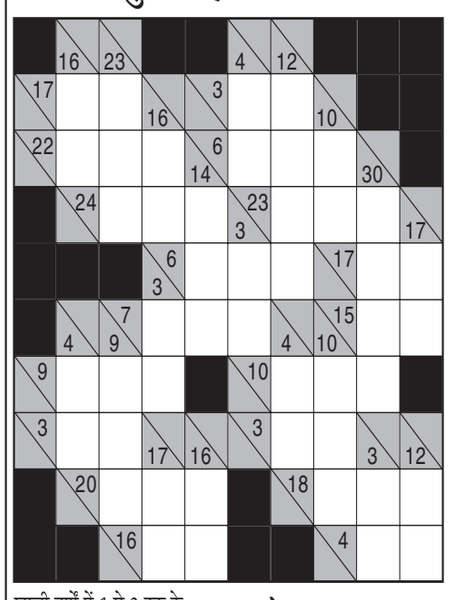

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

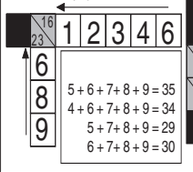

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1941 का हल

			3	6		17	7	
	6	4 20	1	3	11	9	2	12 8
10	4	3	2	1	29 4	8	5	9 7
11	2	9	3 9	2	1	11	3 7	2 1
	9	8	1	10 8	3	2	4	1
		3 23	2	1	10 9	9	1	21
	30 16	9	6	7	8	11 7	2	9 11
15	7	8	15	5 17	1	4	17 4	8 9
30	9	6	7	8	10	1	3	4 2
		17	8	9	3	2	1	

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1942

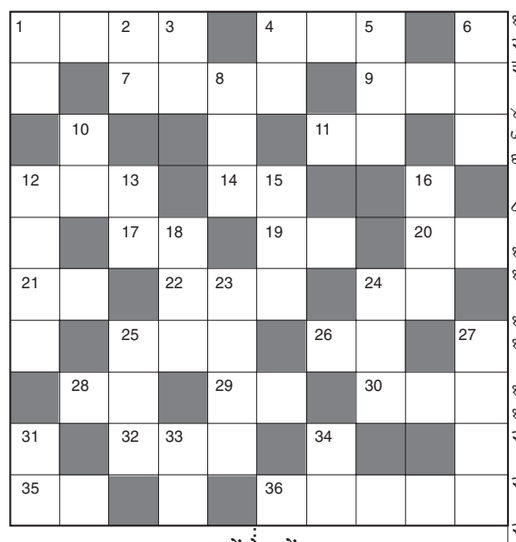

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1941

बे	व	फा		ब		प्रे	म	रे	ग
खु		य	ल	गा	र		हा		ब
दी	वा	र		व		आ	न	बा	न
	दा		श	त	रं	ज		जी	
स		श	क्ति		ग		जं	ग	ली
हे	मा		मा	या		सा	ग	र	
ली		शा	न		का	ज	ल		स
	स	र		जु	नू	न		फू	ल
शा	न	दा	र		न		शू		मा
	म		वि	द्या		ब	ल	वा	न

सूडोकु -1942

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1941 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 1942

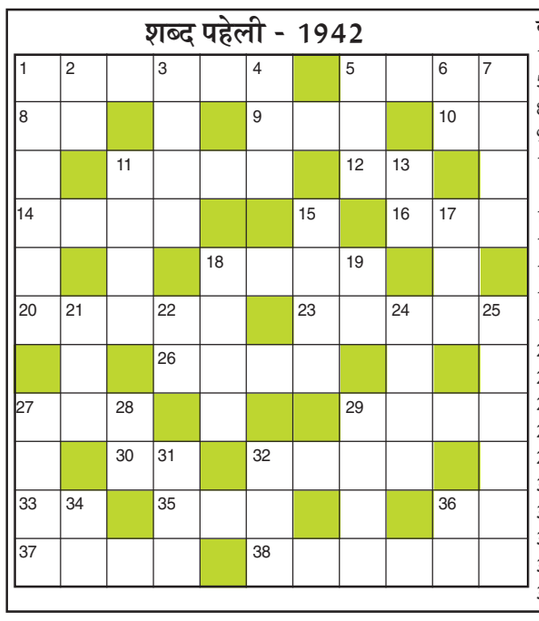

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली - 1941 का हल

आ	द	त	न		ल		वा	य	लि	न
	ल		रा		प	व	न		ख	फा
ए			ध	व	ल		र			स
ह	र	द	म		पा	ल		फ	क	त
सा		म		दा	ना		सा		मा	
न	वी	न	त	म		अ	ज	वा	ई	न
	र		वा		स	दा		रि		वी
प	ता	का		ह	क		अ	स	मा	न
र			जी		प	र	दा			ता
वा	त		न	ल	का		व		द	
ज	रु	र	त		ना		त	ल	वा	र

एनसीपी ने दिल्ली विधानसभा के लिए 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-अजीत पवार गुट) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 के लिए 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव ने यह जानकारी देते हुए कहा कि संसदीय बोर्ड की मंजूरी के बाद दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए 11 उम्मीदवारों की घोषणा की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का मानना है कि चुनाव में हमारे उम्मीदवार सर्वोत्तम मूल्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे और दिल्ली के विकास और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। पार्टी ने बुराड़ी विधानसभा से रतन त्यागी, बादली से मुलायम सिंह, मंगोल पुरी से खेम चंद, चांदनी चौक से खालिद उर रहमान, बल्ली मारन से मोहम्मद हारुन, छतरपुर से नरेंद्र तंवर, संगम विहार से कमर अहमद, ओखला से इमरान सैफी, लक्ष्मी नगर से नमहा, सीमा पुरी से राजेश लोहिया और गोकल पुरी से जगदीश भगत को टिकट दिया है। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में होने हैं। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा) ने सभी 70 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं जबकि कांग्रेस ने अब तक 47 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं।

विजयपाल बने आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के अध्यक्ष

चंड़ीगढ़। आम आदमी पार्टी ने पार्टी की चंडीगढ़ की नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए चंडीगढ़ पुलिस के पूर्व डीएसपी विजयपाल को पार्टी की चंडीगढ़ इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसके अतिरिक्त पार्टी पार्षद रामचन्द्र यादव को यूथ विंग और पार्षद प्रेमलता को महिला विंग का अध्यक्ष बनाया गया है बता दें कि पार्टी ने लगभग दो वर्ष बाद पार्टी की नई कार्यकारिणी की घोषणा की है। जिसमें पांच उपाद्यक्ष, एक महासचिव और पांच सचिव शामिल हैं। विजयपाल ने कहा कि पार्टी शहर में जनता से जुड़े मुद्दों को परात्मिक्ता देगी चंडीगढ़ में एक मजबूत विकल्प साबित होगी। उधर जैसे ही देर रात्रि पार्टी की नई कार्यकारिणी की घोषणा हुई उसके तुंत बाद ही कार्यकारिणी में शामिल के सदस्यों ने फेसबुक के जरिये अपने पद से सतीफे दिए जाने की भी घोषणा कर दी। इनमें जसबीर सिंह लाडी, वरिंदर सिंह वीर और सुनील कुमार टांक शामिल हैं।

यूपी के हमीरपुर में दो ट्रकों की जोरदार भिड़ंत, टक्कर के बाद लगी भीषण आग

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में एक बड़ा हादसा हुआ। यहां पेट्रोल पंप पर दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हुई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ट्रकों में भीषण आग लग गई। मामला सुमेरपुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 34 पर स्थित पेट्रोल पंप का है। बताया जा रहा है कि सुमेरपुर मंडी के पास दो ट्रकों में जोरदार टक्कर हुई। इस दौरान दोनों ट्रकों में अचानक आग लग गई। दोनों ट्रकों के चालक व परिचालक ट्रक के अंदर फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। इस बीच, घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को दे दी गई है। सर्किल ऑफिसर राजेश कमल ने कहा, सुमेरपुर मंडी के निकट दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद उसमें आग लग गई। दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं और आग पर काबू पा लिया गया है। एक ट्रक चालक के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है, इसके लिए बचाव अभियान जारी है।फिलहाल इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है।

चार बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, व्यापारी के घर में घुसकर की थी लूट

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-20 पुलिस और सीआरटी टीम गौतमबुद्धनगर की लुटेरे बदमाशों के साथ मुठभेड़ में चार बदमाश घायल हुए हैं। उनके कब्जे से लूट की घटनाओं में इस्तेमाल ई- रिक्शा, स्कूटी और चोरी की मोटर साइकिल बिना नम्बर प्लेट की, 4 अवैध तमंचे .315 बोर, 5 जिन्दा कारतूस .315 बोर, 6 खोखा कारतूस समेत लूट के 2 लाख 5 हजार रुपये नकद व अन्य सामान बरामद हुआ है। इन बदमाशों ने कुछ दिन पहले ही देर रात सेक्टर 30 में एक व्यापारी के घर में घुसकर लूटपाट की थी और उसके बच्चों समेत उसे किडनैप किया था। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि 29 दिसंबर को थाना सेक्टर-20 नोएडा पुलिस एवं सीआरटी टीम गौतमबुद्धनगर को सूचना प्राप्त हुई कि बी 11 सेक्टर 30 में वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश मोटर साइकिल और स्कूटी पर सवार होकर डीएनडी की तरफ से सेक्टर-18 नोएडा की ओर आने वाले हैं। इस सूचना पर पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करते हुए डीएलएफ तिराहे पर पहुंच कर चैकिंग शुरू कर दी। तभी सामने से आते हुए मोटर साइकिल व स्कूटी सवार बदमाश पुलिस को चेकिंग करते हुए देख डीएलएफ नाले की तरफ अंधेरे की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया तो अपने आपको घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जिसमें जवाबी करवाई करते हुए पुलिस की गोली से चारों बदमाश घायल हो गए हैं। घायल बदमाशों की पहचान अनस, शाहनवाज, समीर और एजाज आलम के रूप में हुई है।

राममंदिर ट्रस्ट के सदस्य पूर्व आईपीएस आचार्य किशोर कुणाल का निधन, बेटे ने की पुष्टि

एजेंसी

पटना। राममंदिर ट्रस्ट के सदस्य रहे पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (भापुसे) के पूर्व अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। किशोर कुणाल के निधन की पुष्टि उनके बेटे ने की है।

किशोर कुणाल को आज सुबह कार्डियक अरेस्ट हुआ और उन्हें तुरंत महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के संस्थापकों में से एक थे। सेवानिवृति के बाद आचार्य किशोर कुणाल सामाजिक कार्यों से जुड़ गए और फिलहाल वे बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष और पटना के चर्चित महावीर मन्दिर न्यास के सचिव थे। महावीर मंदिर न्यास बोर्ड पटना में कई स्कूल और कैंसर

अस्पताल का संचालन करता है। किशोर कुणाल राजधानी पटना में ज्ञान निकेतन जैसे चर्चित स्कूल के संस्थापक भी हैं। जब देश में वीपी सिंह की सरकार थी तो उस वक्त आचार्य किशोर कुणाल केंद्र सरकार, विश्व हिंदू परिषद् और बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के बीच मध्यस्थता के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किए गए थे। किशोर कुणाल का जन्म 10 अगस्त 1950 को हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा मुजफ्फरपुर जिले के बरुराज गांव से की। उन्होंने पटना यूनिवर्सिटी से इतिहास और संस्कृत में ग्रेजुएशन किया। वे 1972 में गुजरात कैडर से भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी बने और पुलिस अधीक्षक पद पर तैनात हुए। वहां से वे 1978 में अहमदाबाद के पुलिस उपायुक्त बने। वह संस्कृत अध्येता भी थे। किशोर कुणाल को 1983 में प्रोमोशन मिला और वे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पद पर पटना में तैनात हुए। कुणाल ने 1990 से 1994 तक गृह मंत्रालय में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी के पद पर काम किया। एक आईपीएस अधिकारी के रूप में कुणाल पहले से ही धार्मिक कार्यों में शामिल थे। इसके बाद साल 2000 में पुलिस से रिटायर होने के बाद उन्होंने केएसडी संस्कृत यूनिवर्सिटी दरभंगा के कुलपति का पद संभाला। 2004 तक वे इस पद पर रहे और बाद में वे बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) के प्रशासक बने और प्रचलित जातिवादी धार्मिक प्रथाओं में सुधार की शुरुआत की।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आईएएस संजीव हंस के करीबी इंजीनियर के तीन ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी

पटना/गया। भारतीय प्रशासनिक सेवा (भाप्रसे) के अधिकारी संजीव हंस के करीबी इंजीनियर के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आज छापेमारी की। ईडी ने पटना और गया में तीन जगहों पर पुल निर्माण विभाग के इंजीनियर सुनील कुमार के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई आईएएस संजीव हंस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई है। ईडी की टीम ने गया के तथागत होटल में तलाशी के ली है, जो सुनील कुमार या उनके किसी रिश्तेदार का बताया जा रहा है।

पिछले दिनों ईडी ने आईएएस संजीव हंस के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पटना के स्पेशल कोर्ट में दो हजार पेज की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी। इसमें हंस और पूर्व राजद विधायक गुलाब यादव समेत अन्य लोगों को भी आरोपित बनाया गया था। जांच एजेंसी ने हंस पर बिहार सरकार और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में विभिन्न पदों पर रहते हुए भ्रष्टाचार के जरिए अकूत संपत्ति बनाने का आरोप लगाया। हंस की पत्नी और उनके कई रिश्तेदारों के खिलाफ भी सबूत सामने आए हैं, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है। इससे पहले की छापेमारी में ईडी ने संजीव हंस और पूर्व राजद विधायक गुलाब यादव से जुड़ी संपत्तियों से 90 लाख रुपये नकदी और 13 किलो चांदी की छड़ें जब्त की थीं। इसके अलावा तलाशी के दौरान बेनामी संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य बरामद किए गए, जिससे हंस और उनके सहयोगियों के खिलाफ बढ़ते आरोपों में इजाफा हुआ।

ईडी ने बीते बुधवार को दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में हंस और यादव से जुड़े चार ठिकानों की तलाशी ली थी।

महाकुंभ नगर में संन्यासी अखाड़ों के बाद वैष्णव अखाड़ों की धर्म ध्वजा भी हुई स्थापित

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ नगर का अखाड़ा सेक्टर अखाड़ों के विविध धार्मिक आयोजन से भक्ति और अध्यात्म के रंग में सराबोर है। संन्यासी अखाड़ों की धर्म ध्वजा स्थापना के बाद सेक्टर 20 में तीनों वैष्णव अखाड़ों की धर्म ध्वजा स्थापना भी स्थापित हो गई। वैष्णव अखाड़ों में भी महाकुम्भ के विभिन्न अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे । महाकुम्भ में जन आस्था के सबसे बड़े आकर्षण सनातन धर्म के 13 अखाड़ों में भक्ति और अध्यात्म का रंग चढ़ने लगा है। संन्यासी अखाड़ों के बाद अब वैष्णव परंपरा के तीनों अखाड़ों ने सेक्टर 20 के त्रिवेणी मार्ग में स्थित शिवरों में अपनी अपनी धर्म ध्वजा स्थापित कर दी। वैष्णव परंपरा के अनुरूप ही तीनों वैष्णव अखाड़ों श्री पंच निर्मोही अनि अखाड़ा, श्री पंच निर्वाणी अनि और श्री पंच दिगंबर अनि अखाड़े की चरण पादुका पूजन और धर्म ध्वजा की स्थापना की गयी। श्री पंच निर्मोही अनि अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास के मुताबिक चरण पादुका और धर्म ध्वजा स्थापना के बाद अब अखाड़े में सभी तरह के कार्यक्रमों की शुरुआत हो जाएगी। तीनों अखाड़े में

ईष्ट देव भगवान हनुमान जी का प्रवेश हो गया है। तीनों अखाड़े के ईष्ट देव हनुमान जी महाराज हैं, जो कि धर्म ध्वजा के रूप में अखाड़े में विराजमान हो गये हैं। उनके मुताबिक पूरे महाकुम्भ तक हनुमान जी की यह ध्वजा इसी तरह शान से फहराती रहेगी। इन तीनों अखाड़ों के शिविर में विधि विधान से धर्म ध्वजा स्थापना का कार्यक्रम संपन्न हो गया। श्री पंच निर्मोही अणि अखाड़े के अध्यक्ष श्री महंत राजेंद्र दास जी का कहना है कि इस धर्म ध्वजा समारोह में शामिल होने के लिए सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी आज यहां आना था लेकिन देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद राष्ट्रीय शोक घोषित हो गया और ऐसे में मुख्यमंत्री के यहां आने का कार्यक्रम भी एक दिन पहले निरस्त हो गया। लेकिन अब जल्द ही मुख्यमंत्री जी यहां आएंगे। धार्मिक परम्परा के अनुसार सबसे पहले इन तीनों वैष्णव अखाड़ों में पहले अस्तित्व में आए श्री पंच दिगम्बर अनी अखाड़े की धर्म ध्वजा स्थापित हुई जिसके साथ अन्य दोनों अखाड़ों की धर्म ध्वजा स्थापित हो गई।

निर्माणाधीन पुलिस चौकी के लिए वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ भूमि पूजन

एजेंसी

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में विवादित जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी के निर्माण कार्य के लिए विधि-विधान से भूमि पूजन कराया गया। पूजन पंडित शोभित शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया। पूजन के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक श्रीशचंद्र पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। शुक्रवार को जामा मस्जिद के पास खाली मैदान पर चौकी के लिए नपाई कराकर जेसीबी से नींव खोदने का कार्य प्रारंभ हो गया था। स्थानीय निचली अदालत में संभल जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर का दावा पेश करने के बाद कोर्ट द्वारा नियुक्त एडवोकेट कमिश्नर ने टीम के साथ 19 नवंबर को जामा मस्जिद में सर्वे किया। रात का समय और भीड़ को देख सुरक्षा कारणों से सर्वे कार्य को बीच में ही स्थगित कर दिया था। इसके बाद ही 24 नवंबर को टीम ने मस्जिद में सर्वे करने प्रारंभ कर दिया था और कुछ देर बाद जामा मस्जिद क्षेत्र में 700-800 लोगों की जुटी भीड़ उग्र हो गई थी। जिसने एक भयानक हिंसा का रूप ले लिया था। आगजनी, पथराव और फयरिंग में चार युवकों की मौत हुई थी। कई पुलिसकर्मी चोटिल हुए थे। सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी। प्रशासन और

पुलिस ने किसी तरह स्थिति को संभाल लिया। संभल जिला प्रशासन ने विवादित शाही जामा मस्जिद के पास खाली पड़े हुए मैदान में नई पुलिस चौकी के निर्माण का बड़ा निर्णय लिया था और जुम्मे की नमाज के बाद पुलिस चौकी के लिए जगह को चिह्नित कर नपाई आदि की गई। इस दौरान एडिशनल एसपी व क्षेत्राधिकारी श्रीशचंद्र सहित काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे थे। इसके बाद पुलिस चौकी के निर्माण के लिए नींव की खुदाई का कार्य जेसीबी द्वारा प्रारंभ कर दिया गया था। इस निर्माणाधीन पुलिस चौकी का नाम 'सत्यव्रत पुलिस चौकी' रखा जा सकता है। भूमि पूजन के बाद अपर पुलिस अधीक्षक श्रीशचंद्र ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से इस जगह पर पुलिस चौकी बनाने का फैसला लिया गया है। संभल के पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए यह नाम प्रस्तावित किया गया है।

मप्र के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के ठिकानों पर छापे में मिली 7.98 करोड़ की संपत्ति

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मामले में छापा मार कार्रवाई के बाद लोकायुक्त की टीम पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इस कार्रवाई के बाद लोकायुक्त की टीम ने उसके ठिकानों से 7.98 करोड़ रुपये की चल-अंचल संपत्ति मिलने की पुष्टि की थी, लेकिन कोर्ट में दस्तावेजों के अनुसार लोकायुक्त ने 28.5 लाख रुपये नकद, पांच लाख रुपये से ज्यादा के आभूषण और 21 लाख रुपये की चांदी जब्त करने का दावा किया है। इससे लोकायुक्त की जांच में गड़बड़ी की आशंका बढ़ गई है। लोकायुक्त पुलिस ने गत 19 दिसंबर को सौरभ शर्मा और उसके सहयोगी चेतन गौर के आवास पर छापे में दो करोड़ 85 लाख रुपये नकद सहित सात करोड़ 98 लाख रुपये की संपत्ति मिली थी। सौरभ शर्मा तभी से फरार चल रहा है। इसी बीच 25 दिसंबर को सौरभ के वकील ने भोपाल की कोर्ट में उसकी अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई थी। इस पर लोकायुक्त की तरफ से डीएसपी वीरेंद्र सिंह ने कोर्ट में पेश होकर सौरभ की जमानत का विरोध किया था। उनकी ओर से कोर्ट में पेश किए विरोध पत्र ने कई विसंगतियां उजागर हुई है।

कोर्ट में पेश किए गए दस्तावेज

सामने आए, जिसमें सौरभ के ठिकानों से संपत्ति में 28.5 लाख रुपये नकद, पांच लाख रुपये से अधिक की ज्वेलरी और 21 लाख रुपये की चांदी शामिल है। जो कुल 55 लाख रुपये की होती है। हालांकि लोकायुक्त के अधिकारी इसे टाइपिंग एरर बता रहे हैं।

इसमें जल्द सुधार कराने के दावे किए जा रहे हैं। लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर दी है। एक दिन पहले यानी सौरभ शर्मा और उसके करीबियों के भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर स्थित छह ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा था। देर रात चली इस कार्रवाई के दौरान ईडी ने कई अहम सबूत जुटाए। खासकर लोकायुक्त की टीम ने सौरभ शर्मा के मुख्य घर और दफ्तर पर छापेमारी की, लेकिन उनका दूसरा घर और उनके सहयोगी शरद जायसवाल का निवास जांच से अछूता रहा।

संभल में एएसआई का सर्वे आठवें दिन भी रहा जारी, प्राचीन बावड़ी का सिरा तलाशने में जुटी टीम

एजेंसी

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी स्थित मुस्लिम बहुल मोहल्ला लक्ष्मणगंज में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का सर्वे आठवें दिन भी जारी रहा। एएसआई टीम के निर्देशन में प्राचीन बावड़ी की खुदाई और मिट्टी हटाने का काम चल रहा है। चंदौसी नगर पालिका के 50 मजदूर शाम करीब 5 बजे तक बावड़ी की साफ-सफाई में लगे रहे। इसके बाद खुदाई रोक दी गयी। अब रविवार को फिर खुदाई होगी। अब तक की खुदाई में 14 से अधिक सीढ़ियां और सीमेंट के बने खंभे मिले हैं।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि एएसआई टीम ने बावड़ी का सिरा और कुआं तलाशने के लिए कहा है। ऐसे में बावड़ी के ऊपर किया गया अतिक्रमण हटाया जाएगा ताकि उसके ऊपर बने तीन मकानों पर भी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई हो सके। आज सुबह से मजदूरों की एक टीम बावड़ी की ऊपरी मंजिल के गलियारों से मिट्टी निकालने में जुट गयी तो दूसरी टीम सड़क की ओर के हिस्से में कुएं और बावड़ी के सिरे की तलाश को लेकर खुदाई में जुटी रहीं। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि मजदूरों ने सड़क पर खुदाई की तो अंदर गड्ढा नजर आया।

ऊपर की मिट्टी हटाई तो दीवारें नजर आने लगीं। सड़क के पत्थर उखाड़ कर आगे खुदाई कराई तो एक कमरा नजर आया। इसकी चारों दीवारों पर गेट बने दिखाई दे रहे थे। माना जा रहा है कि यहीं पर बावड़ी का कुआं है। भूमिगत बावड़ी की इंटरलॉकिंग सड़क पार तक हो सकती है। बावड़ी का गेट दूसरी ओर है, जहां दोनों साइड में दो मकान बने हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 24 फरवरी को करेंगे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 का शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में निवेश को बढ़ाने के उद्देश्य से भोपाल में दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)- 2025 का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को इसका विधिवत् शुभारंभ करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नेअपने निवास कार्यालय समत्व भवन में अधिकारियों की बैठक लेकर जीआईएस-2025 की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट एक वैश्विक समागम है। व्यवस्थाओं में कोई भी कमी न रहे। दो महीने से भी कम समय शेष है, समय रहते सभी प्रकार की तैयारियां पुख्ता तरीके से कर ली जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीआईएस में कोर सेक्टर्स पर फोकस करते हुए ऐसी गतिविधियां

आयोजित करें, जिससे ठोस परिणाम मिलें। जीआईएस-2025 में देश-विदेश से आने वाले सभी मेहमानों के रहने-खाने एवं आसपास के पर्यटन स्थलों पर आने-जाने एवं भ्रमण की समुचित व्यवस्था की जाए। मेहमानों को होम-स्टे के बारे में भी बताया जाए। इस कार्य के लिए संस्कृति, वन, पर्यटन एवं स्थानीय प्रशासन आपसी समन्वय के साथ भोपाल शहर के सौंदर्यीकरण के कार्यों के लिए भी अभी से युद्ध स्तर पर तैयारियों शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विशेषताओं को संजोए हुए जीआईएस-2025 का ऐसा भव्य आयोजन किया जाए कि यह आने वाले प्रतिभागियों के जीवन की बेहतरीन यादों में शामिल हो जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष-2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया गया है। सालभर प्रदेश के विभिन्न संभागों में हर महीने किसी एक सेक्टर जैसे पॉवर सेक्टर, नवकरणीय ऊर्जा, ऑटो, एग्रो, पर्यटन, माइनिंग, हेल्थ, एजुकेशन और आईटी सेक्टर पर आधारित सेक्टोरल एक्सपो या कॉन्क्लेव का आयोजन भी किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गतिविधियों का विभागीय वार्षिक कैलेण्डर जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने एक नवाचार का सुझाव भी दिया कि इंडस्ट्री के संतुलित विकास के लिए उद्योग जगत से जुड़े हुए विशेषज्ञों, उद्योग संघों, संगठनों के साथ प्रदेश में सुव्यवस्थित, सरल और सुगम उद्योगीकरण की दिशा में विस्तृत विचार मंथन के लिये कार्यक्रम का आयोजन किया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह, एमपीआईडीसी एमडी चंद्रमौली शुक्ला, पर्यटन विकास निगम के एमडी इलैया राजा टी., कमिश्नर संजीव सिंह, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, जनसम्पर्क संचालक अंशुल गुप्ता तथा उद्योग विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुफ्त आवासीय शिक्षा से श्रमिक पाल्यों का जीवन संवार रही योगी सरकार

एजेंसी

गोरखपुर। प्रदेश में श्रमिकों के पाल्यों तथा कोरोना से बेसहारा हुए बच्चों को उत्कृष्ट आवासीय व्यवस्था के तहत पूर्णतः निशुल्क व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए अटल आवासीय विद्यालय के रूप में योगी सरकार द्वारा की गई पहल रंग ला रही है। श्रमिकों के पाल्यों और कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों का जीवन संवारने वाले इस मुफ्त आवासीय विद्यालय में गोरखपुर मंडल के 280 बच्चों को आगामी शैक्षिक सत्र (2025-26) में प्रवेश मिलेगा। प्रवेश के लिए आवेदन पत्र 27 दिसंबर से मिलने शुरू हो गए हैं। योगी सरकार ने प्रदेश के सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालयों का निर्माण कराया है। व्यवस्थाओं के लिहाज से ये विद्यालय निशुल्क सरकारी बोर्डिंग स्कूल सरीखे दिखते हैं। गोरखपुर मंडल में अटल आवासीय विद्यालय सहजनवा में बना है। शैक्षिक सत्र 2023-24 से यहां बच्चे पढ़ रहे हैं। दो सत्रों में कुल मिलाकर यहां मंडल के 359 बच्चे अध्ययनरत हैं। तीसरे सत्र में कक्षा 6 में 140 बच्चों (70 बालक और 70 बालिका) तथा कक्षा 9 में भी 140 बच्चों (70 बालक और 70 बालिका) को मंडल स्तरीय प्रवेश परीक्षा के जरिये दाखिला मिलेगा। इसके साथ ही कुल एक हजार विद्यार्थियों की क्षमता के दृष्टिकोण से बने इस मुफ्त आवासीय विद्यालय में तीन सत्रों में मिलाकर यहां कुल विद्यार्थियों की संख्या छह सौ से अधिक हो जाएगी। गोरखपुर के उप श्रम आयुक्त शक्ति सेन मौर्या के अनुसार अटल आवासीय विद्यालय उत्तर प्रदेश भवन एंव अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत संचालित होता है। इसमें प्रवेश के लिए उत्तर प्रदेश भवन एंव अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चे तथा कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चे पात्र होते हैं। अटल आवासीय विद्यालय में रहने, खाने, पढ़ने तथा पाठ्येतर गतिविधियों की उत्कृष्ट व्यवस्था पूरी तरह मुफ्त होती है। ये व्यवस्थाएं इस स्तर की हैं कि चार गुनी कमाई करने पर भी श्रमिक अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए ये इंतजाम नहीं कर पाते। अटल आवासीय विद्यालय सहजनवा के प्रधानाचार्य अजीत कुमार सिंह बताते हैं कि हॉस्टल से लेकर स्कूल तक यहां बच्चों को एक मित्रवत माहौल दिया गया है।

हिमाचल की चांशल घाटी में बर्फीले तूफान में फंसे आठ लोग, 12 घंटे बाद रेस्क्यू

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फ़बारी अब कहर बरपाने लगी है। बर्फबारी से जगह-जगह सड़कें बंद होने से यातायात बाधित हुआ है। वहीं कई जगह लोग फंसे हैं, जिन्हें निकालने के लिए स्थानीय स्तर पर टीमें सक्रिय हैं। शिमला जिला के रोहडू उपमण्डल के पर्यटन स्थल चांशल घाटी में बर्फीले तूफान में फंसे आठ व्यक्तियों को लोक निर्माण विभाग मंडल डोडरा क्वार की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर लडोट पंहुचाया है। यह रेस्क्यू अभियान 27 दिसंबर यानि शुक्रवार को रातभर चलता रहा। ये सभी आठ व्यक्ति एक जिप्सी, स्कार्पियो और पिकअप में सवार थे और चांशल घाटी के बर्फीले तूफान में फंस गए थे। इनमें जिप्सी व पिकअप डोडरा क्वार से रोहडू की ओर आ रही थी। वहीं स्कार्पियो में सवार होकर लोग रोहडू से चांशल घाटी घूमने गए थे। लोक निर्माण विभाग मंडल डोडरा क्वार की टीम को जैसे ही उनके चांशल घाटी में फंसे होने की सूचना मिली। लोनिवि की टीम ने बिना देरी किए शुक्रवार शाम चार बजे के करीब दो जेसीबी मशीनों की सहायता से बर्फ हटाने का कार्य शुरू किया और चांशल घाटी पंहुची। लगातार 12 घंटों से अथक प्रयास के बाद शनिवार सुबह सात बजे सभी आठ व्यक्तियों को सकुशल लडोट पंहुचाया गया। लोक निर्माण विभाग मंडल डोडरा क्वार के अधिशाषी अभियंता नरेंद्र नायक ने बताया कि यह रेस्क्यू अभियान रातभर लगातार 12 घंटे चला और सुबह 4 बजे खत्म हुआ। उन्होंने बताया कि सभी आठ व्यक्तियों को रेस्क्यू कर सुरक्षित पंहुचाया गया है। नायक ने बताया कि चांशल घाटी में लगभग 5 से 7 फीट बर्फ जमी हुई है।

योगी सरकार ने पशुपालन विभाग की 1500 एकड़ भूमि यूपीसीडा को स्थानांतरित की

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ रही है। इस क्रम में बुंदेलखंड क्षेत्र के ललितपुर जिले में बल्क ड्रग फार्मा पार्क विकसित करने की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। यह पार्क देश की फार्मा जरूरतों को पूरा करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। फार्मा पार्क के लिए सैदपुर ग्राम पंचायत में पशुपालन विभाग के स्वामित्व वाली 2000 एकड़ भूमि में से करीब 1500 एकड़ भूमि को राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण

(यूपीसीडा) को निःशुल्क हस्तानान्तरित किया है। भूमि का हस्तांतरण होने के बाद अब तेजी के साथ परियोजना अगले चरण में प्रवेश करेगी। इस भूमि पर दवा कंपनियां फैक्ट्रियां स्थापित करके यहां दवाइयों का निर्माण करेंगी। इस भूमि पर फार्मा पार्क विकसित करने के लिए वर्ल्ड क्लास कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटीज (सीआईएफ) तैयार की जाएंगी। यह परियोजना न केवल ललितपुर बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती दवाओं के उत्पादन पर योगी सरकार का जोर ललितपुर में प्रस्तावित बल्क ड्रग फार्मा पार्क राज्य और देश के लिए फार्मास्यूटिकल उत्पादों के निर्माण में एक पावर हाउस के रूप में कार्य करेगा। इस परियोजना का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती दवाओं का उत्पादन करना है। बल्क ड्रग प्रोडक्शन के क्षेत्र में यह पार्क भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान करेगा। ललितपुर बल्क ड्रग फार्मा पार्क पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना के तहत ग्लोबल फार्मा सेक्टर के लीडर्स को आकर्षित करने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) पहले ही जारी कर दी गई है। फार्मा पार्क में होगा वर्ल्ड क्लास बुनियादी ढांचा और बेहतर कनेक्टिविटी फार्मा पार्क को सड़क और रेल नेटवर्क के माध्यम से विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और उत्कृष्ट कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है। इसके तहत लॉजिस्टिक्स की सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सड़कें और रेल लिंक तैयार किए जाएंगे।

मेडिकल रिप्रजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एवजीक्युटेड, एन्हैस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं

जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनर्प्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महता को समझें।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

लीजेंड 90 लीग में दिल्ली रॉयल्स नवीनतम फ्रेंचाइजी के रूप में हुई शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। फरवरी 2025 में शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित लीजेंड 90 लीग में नवीनतम फ्रेंचाइजी के रूप में दिल्ली रॉयल्स का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। अनावरण के साथ ही टीम ने अपना लोगो भी लॉन्च किया है। कवच और ढाल से सजा दिल्ली रॉयल्स का आधिकारिक लोगो ताकत, दृढ़ संकल्प, लचीलेपन और वीरता का सटीक चित्रण करता है। दिल्ली रॉयल्स फ्रेंचाइजी का अधिग्रहण उत्तर भारत के सबसे बड़े राजमार्ग ब्रांड मन्नत ग्रुप द्वारा किया गया है। मन्नत ग्रुप ने लीजेंड्स क्रिकेट लीग में दिल्ली रॉयल्स का अधिग्रहण करके खेल उद्योग में पहली बार कदम रखा है। अपने लग्जरी हाइवे रेस्तरां, रिसॉर्ट्स और क्रिक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) के लिए जाना जाने वाला मन्नत अपने 11 आउटलेट्स पर प्रतिदिन 60,000 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। मन्नत ग्रुप जिस तरह से अपने व्यवसाय में अग्रणी है, ठीक उतना ही बड़ा नजरिया उसका खेलों को बढ़ावा देने को लेकर भी है। फ्रेंचाइजी के लॉन्च पर मन्नत ग्रुप के प्रतिनिधि मंदीप मलिक ने कहा कि दिल्ली रॉयल्स राष्ट्रीय राजधानी के गौरव का प्रतीक है। हम एक ऐसी टीम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो दृढ़ संकल्प के साथ अपने खेल कौशल से सभी को प्रभावित कर सकें। लीजेंड 90 लीग क्रिकेट के दिग्गजों को मैदान पर एक साथ लाने का एक शानदार मंच है और हम इसका हिस्सा बनकर बहुत रोमांचित हैं।

चौथे दिन का खेल खत्म, 333 रनों की हुई ऑस्ट्रेलिया की बढ़त

एजेंसी

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के चौथे दिन का खेल खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलिया टीम ने अपनी दूसरी पारी में 9 विकेट खोकर 228 रन बना लिए हैं। नाथन लियोन 41 रन और स्कॉट बोलैंड और 10 बनाकर नाबाद हैं। दोनों ने आखिरी विकेट के लिए अब तक 55 रन की साझेदारी कर ली है। मेजबान टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 369 रन बनाए। इससे पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया के पास 105 रन की बढ़त थी। ऐसे में अब उसकी कुल बढ़त 333 रन की हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 20 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। सलामी युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा। कोंस्टास ने 8 रन बनाए। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर दिया। ख्वाजा ने 21 रन बनाए। फिर सिराज ने स्टीव स्मिथ को अपना शिकार बनाया। वह 13 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने एक ही ओवर में पहले ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श को चलता कर दिया। हेड केवल 1 रन बना सके, जबकि मिचेल मार्श खाता भी नहीं खोल सके।

नागल ने डेविस कप से हटने का फैसला किया

नई दिल्ली। टोगो के खिलाफ भारत का डेविस कप 2025 विश्व ग्रुप एक प्ले-ऑफ देश के शीर्ष क्रम के एकल खिलाड़ी सुमित नागल के बिना 1-2 फरवरी को नई दिल्ली में होगा।दुनिया में 98वें स्थान पर काबिज नागल ने कथित तौर पर उपलब्धता के लिए कॉल का जवाब देने में विफल रहने के बाद बाहर होने का विकल्प चुना। नागल इससे पहले पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप एक मुकाबले से हट गए थे, और पाकिस्तान के खिलाफ जनवरी-फरवरी प्लेऑफ से चूक गए थे। भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले युगल खिलाड़ी (विश्व नंबर 48) युकी भांबरी ने भी टोगो के खिलाफ मुकाबले के लिए अपनी अनुपलब्धता की घोषणा की है। भारतीय टीम में दुनिया के 368वें नंबर के खिलाड़ी शशिकुमार मुकुंद शामिल हैं, जो निलंबन हटने के बाद वापसी कर रहे हैं। मुकुंद एकल लाइनअप का नेतृत्व करेंगे, उनके साथ रामकुमार रामनाथन (विश्व नंबर 393) और करण सिंह (विश्व नंबर 473) शामिल होंगे। युगल में, एन श्रीराम बालाजी (विश्व नंबर 65) नवागंतुक ऋत्विक बोल्लिपल्ली के साथ जोड़ी बनाएंगे, जो युगल में 72वें स्थान पर हैं। आर्यन शाह, मानस धामने, दक्षिणेश्वर सुरेश और युवान नंदल के प्रशिक्षण शिविर के बाद टीम के लिए रिजर्व खिलाड़ियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। प्ले-ऑफ में जीत से भारत विश्व ग्रुप एक में अपना स्थान बरकरार रख सकेगा।

गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से पाकिस्तान की उम्मीदें बरकरार

सेंचुरियन। मार्को यानसन (52 रन पर छह विकेट) की बदौलत पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन पाकिस्तान की दूसरी पारी को 237 रन पर निपटाने के बावजूद मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में तीन अहम विकेट मात्र 27 रन पर गंवा दिये और दोनो टीमो के बीच पहला टेस्ट रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपना स्थान पक्का करने के लिये दक्षिण अफ्रीका को यह मैच जीतना जरुरी है और इसके लिये अभी भी उसे 121 रनो की दरकार है। मैच के चौथे दिन के पहले सत्र का खेल दोनो टीमों के लिये बेहद अहम होगा। पाकिस्तान के गेंदबाजों की कोशिश अनुभवी एडन मारक्रम (22 नाबाद) और तेम्बा बावमा (0 नाबाद) की जोड़ी को जल्दी विदा करने की होगी हालांकि कार्बिन बॉश जैसे पुछल्ले बल्लेबाज भी मेहमान टीम के अरमानो पर पलीता लगा सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान की पहली पारी के 211 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 301रन बनाये थे और 90 रन की लीड हासिल की थी। जवाब में पाकिस्तान की दूसरी पारी 237 रन पर सिमट गयी थी और मेजबान टीम को जीत के लिये138 रन का लक्ष्य दिया।

आईसीसी पुरस्कार 2024ः वर्ष के उभरते क्रिकेटरों की पहली शॉर्टलिस्ट घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उभरते पुरुष और महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कारों के लिए नामांकित व्यक्तियों के साथ आईसीसी पुरस्कार 2024 में शॉर्टलिस्ट की पहली सूची का खुलासा किया है। वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के चयन के लिए 8 देशों के पुरुष एवं महिला क्रिकेट प्लेयर की सूची निकाली गई है। इसके विजेताओं का चयन आईसीसी क्रिकेट डॉट कॉम पर पंजीकृत प्रशंसकों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मीडिया के एक प्रमुख पैनल द्वारा किया जाएगा, जिसके परिणाम जनवरी के अंत में घोषित किए जाएंगे। यही नहीं 29 और 30 दिसंबर को सात और आईसीसी पुरस्कार 2024 के लिए शॉर्टलिस्ट का खुलासा किया जाएगा।आईसीसी इमर्जिंग मेन्स क्रिकेटर ऑफ द ईयर के बेहद प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में चार मजबूत दावेदार सामने हैं। इनमें इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने अपने टेस्ट करियर की यादगार शुरुआत की। वहीं सूची में पाकिस्तान के मल्टी-फॉर्मेट रन-स्कोरर सैम अयूब, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज

शमर जोसेफ और रिकॉर्ड तोड़ने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाज कामिंदु मेंडिस शामिल किए गए हैं। दूसरी ओर, वर्ष की उभरती हुई महिला क्रिकेटरों में नामांकित हैं- दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी एनेरी डर्कसेन, स्कॉटलैंड की सास्किया हॉर्ले, भारत की श्रेयंका पाटिल और आयरलैंड की फ्रेया सार्जेंट। इन्होंने वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट में महत्वपूर्ण छाप छोड़ी है आईसीसी पुरस्कार 2024 में 12 व्यक्तिगत पुरस्कार शामिल हैं, जिसमें 28 से 30 दिसंबर के बीच आईसीसी द्वारा नौ श्रेणियों में शॉर्टलिस्ट का खुलासा किया जाएगा। यह शॉर्टलिस्ट क्रिकेट लेखकों और प्रसारकों के एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा तैयार की गई है, जिन्होंने पूरे कैलेंडर वर्ष में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मैदान पर प्रदर्शन और समग्र उपलब्धियों के अनुसार नामांकित व्यक्तियों का चयन किया है। बताया गया है कि प्रशंसक www.icc-cricket.com पर अपने पसंदीदा उभरते खिलाड़ियों के लिए वोट कर सकते हैं। वहीं, अन्य श्रेणियों के लिए भी अगले दो दिनों में आईसीसी द्वारा नामांकित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी जाएगी। शॉर्टलिस्ट की गई प्रत्येक श्रेणी में विजेता की पहचान करने के लिए फैन वोटिंग परिणामों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मीडिया के एक प्रमुख पैनल - आईसीसी वोटिंग अकादमी - द्वारा किए गए चयन के साथ जोड़ा जाएगा। आईसीसी पुरस्कार 2024 में मनाई जाने वाली अन्य श्रेणियों में आईसीसी पुरुष और महिला एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर और आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर शामिल हैं।

व्यक्तिगत पुरस्कारों के अलावा, कैलेंडर वर्ष के दौरान पुरुषों और महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में असाधारण एकादश की पहचान करते हुए, आईसीसी वोटिंग अकादमी द्वारा वर्ष की पांच आईसीसी टीमों का भी निर्णय लिया जाएगा।

दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज खिताब जीतकर कोनेरू हम्पी ने रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने रविवार को न्यूयॉर्क में इतिहास रचते हुए विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में जीत हासिल की। उन्होंने इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराकर दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीता। ऐसा करने वाली वे पहली भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी हैं। 2019 में मॉस्को में जीत के बाद यह इस प्रारूप में उनकी दूसरी खिताबी जीत है। चीन की जू वेनजुन के बाद हम्पी महिला वर्ग में एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी शतरंज खिलाड़ी बन गई हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। यह भारतीय

ग्रैंडमास्टर के लिए निर्णायक जीत थी। रूस के 18 वर्षीय वोलोदर मुर्जिन ने पुरुष वर्ग में यह खिताब जीता। हाल ही में सिंगापुर में क्लासिकल शतरंज विश्व चैंपियनशिप में डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर चैंपियन बने थे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना, कहा- विनिसियस जूनियर गोल्डन बॉल जीतने के हकदार थे

एजेंसी

दुबई। दिग्गज पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने बैलन डी'ओर पुरस्कार की आलोचना की और कहा कि रियल मैड्रिड और ब्राजील के सुपरस्टार विनीसियस जूनियर सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के रूप में नामित होने के हकदार थे।इससे पहले अक्टूबर में, मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रॉड्री को 2024 पुरुष बैलन डी'ओर विजेता नामित किया गया था, उन्होंने अपने क्लब को लगातार चौथी बार इंग्लिश प्रीमियर लीग का खिताब दिलाने में मदद की। क्लब फ़ुटबॉल के अलावा, रॉड्री ने स्पेनिश राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जर्मनी में 2024 यूरो में उनकी जीत में योगदान दिया, जहाँ उन्होंने जुलाई में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुना गया।बैलन डी'ओर पुरस्कार समारोह के एक महीने बाद, विनीसियस ने द बेस्ट फीफा मेन्स प्लेयर ऑफ़ द ईयर जीता और उन्हें दुबई ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में प्लेयर ऑफ़ द ईयर का पुरस्कार

भी दिया गया। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में 'बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर' का पुरस्कार भी दिया गया। ग्लोब सॉकर अवार्ड्स में रोनाल्डो ने कहा,विनिसियस को 2024 का पुरुष बैलन डी'ओर पुरस्कार देने से मना करना अनुचित था। मेरी राय में, वह [विनिसियस] गोल्डन बॉल [बैलन डी'ओर पुरस्कार] जीतने के हकदार थे। मैं यहाँ सबके सामने कह रहा हूँ। वे इसे रॉड्री को देते हैं, वह भी इसके हकदार थे, लेकिन उन्हें इसे विनिसियस को देना चाहिए था क्योंकि उन्होंने चैंपियंस लीग जीती और फाइनल में गोल किया। पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि ग्लोब सॉकर अवार्ड्स अन्य गाला से बेहतर है क्योंकि वे पारदर्शी हैं। उन्होंने कहा, आप इन गाला को जानते हैं, वे हमेशा एक ही काम करते हैं।

ईस्ट बंगाल एफसी को ड्रा पर रोककर हैदराबाद एफसी ने तोड़ा हार का सिलसिला

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में हैदराबाद एफसी ने पांच मैचों से चला आ रहा लगातार हार का सिलसिला तोड़ दिया, जब मेजबान टीम ने अपने घरेलू मैदान जीएमसी बालायोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए आईएसएल 2024-25 मुकाबले में ईस्ट बंगाल एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। ईस्ट बंगाल के लिए गोल मिडफील्डर जीक्सन सिंह ने 64वें मिनट में किया जबकि हैदराबाद की तरफ से लेफ्ट-बैक मनोज मोहम्मद ने 90वें मिनट में बराबरी का गोल किया। बिसाऊ-गिनी के स्ट्राइकर एडमिल्सन कोरेया को बराबरी के गोल में सहायता प्रदान करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच का पहला गोल 64वें मिनट में आया, जब मिडफील्डर जीक्सन सिंह ने ईस्ट बंगाल एफसी को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। टीम के कप्तान व ब्राजीली स्ट्राइकर क्लीटन सिल्वा ने बॉक्स के बाहर मिली फ्री-किक पर करारा शॉट लगाया, जिस पर गेंद क्रॉस बार से

टकराई और रिबाउंड पर छह गज के खतरनाक इलाके मौजूद जीक्सन ने हैडर से गेंद को गोल जाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर अर्शदीप सिंह और राइट-बैक अब्दुल रबीह के बचाव के प्रयास बेकार गए। 90वें मिनट में लेफ्ट-बैक मनोज मोहम्मद ने गोल करके हैदराबाद एफसी को 1-1 की बराबरी दिला दी। बिसाऊ-गिनी के स्ट्राइकर एडमिल्सन कोरेया ने बॉक्स के बाहर से थ्रू-पास डाला, जहां पीछे से दौड़ कर बॉक्स के अंदर आए मनोज ने बाएं पैर से करारा शॉट लगाकर गेंद को बॉटम राइट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि गोलकीपर प्रभसुखन गिल को बचाव का कोई मौका नहीं मिला।

शीर्ष छह में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगे केरला ब्लास्टर्स और जमशेदपुर एफसी

एजेंसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी अपने घरेलू मैदान जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स एफसी का सामना करेगी। दोनों ही टीमें पिछले पांच मैचों में दो बार जीती और तीन बार हारी हैं। जमशेदपुर एफसी 11 मैचों में छह जीत और पांच हार से 18 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है। वहीं, केरला ब्लास्टर्स एफसी 13 मैचों में चार जीत, दो ड्रा और सात हार से 14 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है। ब्लास्टर्स (चार जीत, दो ड्रा) रेड माइनर्स के खिलाफ अपने पिछले छह आईएसएल मुकाबलों में अपराजित हैं, उन मैचों में से प्रत्येक में एक गोल जरूर किया है। ये दोनों टीमें रक्षात्मक समस्याओं का सामना कर रही हैं, क्योंकि ब्लास्टर्स ने 24 गोल और जमशेदपुर एफसी ने 22 गोल खाए हैं। जमशेदपुर एफसी ने आईएसएल में अपने पिछले आठ घरेलू मैचों में से प्रत्येक में गोल किया है, जो उसका सबसे लंबा ऐसा सिलसिला है। उन्होंने इनमें से छह मैचों में कम से कम दो गोल किए हैं। हावी सिवेरियो ने चार, जॉर्डन मरे और हावी हर्नांडेज ने तीन-तीन गोल का योगदान किया है। वहीं, रक्षात्मक पंक्ति की कमजोरी किसी से छुपी नहीं है। रेड माइनर्स ने अपने पिछले आठ घरेलू मैचों में से सात में गोल खाए हैं। जबकि केरला ब्लास्टर्स की टीम अवे फॉर्म की समस्या से जूझ रही है। ब्लास्टर्स ने अपने पिछले पांच अवे मैचों में से प्रत्येक में दो गोल किए हैं, लेकिन अपने पिछले तीन अवे मैचों में तीन या उससे अधिक गोल खाए भी हैं। हालांकि अहम बात यह है कि केरला ने अपने पिछले पांच मुकाबलों में 10 गोल दागे हैं,, जो उनकी स्कोरिंग क्षमता के पक्ष में जाते हैं।। जमशेदपुर एफसी और केरला ब्लास्टर्स की टीमों के बीच खेले गए 16 मैचों में केरला ब्लास्टर्स ने पांच जीते हैं, जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन जीते हैं। आठ मैच ड्रा रहे हैं। जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच खालिद जमील ने केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ मैच में सकारात्मक परिणाम हासिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मैं अपनी टीम पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं, क्योंकि हम अच्छा खेलना चाहते हैं, इसलिए हमें सकारात्मक सोचना चाहिए। हमें अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, क्योंकि हमारे लिए करो-मरो जैसी स्थिति है। वहीं, केरला ब्लास्टर्स एफसी के अंतरिम मुख्य कोच टी.जी. पुरुषोत्तमन ने कहा कि जमशेदपुर एफसी घर पर ताकतवर है। उन्होंने कहा, हम जीत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम सभी मैच जीतना चाहते हैं और इसी के लिए हम तैयारी कर रहे हैं। जमशेदपुर एफसी घरेलू मैदान पर एक मजबूत टीम है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट कर्मचारी टीम सेमीफाइनल में

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट कर्मचारी टीम ने जयपुर में खेली जा रही अखिल भारतीय टी-20 प्रीमियर लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय कर्मचारी-अधिकारी संघ के खेल सचिव जुनैद अहमद से प्राप्त जानकारी के अनुसार एनबी क्रिकेट अकादमी वीआईटी जगतपुरा जयपुर मैदान पर खेले गए मैच में दिल्ली हाईकोर्ट कर्मचारी टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 120 रन (विनय यादव 43, दिनेश मनचंदा 26, शांभवी पांडेय 2/18, फ़राज़, सुशील कुमार सिंह एवं नोमान अहमद एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में इलाहाबाद हाईकोर्ट कर्मचारी टीम ने 18.3 ओवर में दो विकेट पर 121 रन (सागर 38 नाबाद, जुनैद 37 नाबाद, सुशील कुमार सिंह 25, आनंद सिंह 16, नितिन शर्मा व विनय यादव एक-एक विकेट) बना लिए। इस जीत के साथ ही इलाहाबाद हाईकोर्ट कर्मचारी टीम ने अंतिम चार में जगह बना ली है।

संसाधनों का अभाव जीवन के विकास में बाधक नहीं बनता : आरएन विश्वकर्मा

एजेंसी

प्रयागराज। झूंसी स्थित लाला मनमोहन दास इंटर कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह के विजयी प्रतिभागियों को आज संयुक्त शिक्षा निदेशक आर एन विश्वकर्मा ने मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि संसाधनों का अभाव जीवन के विकास में कभी भी बाधक नहीं बनता। जीवन में सफलता के लिए दूर दृष्टि, पक्का इरादा, लगन और अनुशासन होना आवश्यक है। दो दिवसीय खेलकूद समारोह में विद्यालय के कुल 638 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिनमें से 283 खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। सर्वाधिक 125 अंक प्राप्त कर ब्लू हाउस विजेता रहा, जिसके 67 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में प्रतिभाग कर अंक प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर 95 अंक हासिल कर रेड हाउस रहा, जिसके 54 खिलाड़ियों ने अंक प्राप्त किया। तीसरे स्थान पर 93 अंक हासिल कर येलो हाउस रहा। इसके कुल 49 खिलाड़ियों ने मेडल

हासिल किया। चौथे स्थान पर ग्रीनहाउस रहा, जिसके 48 खिलाड़ियों ने कुल 81 अंक प्राप्त किया। चारों हाउस मिलकर ओवरऑल चैम्पियंस का किताब कक्षा 9 की छात्रा अनामिका निषाद को प्राप्त हुआ, जिसने 100, 200 मीटर दौड़ और डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी खिलाड़ियों को संयुक्त शिक्षा निदेशक आर एन विश्वकर्मा तथा प्रधानाचार्य डॉ निरंजन कुमार सिंह ने ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियों में विद्यालय की उत्कृष्टता का यह प्रमाण है। प्रधानाचार्य ने कहा कि इस वर्ष 17 खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया, जबकि दो खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को खेल सम्बंधी गतिविधियों में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होना चाहिए, इससे वह शारीरिक के साथ मानसिक रूप से भी मजबूत होंगे तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों का दृढ़ता के साथ मुकाबला कर सकेंगे। आज के समय में खेल भी जीवन में कॅरियर के रूप में एक अच्छा अवसर है।

खो खो विश्व कप के आयोजन में आर्थिक सहायता प्रदान करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार खो खो विश्व कप के आयोजन ने आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) और विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को मुलाकात के दौरान आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया। खो खो विश्व कप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि उन्होंने गुरुवार को मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 13 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में खो खो वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह के अवसर पर आमन्त्रित किया है। मित्तल ने नोएडा खेल स्टेडियम में खो-खो विश्व कप के मैचों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा इस उत्तर प्रदेश सरकार की खेल नीतियों की वजह से देश के सबसे बड़े राज्य में

इस खेल को प्रोत्साहन मिला है जिससे इसके विकास की सम्भावनाएँ बढ़ गई हैं। उन्होंनें कहा कि खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया उत्तर प्रदेश में खो खो को प्रमोट करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम करेगी जिससे खो खो को ओलिंपिक और एशियाई खेलों में शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

वाशिंगटन सुंदर ने आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ का जताया आभार

पुणे।

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर ने उनकी क्षमताओं पर अटूट विश्वास रखने के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया है। सुंदर ने बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शानदार अर्धशतक लगाया। मेलबर्न में पोस्ट-डे प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुंदर ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं बहुत खुश हूं और गौती भाई [गंभीर] और सभी सहयोगी स्टाफ ने मुझ पर विश्वास बनाए रखा और मुझे बताते रहे कि मैं क्या करने में सक्षम हूं, खासकर इस स्तर पर, इस प्रारूप में। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है, इससे मुझे विश्वास होता है कि मैं इस प्रारूप में भारतीय टीम के लिए विशेष चीजें कर सकता हूं। अपने प्रदर्शन पर सुंदर ने कहा, निश्चित रूप से एक अच्छा दिन था, अगर मैं कुछ और रन बनाता और अपना विकेट नहीं खोता तो और भी बेहतर होता, लेकिन हाँ, मुझे लगता है कि हम आज अच्छी स्थिति में हैं। सुंदर का महत्वपूर्ण अर्धशतक भारतीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण में आया, जिसमें उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ 127 रनों की उल्लेखनीय साझेदारी की। उनके प्रयासों ने पारी को स्थिर करने में मदद की, 50 रनों की शानदार पारी खेलने के बाद अंतः वह नाथन लियोन की गेंद पर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलने की चुनौती को लेकर सुंदर ने कहा, मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, चाहे कुछ भी हो। भारत ने बॉक्सिंग डे टेस्ट में जोरदार वापसी की, फॉलो-ऑन के मंडराते बादल को हराया और ऑस्ट्रेलियाई बढ़त को काफी कम कर दिया। तीसरे दिन के अंत तक, भारत ने 9 विकेट पर 358 रन बना लिए हैं, जिसमें रेड्डी मोहम्मद सिराज के साथ नाबाद थे। रेड्डी ने 176 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 105 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 59.66 रहा। रेड्डी ने 171 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और सचिन तेंदुलकर और ऋषभ पंत के बाद ऑस्ट्रेलिया में पहला टेस्ट शतक बनाने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए। तेंदुलकर ने 1992 में 18 साल और 256 दिन की उम्र में अपना पहला शतक बनाया था, जबकि पंत ने 2019 में सिडनी में 21 साल और 92 दिन की उम्र में अपना शतक बनाया था।

विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान गुकेश के माता-पिता भी उनके साथ थे। 18 वर्षीय डी गुकेश ने हाल ही में सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 में चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ गुकेश दुनिया में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने हैं। मुलाकात के दौरान गुकेश ने प्रधानमंत्री को सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप में प्रयोग में लाई गई शतरंज भी भेंट की। इस पर गुकेश के साथ-साथ उनके प्रतिद्वद्वी चीन के डिंग लिरेन के भी हस्ताक्षर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गुकेश से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि ब्शतरंज चैंपियन और भारत के गौरव डी गुकेश के साथ शानदार बातचीत हुई। मैं पिछले कुछ सालों से उनके साथ निकटता से जुड़ा हुआ हूं और मुझे उनके बारे में जो बात सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह है उनका दृढ़ संकल्प और समर्पण। उनका आत्मविश्वास वाकई प्रेरणादायक है। दरअसल, मुझे कुछ साल पहले उनका एक वीडियो याद है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनेंगे- एक भविष्यवाणी जो अब उनके अपने प्रयासों की बदौलत सच साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि ब्हर एथलीट की सफलता में उसके माता-पिता की अहम भूमिका होती है। मैंने गुकेश के माता-पिता की सराहना की कि उन्होंने

हर मुश्किल परिस्थिति में उसका साथ दिया। उनका समर्पण उन युवा उम्मीदवारों के अनगिनत माता-पिता को प्रेरित करेगा जो खेल को करियर के रूप में अपनाने का सपना देखते हैं प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्मुझे गुकेश से उस खेल की असली शतरंज की बिसात पाकर भी बहुत खुशी हुई, जिसमें उन्होंने जीत हासिल की थी। शतरंज की बिसात, जिस पर उनके और डिंग लिरेन दोनों के हस्ताक्षर हैं, एक अनमोल स्मृति है। वहीं, गुकेश ने प्रधानमंत्री की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, आज मुझे हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह मेरे जीवन के सबसे यादगार पलों में से एक था। मैं प्रधानमंत्री महोदय के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं कि उन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद मुझसे मिलने के लिए समय निकाला। उनका समर्थन और प्रोत्साहन मेरे जैसे युवाओं के लिए उत्प्रेरक का काम करता है और प्रेरणा का एक जबरदस्त स्रोत है। मैं उनकी उदारता और विचारशीलता से वास्तव में अभिभूत हूं। जब प्रधानमंत्री महोदय ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप सहित मेरे खेलों पर चर्चा शुरू की, तो मैं बैठक के दौरान पूरी तरह से अवाक रह गया! यह वास्तव में अवास्तविक था। मैं प्रधानमंत्री महोदय के प्रति अपनी कृतज्ञता को पूरी तरह से व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं ढूंढ़ पा रहा हूं। आपके प्रोत्साहन भरे शब्दों ने मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा से भर दिया है। एक बार फिर से धन्यवाद, महोदय, ऐसे अविश्वसनीय रोल मॉडल होने और मेरे जैसे लाखों भारतीयों को प्रेरित करने के लिए।

राजामौली की 1000 करोड़ी फिल्म में

प्रियंका चोपड़ा

का होना पक्का... महेश बाबू संग जमेगी देसी गर्ल की जोड़ी

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा एक ग्लोबल आइकॉन बन चुकी हैं. अब वो एक इंटरनेशनल स्टार हैं और हॉलीवुड के उनके काफी प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं. लेकिन प्रियंका के फैन्स उनको बॉलीवुड में भी वापसी करते देखना चाहते हैं. बीते दिनों पीसी ने एक इंटरव्यू में इस बात की हिंट दी थी कि वो बॉलीवुड में वापसी कर सकती हैं और उसके बाद खबर आई थी कि 'बाहुबली' और 'आरआरआर' फिल्मों के डायरेक्टर SS Rajamauli की आने वाली फिल्म SSMA29 (शुरूआती नाम) के लिए हॉलीवुड एक्ट्रेस से बात की जा रही है. ऐसे में ये आंकलन लगाया जा रहा था कि वो इस 1000 करोड़ की फिल्म का हिस्सा हो सकती हैं.

अब इस खबर पर मुहर लगती नजर आ रही है. पिंकविला की एक एक्सक्लूसिव रिपोर्ट में इस बात पर मुहर लगा दी गई है कि प्रियंका, राजामौली की इस मेगा बजट फिल्म का हिस्सा होंगीं. इस रिपोर्ट के मुताबिक, इस 1000 करोड़ी फिल्म की कहानी अपने आप में पहली अफ्रीकन जंगल एडवेंचर की कहानी होगी जिसमें साउथ सुपरस्टार महेश बाबू एक ऐसे एक्सप्लोरर का किरदार निभाएंगे जिसमें भगवान हनुमान की खासियत होगी.

छह महीनों से चल रही थी बातचीत

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म का कास्टिंग का काम लगभग पूरा हो गया है और फिल्म अप्रैल 2025 में शूटिंग के लिए तैयार हो गई है. फिल्म में महेश बाबू के ऑपोजिट प्रियंका चोपड़ा को कास्ट किया गया है जो फैन्स के लिए एक न्यू जोड़ी होगी. रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म राइटिंग की फाइनल स्टेज पर है. राजामौली इस फिल्म के लिए एक ग्लोबल चेहरे को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट करना चाहते थे और प्रियंका से बेहतर इसके लिए कोई नहीं हो सकता. कहा जा रहा है कि प्रियंका से पिछले छह महीनों में राजामौली की कई मीटिंग्स हुई और अब ये बात फाइनल स्टेज में है.

कब तक थिएटर्स में आएगी फिल्म ?

प्रियंका पूरे 6 सालों के बाद बॉलीवुड की किसी फिल्म में दिखाई देंगीं. इससे पहले वो फरहान अख्तर और जारया वसीम के साथ फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में नजर आईं थीं. कहा जा रहा है कि इस फिल्म में प्रियंका हमें तगड़े एक्शन सीन्स करती नजर आएंगीं. उन्होंने इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी है. रिपोर्ट की मानें तो साल 2026 के अंत तक फिल्म कंप्लीट होगी और साल 2027 में ये मेगा बजट फिल्म थिएटर्स में रिलीज होगी. फिल्म को यूएस, इंडिया और अफ्रीका की लोकेशन में शूट करने की बात की जा रही है.

'उन्हें दुनिया की सारी खुशियां मिलें...', को-स्टार कटरीना ने मांगी सलमान के लिए दुआ

आज बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान का 59वां बर्थडे है. सलमान ने वैसे को कई एक्ट्रेसेस के साथ काम किया है, लेकिन बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के साथ उनकी केमेस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आती है. दोनों ने साथ में 'मैंने प्यार क्यूं किया', भारत, युवराज और टाइगर फ्रेंचाइज जैसी फिल्मों में काम किया है. दोनों की जोड़ी को सुपरहिट का दर्जा मिला है. ऐसे में भाईजान के बर्थडे पर कैट ने उन्हें बहुत प्यारा सा विश किया है.सलमान खान के बर्थडे पर बॉलीवुड के कई सितारों ने उन्हें खास अंदाज में विश किया है. इसी लिस्ट में एक नाम उनकी को-स्टार रहीं बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ का भी है. कटरीना ने भाईजान के बर्थडे पर उन्हें विश किया और उनके लिए दुआ मांगी कि उन्हें दुनिया की सारी खुशियां मिलें.

कटरीना ने सलमान को किया विश

कटरीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक्टर की एक पिक्चर शेयर की जिसके साथ उन्होंने प्यारा सा कैप्शन भी दिया. उन्होंने लिखा कि भगवान आपको दुनिया की सारी खुशियां दे. हैपी बर्थडे. हाल ही में सलमान-कटरीना की सबसे बड़ी हिट्स में से एक टाइगर जिंदा है को 7 साल पूरे होने का जश्न मनाया गया था. इसी कड़ी में कटरीना ने भी YRF की पोस्ट को री-शेयर किया था.

कटरीना-सलमान वर्कफ्रंट

कटरीना ने सलमान के साथ कई शानदार फिल्मों में काम किया है. उन दोनों के डेटिंग रुमर्स भी अखबारों की सुर्खियां बने थे. कटरीना ने साल 2021 में एक्टर विकी कौशल संग शादी की थी. उनको लास्ट विजय सेतुपति के साथ सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म मैरी क्रिसमस में देखा गया था. वहीं सलमान की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं. उनकी फिल्म सिकंदर का टीजर जल्द ही सामने भी आने वाला है.

ये तो सुपरस्टार है... राहा की इस हरकत ने जीत लिया लोगों का दिल, तारीफों के बांधे पुल

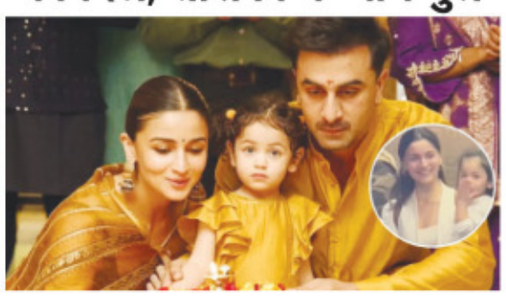

जैसे-जैसे न्यू ईयर करीब आते जा रहा है, वैसे ही लोगों की नजर बॉलीवुड सितारों की पार्टी पर टिकी हुई हैं. हालांकि, इसी बीच कई ऐसे भी स्टार्स हैं, जो अपनी फैमिली के साथ वेकेशन पर निकल गए हैं, जिनमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का नाम शामिल है. लेकिन जब से दोनों की बेटी राहा हुई है, तो दोनों ही सितारों के बीच का सारा लाइम लाइट वो अपने नाम कर लेती है. कुछ वक्त पहले राहा पैपराजी को क्रिसमस विश किया था, तो अब वहीं वो दोबारा से काफी क्यूट अंदाज में स्पॉट की गई हैं.हाल ही में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और राहा न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए बाहर जाते नजर आए. तीनों को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. इस दौरान नीतू कपूर , सोनी राजदान और शाहीन भट्ट भी दिखीं. सभी के बीच राहा ने

लोगों का अटेंशन तक अपनी ओर किया जब उसने पैपराजी को बहुत ही प्यारे तरीके से हेलो बोला. पैपराजी का रिकॉर्ड किया ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से सर्कुलेट हो रहा है, जिसे लोग भी बहुत पसंद कर रहे हैं.

पैपराजी को फ्लाइंग किस

दरअसल, वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जब आलिया राहा को गोद में लेकर जब एयरपोर्ट के अंदर दाखिल हो रही थीं, तो उसी वक्त पैपराजी ने पीछे से राहा का नाम बुलाया, जिस पर अपना रिएक्शन देते हुए राहा उनकी तरफ मुड़ी और प्यार से उन्हें हेलो कहा. राहा कि इस अदा ने लोगों का दिल जीत लिया, लेकिन सिर्फ इतना ही नहीं इसके बाद राहा ने पैपराजी को फ्लाइंग किस भी दिया, राहा कि इस क्यूट सी हरकत पर आलिया और रणबीर भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए.

अभी से सुपरस्टार बन गई है

इंस्टेंट बॉलीवुड ने इस वीडियो को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है, जिस पर लोगों ने जमकर प्यार लुटाया है. वीडियो के कमेंट सेक्शन में लोगों ने राहा के क्यूटनेस की तारीफ की है. वहीं कई सारे लोगों ने उसकी तुलना आलिया भट्ट की खूबसूरती से की है. एक यूजर ने को लिखा है कि ये अभी से सुपरस्टार बन गई है. इसी तरह क्रिसमस के दिन भी राहा ने पूरी लाइमलाइट अपने नाम कर ली थी.

ऐसी सोच रखते तो नहीं बनती 'शोले', इंडस्ट्री के एक्टर्स को लेकर

अनिल कपूर

ने कही ये बात

अनिल कपूर 90 के दशक से लोगों का दिल जीत रहे हैं. जल्द ही वो अपनी नई फिल्म 'सूबेदार' के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करते नजर आने वाले हैं. कुछ दिन पहले ही फिल्म का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज किया गया है, जिसे उनके फैन्स ने काफी पसंद किया है. हाल ही में एक्टर ने अपनी पुरानी फिल्मों के बारे में बात करते हुए आजकल के आर्टिस्ट के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि आज के समय में एक एक्टर दूसरे एक्टर के साथ एक फिल्म में काम करने से पीछे हटता है.

अनिल कपूर अपनी पुरानी फिल्मों को याद करते हुए 'एके वर्सेस एके' का जिक्र किया. ये फिल्म साल 2020 में रिलीज हुई थी, जिसमें उनके साथ अनुराग कश्यप भी थे. ये फिल्म कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है, जिसे विक्रमादित्य मोटवाने ने डायरेक्ट किया है. एक्टर ने बताया कि जिस वक्त उन्होंने इस फिल्म को साइन किया था उस समय कई लोग हैरान हो गए थे, जिसमें से एक उनकी फिल्म 'एनिमल' के डायरेक्टर भी थे.

संदीप रेड्डी वांगा हो गए थे हैरान

एक्टर ने बताया कि जब संदीप रेड्डी वांगा को ये पता चला वो शॉक हो गए थे, उनका कहना था कि इस तरह की फिल्में करने से सितारों का स्टारडम खत्म हो सकता है.अनिल कपूर ने दूसरे एक्टर के शामिल होने वाली फिल्मों के बारे में भी बात की. उन्होंने कहा कि लोगों के लिए फीस भी एक बड़ा फैक्टर होता है. अपनी बात करते हुए उन्होंने कहा कि सभी प्रोजेक्ट पैसों के लिए नहीं किया जाता है. कुछ फिल्में वो अपने पैशन की वजह से भी साइन करते हैं.

एक साथ नहीं करना चाहते काम

एक्टर ने इस दौरान 'स्लमडॉग मिलेनियर' के बारे में जिक्र किया. उन्होंने कहा कि वो अपने आपको खुश किस्मत समझते हैं कि वो उस फिल्म का हिस्सा थे. एक्टर ने बताया कि उस फिल्म में उन्हें कुछ अलग करने का मौका मिला था. नए जनरेशन के एक्टर के बारे में बात करते हुए अनिल कपूर ने कहा कि आज के समय में लीड एक्टर एक-दूसरे के साथ काम करने में बहुत हिचकते हैं. 'शोले' के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा कि अगर पहले भी लोग ऐसा ही सोचते तो 'शोले' जैसा क्लासिक फिल्म कभी नहीं बन पाती.